



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-01062026-273034  
CG-DL-E-01062026-273034

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 146]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 27, 2026/ज्येष्ठ 6, 1948

No. 146]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 27, 2026/JYAISHTHA 6, 1948

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अंतिम जांच परिणाम

नई दिल्ली, 27 मई, 2026

मामला सं. – (एसजी)-01/2025

विषय: भारत-कोरिया व्यापक आर्थिक भागीदारी करार (द्विपक्षीय रक्षोपाय) नियमावली, 2017 के तहत कोरिया गणराज्य से डायोक्जिल टेरिफ्थालेट (डी ओ टी पी) और डायथिलहेक्सिल साइक्लोहेक्सेन (डी ई एच सी एच) के रूप में गैर-थैलेट प्लास्टिसाइज़र के आयात के संबंध में द्विपक्षीय रक्षोपाय जांच

फा. सं. 22/01/2025-डीजीटीआर.—भारत-कोरिया व्यापक आर्थिक भागीदारी करार (द्विपक्षीय रक्षोपाय) नियमावली, 2017 (जिसे इसके बाद "द्विपक्षीय रक्षोपाय नियमावली" या "नियमावली" कहा गया है) और व्यापक आर्थिक सहयोग करार ("सीईपीए" या "करार") को ध्यान में रखते हुए;

### क. मामले की पृष्ठभूमि

1. केएलजे प्लास्टिसाइज़र्स लिमिटेड (जिसे यहां आगे "आवेदक" या "घरेलू उद्योग" कहा गया है) ने कोरिया गणराज्य (जिसे आगे "कोरिया गणराज्य" या "संबद्ध देश" कहा गया है) डायोक्जिल टैरेफ्थालेट (डी ओ टी पी) और डायथिलहेक्सिल साइक्लोहेक्सेन (डी ई एच सी एच) (जिसे यहां आगे "विचाराधीन उत्पाद" या "संबद्ध सामान" कहा किया गया है) के रूप में गैर-थैलेट प्लास्टिसाइज़र्स के आयातों पर प्रशुल्क रियायतों की वापसी के लिए द्विपक्षीय रक्षोपाय जांच की शुरुआत और सिफारिश के लिए सीईपीए और नियमावली के अनुसार व्यापार उपचार महानिदेशक (जिसे आगे "महानिदेशक" भी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन-पत्र दायर किया।
2. और जबकि, आवेदक द्वारा विधिवत प्रमाणित आवेदन-पत्र को देखते हुए, महानिदेशक ने भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित अधिसूचना संख्या 22/01/2025-डीजीटीआर द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी की, जिसमें नियम 4 के तहत जांच शुरू की गई कि क्या संबद्ध सामान "बड़े हुए आयात" हैं, और क्या इससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है, और क्या द्विपक्षीय रक्षोपाय लगाए जाने की आवश्यकता है (और यदि हां, तो उसकी अवधि)।

### ख. प्रक्रिया

3. जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

#### 3.1 जांच की शुरुआत

- क. महानिदेशक ने जांच शुरू करने की सार्वजनिक सूचना जारी की और इसे भारत के राजपत्र, असाधारण, दिनांक 30 सितंबर 2025 में प्रकाशित किया गया था।
- ख. महानिदेशक ने कोरिया गणराज्य की सरकार को भारत में उसके दूतावास के माध्यम से, संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों और निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं, घरेलू उद्योग तथा आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार अन्य घरेलू उत्पादकों को जांच की शुरुआत की अधिसूचना की प्रति भेजी और उनसे अनुरोध किया कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित में अपने ज्ञात विचार दें।

#### 3.2 आवेदन-पत्र के अगोपनीय रूपांतर का परिचालन

- क. महानिदेशक ने नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और कोरिया गणराज्य की सरकार को भारत में उनके दूतावास के माध्यम से आवेदन-पत्र के अगोपनीय रूपांतर की एक प्रति उपलब्ध कराई। आवेदन-पत्र के अगोपनीय रूपांतर की एक प्रति, जहां भी अनुरोध किया गया था, अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराई गई।

#### 3.3 उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रतिभागिता

- क. महानिदेशक ने कोरिया गणराज्य में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को द्विपक्षीय रक्षोपाय जांच शुरुआत की सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें निर्धारित प्रपत्र और तरीके में प्रश्नावली का उत्तर दायर करके

संगत सूचना प्रदान करने और नियमावली के नियम 5(4) के अनुसार तीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचार देने का अवसर प्रदान किया:

- i. एक्युंग केमिकल कंपनी लिमिटेड
- ii. कैनको मार्केटिंग इंक.
- iii. केमबड कारपोरेशन
- iv. एवरलाइट कोरिया लिमिटेड
- v. हान्वा सॉल्यूशंस कारपोरेशन (हान्वा)
- vi. ह्यूमेड कारपोरेशन
- vii. ह्वासुंग नेटवर्क्स कंपनी लिमिटेड
- viii. जियर शिन कोरिया कंपनी लिमिटेड
- ix. ज्वेल ग्लोबल कंपनी लिमिटेड
- x. कोस्पोल कंपनी लिमिटेड
- xi. एलजी केम कंपनी लिमिटेड
- xii. मिनजिन कारपोरेशन लिमिटेड
- xiii. एनएच इंटरनेशनल कारपोरेशन
- xiv. पैरान कंपनी लिमिटेड
- xv. एसएंडसी कारपोरेशन
- xvi. यूनिड ग्लोबल कारपोरेशन
- xvii. ज़ेनीकेम ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड

ख. संबद्ध जांच की शुरुआत के उत्तर में, संबद्ध देश के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर दायर करके प्रतिक्रिया दी है:

- i. एलजी केम कंपनी लिमिटेड
- ii. एक्युंग केमिकल कंपनी लिमिटेड

### 3.4 प्रयोक्ताओं/आयातकों द्वारा प्रतिभागिता

क. महानिदेशक ने नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार भारत में संबद्ध सामानों के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को आयातक और प्रयोक्ता प्रश्नावलियां भेजी, जिसमें उनसे निर्धारित प्रपत्र और तरीके से आवश्यक सूचना देने तथा तीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने ज्ञात विचार देने को कहा गया:

- i. एकमेसेफ्टी वियर्स लिमिटेड
- ii. अजंता शूज़ (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड

- iii. अक्षत प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड
- iv. आमोन-रा इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड
- v. एक्वालाइट इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
- vi. अरोमा ऑर्गेनिक्स लिमिटेड
- vii. अशोक इंटरप्राइजेज
- viii. अशोका मार्केटिंग एजेंसियां
- ix. बीटा पॉली कोट्स प्राइवेट लिमिटेड
- x. सी जे शाह एंड कंपनी
- xi. सेयेनार केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
- xii. कोकोटफ्टर्स प्राइवेट लिमिटेड
- xiii. दीपक ओवरसीज
- xiv. दोशी एंटरप्राइज
- xv. डाइकॉन केमिकल्स
- xvi. जी एम टेक्रोकेम प्राइवेट लिमिटेड
- xvii. गोल्डन काँयर टफ्ट्स
- xviii. हैवेल्स इंडिया लिमिटेड
- xix. हाइट बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड
- xx. हनीवाणिज्य प्राइवेट लिमिटेड
- xxi. हवासुंग मटीरियल्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
- xxii. इंडस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड
- xxiii. जेपी डाईकेम प्राइवेट लिमिटेड
- xxiv. करामत टैनिंग इंडस्ट्रीज़
- xxv. केराफाइबरटेक्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड
- xxvi. केया एंटरप्राइजेज़
- xxvii. केजी पेट्रोकेम लिमिटेड
- xxviii. क्लासिक लैमिटेक्स प्राइवेट लिमिटेड
- xxix. एलएपीपी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- xxx. महावीर पॉलीफ़िल्म्स प्राइवेट लिमिटेड
- xxxi. मैकवेल प्लास्टिसाइज़र्स प्राइवेट लिमिटेड
- xxxii. मानिक रबर
- xxxiii. मनीष विनाइल्स प्राइवेट लिमिटेड
- xxxiv. मान्या इंटरनेशनल
- xxxv. मार्वल विनाइल्स
- xxxvi. मयितारा होम डेकोर प्राइवेट लिमिटेड

- xxxvii. मयूर यूनिकोटर्स लिमिटेड
- xxxviii. न्यूएज फायर प्रोटेक्शन इंडस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड
- xxxix. निर्मल फाइबर्स प्राइवेट लिमिटेड
- xl. नॉर्दर्न इंडिया लेदर क्लॉथ मैनुफैक्चरिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
- xli. पैरागॉन पॉलीमर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
- xlii. पटकर एक्सट्रूज़न्स प्राइवेट लिमिटेड
- xliii. पॉलीमेडिक्योर लिमिटेड
- xliv. प्रभात इंडस्ट्रीज़
- xlv. प्रीमियर पॉलीफ़िल्म लिमिटेड
- xlvi. पीवीसी कन्वर्टर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- xlvii. क्यूरेक्स फ्लेक्स प्राइवेट लिमिटेड
- xlviii. आआर केबल लिमिटेड
- xlix. राजशिला सिंथेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड
- I. रिलैक्सो फुटवेयर्स लिमिटेड
- li. रिस्पॉन्सिव इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड
- lii. शाकंबरी एंटरप्राइजेज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
- liiii. शकुन पॉलीमर्स प्राइवेट लिमिटेड
- liv. श्री दुर्गा टेक्सकोट प्राइवेट लिमिटेड
- lv. श्री गणेश एग्रो फूड्स
- lvi. सिग्मा एल्ट्रिच केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
- lvii. सिल्वरटोन्स स्पेशलिटी टेक्सटाइल प्राइवेट लिमिटेड
- lviii. सोनारजी प्लास्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड
- lix. एसआर पॉलीविनाइल लिमिटेड
- lx. एसएसएफ पॉलीमर्स लिमिटेड
- lxi. त्रावणकोर कोकोटफ्ट प्राइवेट लिमिटेड
- lxii. टफको इंटरनेशनल
- lxiii. यू के बी इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड
- lxiv. विकास ऑर्गेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड
- lxv. विनाइल प्रोडक्ट्स
- lxvi. विनर निप्पॉन लेदरेट प्राइवेट लिमिटेड
- lxvii. यशपॉली
- ख. जारी की गई प्रश्नावली के उत्तर में, निम्नलिखित आयातकों/उपभोक्ताओं ने प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं:

- i. डीडीईवी प्लास्टिक्स इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड
- ii. डिलाइट कलेक्शंस प्राइवेट लिमिटेड
- iii. क्लासिक लैमिटेक्स प्राइवेट लिमिटेड
- iv. मयूर यूनिकोटर्स लिमिटेड
- v. पॉली मेडिक्योर लिमिटेड
- vi. पॉलीनोवा इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड

### 3.5 अन्य घरेलू उत्पादकों द्वारा प्रतिभागिता

क. महानिदेशक ने विचाराधीन उत्पाद के अन्य ज्ञात भारतीय उत्पादकों को एक प्रश्नावली भेजी, जिसमें निर्धारित प्रपत्र और तरीके से आवश्यक सूचना मांगी गई थी, और उनसे तीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचार देने की मांग की गई थी। महानिदेशक ने निम्नलिखित ज्ञात घरेलू उत्पादकों को उत्पादक प्रश्नावली भेजी। नीचे दिए गए उत्पादकों में से, केवल आवेदक ने ही अपनी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है।

- i. पायल पॉलीप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड
- ii. पायल प्लास्टिकेम प्राइवेट लिमिटेड
- iii. रचना प्लास्टिसाइज़र्स
- iv. विनाइल प्रोडक्ट्स
- v. मार्वल विनाइल्स

### 3.6 जांच की अवधि

क. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजन हेतु सबसे हाल की अवधि के रूप में वित्तीय वर्ष 2024-2025 को माना है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2025 तक की अवधि को जांच अवधि के रूप में माना है।

### 3.7 आगे की प्रक्रिया

क. क्षति की अवधि और जांच की अवधि के लिए संबद्ध सामानों के आयात का लेनदेन-वार विवरण प्रदान करने के लिए डीजीसीआईएंडएस से आंकड़े उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। महानिदेशक ने आयात की मात्रा की गणना और लेनदेन की उचित जांच के बाद आवश्यक विश्लेषण के लिए डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों पर भरोसा किया है।

ख. नियमावली के नियम 5(6) के अनुसार, महानिदेशक ने हितबद्ध पक्षकारों को 24 फरवरी 2025 को आयोजित एक सार्वजनिक सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत किए, उनसे अनुरोध

- किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त अपने विचारों के लिखित अनुरोध दायर करे और उसके बाद प्रत्युत्तर अनुरोध दायर करें।
- ग. हितबद्ध पक्षकारों की एक सूची डीजीटीआर वेबसाइट पर प्रकाशित की गई थी। हितबद्ध पक्षकारों को अपने अनुरोधों के अगोपनीय रूपांतर को ईमेल के माध्यम से एक दूसरे के साथ परस्पर सांझा करने की सलाह दी गई थी।
- घ. उत्पादकों, निर्यातकों, प्रयोक्ताओं और आयातकों के साथ-साथ प्रयोक्ता एसोसिएशन सहित निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों की ओर से संबद्ध जांच में अनुरोध दायर किए गए थे:
- i. घरेलू उद्योग
  - ii. कोरिया गणराज्य की सरकार
  - iii. कोरिया केमिकल इंडस्ट्री एसोसिएशन
  - iv. एक्जुंग केमिकल कंपनी लिमिटेड
  - v. एलजी केम लिमिटेड
  - vi. हनवा सॉल्यूशंस कॉर्पोरेशन
  - vii. गिरिराज कोटेड फैब प्राइवेट लिमिटेड
  - viii. मयूर यूनिकोटर्स लिमिटेड
  - ix. क्लासिक लैमाइटेक्स प्राइवेट लिमिटेड
  - x. पोलिनोवा इंडस्ट्रीज लिमिटेड
  - xi. बीटा पॉलीकोट्स
  - xii. डिलाइट कलेक्शंस प्राइवेट लिमिटेड
  - xiii. डीडीईवी प्लास्टिक इंडस्ट्रीज लिमिटेड
  - xiv. पॉली मेडिक्योर लिमिटेड
- ड. जांच प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों, जहां भी संगत पाए गए हैं, को महानिदेशक द्वारा इन अंतिम जांच परिणामों में हल किया गया है।
- च. महानिदेशक ने जांच प्रक्रिया के दौरान, आवेदक और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की सटीकता के बारे में स्वयं को संतुष्ट किया, जो यथासंभव सीमा और संगत तथा आवश्यक मानी गई सीमा तक, जो इन अंतिम जांच परिणामों का आधार बनती है।
- छ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर, महानिदेशक ने जहां भी आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जहां भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर प्रदान करने का निर्देश दिया गया था।

ज. वर्तमान जांच परिणामों में '\*\*\*\*' गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत सूचना और नियमावली के तहत महानिदेशक द्वारा मानी गई सूचना दर्शाते हैं।

### ग. सूचना का स्रोत

4. वर्तमान जांच के लिए जांच की अवधि, जैसा कि जांच की शुरुआत में अधिसूचित किया गया है, 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2025 तक है। सबसे हालिया अवधि वित्तीय वर्ष 2024-2025 है।
5. संबद्ध सामानों के आयात का विवरण प्रदान करने के लिए डीजीसीआईएंडएस से आंकड़े उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। महानिदेशक ने 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2025 तक की अवधि के लिए आयात की मात्रा और मूल्य की गणना के लिए डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों पर भरोसा किया है।
6. भारत और कोरिया ने कुछ वस्तुओं पर सीमा शुल्क को कम करने या समाप्त करने के लिए वर्ष 2009 में एक मुक्त व्यापार समझौता (CEPA) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत, विचाराधीन उत्पाद का कोरिया से आयात क्रमिक रूप से कम शुल्क दरों का लाभ प्राप्त करता रहा, और वर्ष 2017 तक मूल सीमा शुल्क पूरी तरह समाप्त कर दिया गया, जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है।

क्र. सं.	वर्ष	सीईपीए के तहत कोरिया गणराज्य के लिए अधिमन्य दर
1	2010	10.94
2	2011	9.38
3	2012	7.81
4	2013	6.25
5	2014	4.69
6	2015	3.13
7	2016	1.56
8	तब से 2017	0.00

### घ. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

#### घ.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

7. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र और समान वस्तु के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं।

i. डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच दो अलग-अलग उत्पाद हैं और इन्हें परस्पर परिवर्तनीय रूप से प्रयोग नहीं किया जा सकता है।

- क. डी ई एच सी में डी ओ टी पी की तुलना में कम चिपचिपाहट होती है जो मिश्रण के समय, फैलाव व्यवहार और मिश्रण दक्षता को प्रभावित करती है। इसके अतिरिक्त, डी ई एच सी एच बेहतर कोल्ड-फ्लेक्स गुणों को दर्शाता है और मानव संपर्क या तेलों और सॉल्वेंट्स के संपर्क में आने वाले कठिन अनुप्रयोगों में अलग-अलग निष्पादन करता है।
- ख. डी ई एच सी एक मूल्य-वर्धित, निर्यातोन्मुख विशेषता वाला उत्पाद है और सामान्य-उद्देश्य वाले प्लास्टिसाइज़र (डी ओ टी पी) का प्रतिस्पर्धी नहीं है। इसके उपयोग ने फर्श निर्माताओं को भराव लोडिंग बढ़ाने और फॉर्मूलेशन लागत को कम करने की अनुमति दी है, जिसके परिणामस्वरूप अमेरिका और यूरोपीय बाजारों में बेहतर उत्पादन दक्षता और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि हुई है।
- ग. डायथाइलहेक्सिल साइक्लोहेक्सेन ("डी ई एच सी एच") हनवा का पेटेंट प्राप्त हाइड्रोजनीकृत प्लास्टिसाइज़र है और हनवा ही डी ई एच सी एच का एकमात्र बड़े पैमाने पर निर्माता है। घरेलू उद्योग डी ई एच सी एच का उत्पादन करने में सक्षम नहीं है और उसके पास उत्पादन और वाणिज्यिक बिक्री के लिए उपयुक्त तकनीक नहीं है।
- घ. डी ई एच सी का उत्पादन डी ओ टी पी के उत्पादन के बाद हाइड्रोजन मिलाकर किया जाता है।
- ङ. डी ई एच सी और डी ओ टी पी अलग-अलग उत्पाद हैं, जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि डी ई एच सी की रासायनिक संरचना में सुगंधित रिंग नहीं होती है और डी ओ टी पी की तुलना में कम चिपचिपाहट प्रदर्शित करती है, जिससे प्रोसेसर चिपचिपाहट कम करने वाले की मात्रा को कम कर सकते हैं और भराव लोडिंग बढ़ा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, डी ई एच सी एच डी ओ टी पी की तुलना में काफी कम प्रवासन दर्शाता है।
- च. डी ई एच सी फ्थालेट संरचनाओं से मुक्त है और यूरोपीय संघ के आरओएचएस, आरईएसीएच (गैर-एसवीएचसी), और यूएस एफडीए सीएफआर 21 सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण विनियमों का अनुपालन करता है। यह यूवी क्षरण के लिए बेहतर प्रतिरोध प्रदान करता है, जबकि डी ओ टी पी को अतिरिक्त यूवी अवशोषक की आवश्यकता होती है।
- छ. डी ई एच सी का प्रयोग विशेष उद्योगों में किया जाता है जैसे प्रीमियम फर्श और दीवार कवरींग, बेबी और खाद्य संपर्क उत्पादों के लिए सिंथेटिक लेदर, चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल उत्पाद, पर्यावरण अनुकूल उपभोक्ता सामान और उच्च निष्पादन पीवीसी यौगिक।
- ज. डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच के सीएस नंबर और एचएस कोड अलग-अलग हैं।
- झ. डी ई एच सी को डी ओ टी पी की तुलना में अधिक कीमतों पर बेचा जाता है। इसके अतिरिक्त, डी ई एच सी एच के उत्पादन की लागत डी ओ टी पी की तुलना में अधिक है।
- ञ. हान्वा द्वारा बिक्री की कीमतें यह प्रकट करेंगी कि डी ई एच सी एच हमेशा अधिक कीमतों पर बेचा जाता है।

- ट. रक्तस्राव दर के मामले में डी ओ टी पी, डी ई एच सी एच का विकल्प नहीं है, जो डी ओ टी पी की तुलना में डी ई एच सी एच के लिए 50% कम है। यह डी ई एच सी एच को कृत्रिम चमड़े के उपयोग के लिए वाणिज्यिक रूप से अर्थक्षम बनाता है।
- ठ. जूते के क्षेत्र में डी ओ टी पी का उपयोग सीमित है और डी ई एच सी एच का उपयोग इसकी तेज संलयन गति के कारण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, वॉलपेपर के लिए डी ओ टी पी के उपयोग से गुणवत्ता संबंधी समस्याएं उत्पन्न होती हैं।
- ड. घरेलू उद्योग द्वारा उपयोग की जाने वाली तकनीकी आंकड़ा-तालिका से पता चलता है कि डी ई एच सी एच, डी ओ टी पी से अलग है।
- ii. पिछले अनुसंधान, जैसे कि इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न, पीवीसी पेस्ट रेजिन और हॉट रोल्ड प्रोडक्ट्स, पेटेंट उत्पाद, उच्च कीमत वाले उत्पाद और गैर-प्रतिस्थापनीय उत्पाद को बाहर रखा गया है।
- iii. यूएसए द्वारा डी ओ टी पी के आयात की पाटनरोधी जांच में, डी ई एच सी एच को उत्पाद क्षेत्र में शामिल नहीं किया गया था। यदि डी ई एच सी एच वाणिज्यिक रूप से परस्पर परिवर्तनीय उत्पाद था, तो अमेरिका में घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में उसी का दावा किया होगा।
- iv. कोरिया से आयातित डी ई एच सी घरेलू उद्योग के उत्पाद के साथ प्रतिस्थापनीय नहीं है, जो जारी की गई स्वतंत्र प्रतिस्थापनीयता रिपोर्ट और घरेलू उद्योग के साथ प्रयोक्ताओं के पत्र से स्पष्ट है। आवेदक के उत्पाद (केनाटोल 8020) के साथ डी ई एच सी एच के परीक्षण प्रतिस्थापन ने बेंचमार्क पूरे नहीं किए।
- v. विभिन्न प्रयोक्ताओं द्वारा दायर लिखित अनुरोधों से पता चलता है कि वे डी ओ टी पी और डी ई एच सी को सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद नहीं मानते हैं।
- vi. चूंकि आवेदक सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद बनाने का दावा करता है, इसलिए थैलेट-आधारित प्लास्टिसाइज़र में विकास के लिए एक विश्लेषण किया जाना है क्योंकि ऐसे उत्पाद भी सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद हैं।
- vii. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पादों की गुणवत्ता चिकित्सा उपकरण उत्पादकों के लिए गुणवत्ता आवश्यकताओं को पूरा नहीं करती है, जैसा कि पत्रों से सिद्ध है।

## घ.2. घरेलू उद्योग के विचार

8. घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- i. आवेदक ने डी ओ टी पी और डी ई एच सी दोनों का उत्पादन किया है। डी ई एच सी की खपत कैप्टिव रूप से की गई है। आवेदक द्वारा उत्पादित डी ओ टी पी आयातित डी ओ टी पी के समान है और आयातित डी ई एच सी एच के लिए सीधे प्रतिस्पर्धी है। इस प्रकार, आवेदक ने विचाराधीन आयातित उत्पाद के समान सामान और सीधे प्रतिस्पर्धी सामानों का उत्पादन किया है।
- ii. डी ओ टी पी डी ई एच सी एच का सीधे ही प्रतिस्पर्धी उत्पाद है।
- क. डी ओ टी पी और डी ई एच सी दोनों में समान भौतिक, यांत्रिक, विद्युत और रियोलॉजिकल गुण हैं और एक दूसरे को आसानी से प्रतिस्थापित करते हैं। इसके अलावा, दोनों का प्रयोग ग्राहकों के एक ही समूह द्वारा किया जाता है।

- ख. डी ई एच सी एच के किसी भी प्रयोक्ता ने यह दावा नहीं किया है कि डी ओ टी पी का उपयोग उसी निचले स्तर के उत्पाद के लिए नहीं किया जा सकता है।
- ग. डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच का उपयोग समान अनुप्रयोगों में किया जाता है जो हनवा की अपनी तकनीकी आंकड़ा-तालिका से स्पष्ट है।
- घ. हितबद्ध पक्षकारों के दावों के विपरीत, डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच की आयात कीमतें एक जैसी हैं और तुलनीय हैं।
- ङ. प्रयोक्ताओं के एक ही समूह ने डी ई एच सी एच का आयात किया है और घरेलू उद्योग से डी ओ टी पी खरीदा है।
- च. हान्वा ने अपनी उत्पादन प्रक्रिया का पेटेंट कराया है, न कि उत्पाद का। घरेलू उद्योग ने डी ई एच सी एच का उत्पादन किया है। इसके अलावा, डी ई एच सी एच का उत्पादन चीन और ताइवान में कुछ उत्पादकों द्वारा भी किया जाता है।
- छ. डी ई एच सी केवल डी ओ टी पी का हाइड्रोजनीकृत रूप है। डी ई एच सी केवल हाइड्रोजन मिलाकर ही निर्मित होता है जो कोई महत्वपूर्ण प्रक्रिया नहीं है। यह इस तथ्य से भी स्पष्ट है कि डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच की आयात कीमतें तुलनीय हैं।
- ज. एक उत्पाद जिसका प्रयोग इनपुट के रूप में किया जाता है और दूसरे उत्पाद में संसाधित किया जाता है, उसे बहरीन, चीन और थाईलैंड से ग्लास फाइबर के आयात की पाटनरोधी जांच में देखे गए अनुसार विचाराधीन उत्पाद के हिस्से के रूप में माना जा सकता है।
- झ. सीएएस नंबर और एचएस कोड यह संकेत नहीं देते हैं कि दो उत्पाद अलग-अलग हैं। प्राधिकारी का मानना है कि एचएस कोड केवल संकेतात्मक हैं और विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं हैं। विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में विभिन्न सीएएस संख्याओं वाले कई उत्पाद शामिल हो सकते हैं।
- ञ. अन्य पक्षकारों का दावा कि डी ई एच सी एच डी ओ टी पी की तुलना में आसान मिश्रण और तेजी से संलयन की अनुमति देता है, यह दर्शाता है कि दोनों परस्पर परिवर्तनीय हैं।
- ट. अन्य पक्षकारों के निराधार दावों के विपरीत, अधिकांश फुटवियर उद्योग डी ओ टी पी का प्रयोग करता है न कि डी ई एच सी एच का।
- ठ. इलास्टोमेरिक फिलामेंट यार्न और पीवीसी पेस्ट रेजिन में दिए गए उत्पाद बाहर किए गए उन उत्पादों के हैं जो घरेलू उद्योग द्वारा बेची गई समान वस्तु के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करते थे और ऐसे उत्पादों की कीमत संबद्ध सामानों की तुलना में अधिक थी।
- ड. 304 ग्रेड के स्टेनलेस स्टील के हॉट रोलड फ्लैट उत्पादों के लिए रक्षोपाय जांच पर अन्य पक्षकारों का भरोसा गलत है क्योंकि वर्तमान मामले में उत्पाद प्रतिस्थापनीय हैं। स्टेनलेस स्टील, एचआर स्टील और सीआर स्टील के हॉट रोलड फ्लैट उत्पादों से संबंधित जांच में, एक उत्पाद के रूप में माना गया था।
- ढ. यह तथ्य कि अमेरिका ने डी ई एच सी एच को अपनी पाटनरोधी जांच में शामिल नहीं किया है, इसका अर्थ यह नहीं है कि भारतीय प्राधिकारी इसे शामिल नहीं कर सकते हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा नहीं किया है कि अमेरिका में डी ई एच सी एच का आयात किया गया था और फिर उसी को बाहर रखा गया था।

- ण. कई उत्पाद एक रासायनिक वंश साझा करते हैं, और फिर भी अलग-अलग बाजारों में सेवा करते हैं, जैसे कि आईआईआर और एचआईआईआर।
- iii. इस संबंध में स्वतंत्र प्रतिस्थापनीयता रिपोर्ट और पत्र घरेलू उद्योग को नहीं बताए गए हैं, जिससे घरेलू उद्योग अपने हितों की रक्षा करने से वंचित रह गया है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित कई मिश्रणों को देखते हुए, यह विचार करना उचित नहीं है कि एक एकल मिश्रण, केनाटोल 8020 प्रतिस्थापनीय नहीं है और डी ई एच सी एच को बाहर रखा जाना चाहिए।
- iv. यहां तक कि अगर घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित डी ई एच सी एच पर विचार नहीं किया जाता है, तो इसके द्वारा उत्पादित डी ओ टी पी एक वाणिज्यिक और तकनीकी रूप से प्रतिस्थापनीय उत्पाद है और डी ई एच सी एच को बाहर नहीं किया जा सकता है।
- v. थैलेट प्लास्टिसाइज़र डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच के लिए सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद नहीं हैं, जैसा कि इस तथ्य से स्पष्ट है कि संबद्ध सामान थैलेट मुक्त है जबकि डीआईएनपी थैलेट-आधारित प्लास्टिसाइज़र है। इसके अलावा, कच्चे माल, एसिड स्रोत के साथ-साथ संबद्ध सामानों और डीआईएनपी की कार्बन श्रृंखला में अंतर है।
- vi. जबकि डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच बीआईएस अनुपालन वाले उत्पाद हैं जो जूते में प्रयोग के लिए उपयुक्त हैं, डीआईएनपी को जूते के अनुप्रयोगों के लिए अनुमोदित नहीं किया गया है। बीआईएस के अनुसार भी दोनों अलग-अलग हैं।
- vii. यदि थैलेट प्लास्टिसाइज़र गैर-थैलेट प्लास्टिसाइज़र के लिए प्रतिस्पर्धी थे, तो गैर-थैलेट प्लास्टिसाइज़र विकसित करने और उत्पादन करने की कोई आवश्यकता नहीं होगी।

### ड.3 महानिदेशक द्वारा जांच

9. वर्तमान जांच की शुरुआत के समय, महानिदेशक ने निम्नलिखित को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के रूप में माना।

“विचाराधीन उत्पाद डायोक्टाइल टैरेफ्थैलेट (डी ओ टी पी) और डायथाइलहेक्सिल साइक्लोहेक्सेन (डी ई एच सी एच) के रूप में नॉन-फ्थैलेट प्लास्टिसाइज़र है। डायोक्टाइल टैरेफ्थैलेट को डीआई-(2-एथिलहेक्सिल) 1,4 बेंजीन डाइकार्बोक्सिलेट या डी ओ टी पी के नाम से भी जाना जाता है। डायथाइलहेक्सिल साइक्लोहेक्सेन को बिस(2-एथिलहेक्सिल) साइक्लोहेक्सेन-1,4-डाइकार्बोक्सिलेट या डी ई एच सी एच के नाम से भी जाना जाता है। डी ओ टी पी एक कार्बनिक यौगिक है जिसका रासायनिक सूत्र  $C_{24}H_{38}O_4$  है। इस उत्पाद की पहचान सीएएस संख्या 6422-86-2 से की जा सकती है। यह टैरेफ्थैलिक अम्ल और शाखित-श्रृंखला 2-एथिलहेक्सेनॉल का एक डाइएस्टर है। डी ई एच सी एच, जिसका रासायनिक सूत्र  $C_{24}H_{44}O_4$  है, की पहचान सीएएस संख्या 84731-70-4 से की जा सकती है। यह डी ओ टी पी का हाइड्रोजनीकृत रूप है।

गैर-फ्थैलेट प्लास्टिसाइज़र कई प्रकार के होते हैं जैसे डायोक्टाइल टैरेफ्थैलेट, डायएथिलहेक्सिल साइक्लोहेक्सेन, डायसोनोनिल साइक्लोहेक्सेन-1,2-डाइकार्बॉक्साइलेट (डीआईएनसीएच), डाइबेंजोएट्स और आइसोसोर्बाइड डाइएस्टर आदि। तथापि, उत्पाद के क्षेत्र में केवल दो प्रकार के गैर-फ्थैलेट प्लास्टिसाइज़र शामिल हैं, अर्थात् डायोक्टाइल टैरेफ्थैलेट (डी ओ टी पी) और डायएथिलहेक्सिल साइक्लोहेक्सेन (डी ई एच सी एच) हैं।”

10. महानिदेशक नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने कई कारणों का हवाला देते हुए डी ई एच सी एच को बाहर करने की मांग की है। इसलिए महानिदेशक पहले यह जांचते हैं कि क्या डी ई एच सी एच को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में सही ढंग से शामिल किया गया है।
11. महानिदेशक नोट करते हैं कि विचाराधीन किसी उत्पाद को PUC के दायरे में शामिल करने की प्राथमिक आवश्यकता यह है कि घरेलू उद्योग ने आयातित उत्पाद के समान या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तु की पेशकश की हो।
12. हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों पर विचार करने से पहले, हनवा द्वारा उत्पादित और भारत को निर्यात किए गए उत्पाद पर विचार करना संगत है, जिसे डी ई एच सी एच के रूप में वर्णित किया गया है। रिकॉर्ड पर मौजूद सूचना से यह नोट किया गया है कि हनवा ने अपने उत्पाद और उत्पादन प्रक्रिया का विवरण प्रदान किया है। यह देखा गया है कि हनवा पहले डी ओ टी पी का उत्पादन करता है और उसके बाद उसी को डी ई एच सी एच में हाइड्रोजनीकृत करता है। दूसरे शब्दों में, हनवा द्वारा उत्पादित प्राथमिक उत्पाद डी ओ टी पी है।
13. करार का अनुच्छेद 2.21 और नियमावली 2017 के नियम 2(ख) में निम्नलिखित प्रावधान हैं।

#### अनुच्छेद 2.21

“घरेलू उद्योग का अर्थ है एक पक्षकार के क्षेत्र में संचालित समान या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तुओं के उत्पादक, या जिनके समान या सीधे प्रतिस्पर्धी सामानों का सामूहिक उत्पादन उन सामानों के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात है;

#### “नियम 2. परिभाषाएँ-

(ख) “घरेलू उद्योग” का अर्थ है वे उत्पादक -

- (i) जो भारतीय क्षेत्र में समान या सीधे प्रतिस्पर्धी सामानों का समग्र रूप से प्रचालन कर रहे हैं;
- (ii) या जिनका समान या सीधे प्रतिस्पर्धी सामानों का सामूहिक उत्पादन उन सामानों के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात है;”

14. जांच के तहत उत्पाद की परिभाषा और इसी तरह या सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पादों से संबंधित आवश्यकताओं के संबंध में, महानिदेशक नोट करते हैं कि करार में इस संबंध में कोई विशिष्ट आवश्यकता नहीं है कि जांच के तहत उत्पाद को किस तरीके से परिभाषित किया जा सकता है। जबकि वर्तमान जांच सीईपीए और द्विपक्षीय

रक्षोपाय नियमों के तहत है, महानिदेशक यह पाते हैं कि जांच के तहत उत्पाद की परिभाषा से संबंधित आवश्यकताओं को समझने के लिए, जैसे कि समान वस्तु या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तु, रक्षोपाय संबंधी करार के संदर्भ में डब्ल्यू टी ओ के निर्णयों का संदर्भ दिया जा सकता है। इस संबंध में, डोमिनिकन गणराज्य के मामले में - पॉलीप्रोपाइलीन बैग और ट्यूबलर फैब्रिक के आयात पर रक्षोपाय उपाय, पैनल ने उल्लेख किया कि रक्षोपाय संबंधी करार में जांच के तहत उत्पाद की परिभाषा या क्षेत्र के संबंध में विशिष्ट दायित्व नहीं लगाते। विशेष रूप से, पैनल ने पाया कि एक रक्षोपाय जांच में दो अलग-अलग उत्पादों को एक ही उत्पाद क्षेत्र में शामिल किया जा सकता है।

*"7.181 शिकायतकर्ताओं का दावा है कि आयोग का स्पष्टीकरण पर्याप्त या तर्कसंगत नहीं था। वे इस आधार पर अपना दावा करते हैं कि जांच के तहत उत्पाद में केवल ऐसे उत्पाद शामिल हो सकते हैं जो "समान" हैं और इस संबंध में उल्लेख करते हैं कि जांच के तथ्यों से पता चलता है कि ट्यूबलर फैब्रिक और पॉलीप्रोपाइलीन बैग समान उत्पाद नहीं हैं। फिर भी, शिकायतकर्ता उन कानूनी बाधाओं की पहचान करने में विफल रहते हैं, जिन्हें सक्षम प्राधिकारियों को जांच के तहत उत्पाद के हिस्से के रूप में ट्यूबलर फैब्रिक और पॉलीप्रोपाइलीन बैग पर विचार करने और दोनों उत्पादों के रुझानों को "संयोजन में" देखने से रोकना चाहिए था। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि "यह सुझाव नहीं दिया गया है कि जांच के तहत आयातित उत्पाद को परिभाषित करने के उद्देश्य से इनपुट और अंतिम उत्पाद के बीच समानता या प्रतिस्पर्धी संबंध की तुलना होनी चाहिए"। तथापि, जिस आधार पर शिकायतकर्ताओं का तर्क आधारित है, वह यह है कि आयोग इस बात का स्पष्टीकरण देने के लिए बाध्य था कि दो अलग-अलग उत्पादों को एक ही कार्यवाही में जांच के तहत उत्पाद के रूप में क्यों माना गया। पैनल को रक्षोपाय संबंधी करार के पाठ में इस आधार के लिए कोई आधार नहीं मिल सकता है। शिकायतकर्ताओं ने करार में किसी ऐसे प्रावधान की पहचान नहीं की है जो आयातित उत्पादों को जांच के क्षेत्र में केवल उन उत्पादों तक सीमित करता है जो एक-दूसरे के समान या सीधे प्रतिस्पर्धी हैं। जैसा कि पहले ही उल्लेख किया गया है, रक्षोपाय संबंधी करार जांच के तहत उत्पाद की परिभाषा या क्षेत्र के संबंध में कोई विशिष्ट दायित्व नहीं लगाते। इन परिस्थितियों में, पैनल का मानना है कि शिकायतकर्ता यह दिखाने में विफल रहे हैं कि जांच के तहत उत्पाद के संबंध में सक्षम प्राधिकारी के स्पष्टीकरण पर्याप्त और तर्कसंगत क्यों नहीं थे।*

7.182 निष्कर्ष में, पैनल का मानना है कि शिकायतकर्ता यह दिखाने में विफल रहे हैं कि जांच के तहत उत्पाद की परिभाषा में पॉलीप्रोपाइलीन बैग और ट्यूबलर फैब्रिक को शामिल करके, आयोग ने रक्षोपाय संबंधी करार के अनुच्छेद 3.1, अंतिम वाक्य और 4.2 (ग) के साथ असंगत रूप से कार्य किया, या यह कि परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग की परिभाषा इस संबंध में रक्षोपाय संबंधी करार के अनुच्छेद 4.1 (ग), 3.1, अंतिम वाक्य, और 4.2 (ग) के साथ असंगत थी।"

15. उसी मामले में, पैनल ने "समान या सीधे प्रतिस्पर्धी" उत्पाद के संदर्भ में निम्नलिखित नोट किया है।

*"7.191 रक्षोपाय संबंधी करार के अनुच्छेद 4.1 (ग) का पाठ सिद्ध करता है कि घरेलू उद्योग को "उत्पादों" के संदर्भ में परिभाषित किया जाना चाहिए जो आयातित उत्पाद के संबंध में "समान या सीधे प्रतिस्पर्धी" हैं। इस प्रावधान के पाठ में ऐसा कुछ भी नहीं है जो घरेलू उद्योग को इन उत्पादों के एक*

सीमित हिस्से के आधार पर परिभाषित करने की अनुमति देता हो। यदि कोई उत्पाद आयातित उत्पाद के संबंध में समान या सीधे प्रतिस्पर्धी है, तो उस उत्पाद को घरेलू उद्योग को परिभाषित करने के प्रयोजनों के लिए माना जाना चाहिए। रक्षोपाय संबंधी करार के अनुच्छेद 4.1 (ग) को अनुच्छेद 4.1 (क) के संदर्भ में पढ़कर इस व्याख्या के लिए समर्थन प्राप्त किया जा सकता है। विशेष रूप से, "समान या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पादों" के एक हिस्से के संदर्भ में घरेलू उद्योग का निर्धारण, करार के अनुच्छेद 4.1 (क) द्वारा आवश्यक घरेलू उद्योग के महत्वपूर्ण समग्र हानि के निर्धारण के अस्तित्व को स्थापित करने में विफल हो सकता है। वर्तमान मामले में, प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी घरेलू उत्पाद को "समान या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पादों" के एक हिस्से के आधार पर परिभाषित किया गया था।

...

7.199 इन कारणों से, पैनल का मानना है कि प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी घरेलू उत्पाद की परिभाषा से कुछ समान या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पादों और अंततः, समान या प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धी उत्पाद के उत्पादकों को बाहर करने के लिए, सक्षम प्राधिकारियों द्वारा किया गया घरेलू उद्योग का निर्धारण रक्षोपाय संबंधी करार के अनुच्छेद 4.1 (ग) में निहित दायित्वों के असंगत हैं।"

16. उपर्युक्त निर्णय से, यह पता चलता है कि यद्यपि इस बात की कोई आवश्यकता नहीं है कि विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र को एक विशेष तरीके से परिभाषित किया जाए, घरेलू उद्योग के क्षेत्र को इस तरह से परिभाषित किया जाना चाहिए कि इसमें "समान या सीधे प्रतिस्पर्धी" उत्पाद शामिल हो। विशेष रूप से, विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में दो उत्पाद शामिल हो सकते हैं, और घरेलू उद्योग के क्षेत्र का निर्धारण तदनुसार किया जाएगा। चूंकि सीईपीए और द्विपक्षीय रक्षोपाय नियमों के तहत प्रावधान इस संबंध में रक्षोपाय संबंधी करार के प्रावधानों के तुलनीय हैं, इसलिए ऊपर निर्धारित सिद्धांत भी वर्तमान मामले के लिए संगत हैं।
17. वर्तमान मामले में, अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि डी ई एच सी एच भौतिक और रासायनिक गुणों के संदर्भ में डी ओ टी पी से अलग है। आवेदक ने यह भी दावा नहीं किया है कि दोनों उत्पादों के भौतिक और रासायनिक गुण समान हैं और दोनों उत्पाद समान हैं। इसलिए, यह नोट किया गया है कि डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच अनुच्छेद की तरह नहीं हैं। तथापि, उपरोक्त सिद्धांतों के अनुसार, दोनों को विचाराधीन एक ही उत्पाद के हिस्से के रूप में मानने से नहीं रोका जा सकता है, जिसके लिए महानिदेशक को यह निर्धारित करने की आवश्यकता होती है कि क्या घरेलू उद्योग ने सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद की पेशकश की है।
18. इस संबंध में अगला प्रश्न यह उठता है कि क्या आवेदक ने आयातित उत्पाद के समान या सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद का उत्पादन किया है। उद्योग के उत्पादन रिकॉर्ड के रूप में रिकॉर्ड में मौजूद सूचना के अनुसार, आवेदक ने सबसे हाल की अवधि में डी ओ टी पी और डी ई एच सी दोनों का उत्पादन किया है। जबकि आवेदक ने बाजार में डी ओ टी पी बेचा है, इसने डी ई एच सी एच की कैप्टिव रूप से खपत की है। यह विवादित नहीं है कि आवेदक द्वारा उत्पादित डी ओ टी पी आयातित डी ओ टी पी के तुलनीय है। इसलिए, आवेदक ने समान वस्तु का उत्पादन किया है, अर्थात् आयातित डी ओ टी पी की समान विशेषताओं वाला

उत्पाद है, और डी ओ टी पी के लिए समान वस्तु का घरेलू उत्पादक है। जहां तक डी ई एच सी एच का संबंध है, आवेदक ने डी ई एच सी एच के उत्पादन को दर्शाने वाले उत्पादन रिकॉर्ड भी प्रस्तुत किए हैं।

19. इसके अलावा, आवेदक ने तर्क दिया है कि उसके द्वारा उत्पादित डी ओ टी पी, डी ई एच सी एच का प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी उत्पाद है। प्राधिकारी ने इस संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा रिकॉर्ड में रखी गई सूचना की जांच की है। भारत को निर्यात के संबंध में हनवा द्वारा दी गई सूचना, आवेदक द्वारा दी गई सूचना, अन्य समर्थक उत्पादकों और आयात आंकड़ों का भी इस उद्देश्य के लिए विश्लेषण किया गया था। उसी के निष्कर्ष नीचे दिए गए हैं।
20. हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि डी ई एच सी एच कुछ अनुप्रयोगों के लिए डी ओ टी पी की तुलना में बेहतर है। आवेदक ने स्पष्ट किया है कि चूंकि डी ई एच सी एच डी ओ टी पी का हाइड्रोजनीकृत रूप है, इसलिए डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच दोनों लगभग समान भौतिक, यांत्रिक, विद्युत और रियोलॉजिकल गुण दर्शाते हैं। इस तथ्य के कारण कि डी ओ टी पी और डी ई एच सी दोनों समान गुण-धर्म दर्शाते हैं, दोनों को अलग-अलग अनुप्रयोगों में आसानी से प्रतिस्थापित किया जा सकता है, जैसे कि खिलौनों का उत्पादन, फर्श, दीवार कवरिंग, तार और केबल इन्सुलेशन आदि। आवेदक ने अपने स्वयं के तकनीकी आंकड़ा तालिकाओं के साथ-साथ एलजी केम लिमिटेड और पायल समूह के डी ओ टी पी और हानवा के डी ई एच सी के लिए प्रस्तुत किए। इसके अलावा, आवेदक ने डी ई एच सी एच के आयातकों का सारांश प्रस्तुत किया, जिसमें उस आवेदन-पत्र की पहचान की गई जिसके लिए डी ई एच सी एच का आयात किया गया है और उसी आवेदन-पत्र के लिए डी ओ टी पी की अपनी आपूर्ति का विवरण प्रदान किया गया है।
21. उपरोक्त सूचना से पता चलता है कि डी ई एच सी एच का उपयोग जूते, चमड़े के कपड़े, जूते और अपहोल्स्ट्री के लिए कृत्रिम चमड़े, पीवीसी पाइप, फिल्म और केबल, कॉयर मैट (फर्श), चिकित्सा उपकरण, खिलौने, खाद्य संपर्क सामग्री, विनाइल टाइल अनुप्रयोग, वॉलपेपर और ऐसे अनुप्रयोगों के लिए किया जाता है। डी ओ टी पी का प्रयोग यौगिक, टाइल्स, डेको शीट, लचीली शीट, होज़, कृत्रिम चमड़ा, चिकित्सा उपकरण, खिलौने, जूते, तार और केबल, दीवारों और फर्श, पाइप, कालीन और ऐसे अनुप्रयोगों के लिए किया जाता है। इसके अतिरिक्त, प्रदान की गई सूचना से पता चलता है कि डी ई एच सी एच के कई आयातकों ने, आवेदक के अनुमान के अनुसार डी ई एच सी एच के आयात का लगभग 90% हिस्सा, घरेलू स्तर पर या आयात के माध्यम से खरीदा है। इसलिए, यह नोट किया गया है कि उत्पादों को प्रमुख अनुप्रयोगों में परस्पर उपयोग किया जा सकता है।
22. आवेदक ने उस आवेदन-पत्र की भी पहचान की है जहां प्रत्येक आयातक डी ई एच सी एच का उपयोग करने के लिए जाना जाता है और यह सूचना प्रदान की है कि उसने उसी आवेदन-पत्र के लिए डी ओ टी पी की आपूर्ति भी की है। विशेष रूप से, आवेदक ने दिखाया है कि डी ई एच सी एच को जूते, कृत्रिम चमड़े, पीवीसी पाइप, फिल्मों और केबलों, फर्श और चिकित्सा उपकरणों में उपयोग के लिए आयात किया गया है। आवेदक ने कृत्रिम चमड़ा, दीवारों और फर्श, तारों और केबलों, जूते और खिलौनों के उत्पादकों को डी ओ टी पी की आपूर्ति दिखाने वाले बीजक प्रदान किए हैं। इसके अतिरिक्त, प्रयोक्ता पॉली मेडिक्योर लिमिटेड के

इस दावे के उत्तर में कि आवेदक द्वारा प्रदान किए गए डी ओ टी पी का उपयोग खराब गुणवत्ता के कारण चिकित्सा उपकरण बनाने के लिए नहीं किया जा सकता है, आवेदक ने कई प्रयोक्ताओं से लिखित पत्र प्रदान किया, जिसमें यह परीक्षण किया गया था कि वे बिना किसी चिंता के आवेदक द्वारा आपूर्ति किए गए डी ओ टी पी का प्रयोग चिकित्सा उपकरणों में करने में सक्षम थे। आवेदक ने यह भी दर्शाया है कि उसका संबद्ध, \*\*\* , आवेदक द्वारा डी ओ टी पी आपूर्ति का प्रयोग करके उत्पादित मिश्रण की आपूर्ति \*\*\* के संबद्ध \*\*\* को कर रही थी।

23. हान्वा केमिकल्स ने "इसके बेहतर निष्पादन" के कारण डी ई एच सी एच को डी ओ टी पी के लिए प्रतिस्थापन के रूप में विपणन किया है। जबकि डी ई एच सी एच एक उच्च गुणवत्ता वाला उत्पाद हो सकता है, यह तथ्य कि इसे डी ओ टी पी के विकल्प के रूप में चिह्नित किया गया है, यह दर्शाता है कि दोनों का प्रयोग फिर भी समान अनुप्रयोगों में किया जाता है।

24. आयात के आंकड़ों से पता चलता है कि डी ई एच सी एच के आयातक वही प्रयोक्ता हैं जिन्होंने आवेदक या पायल समूह से डी ओ टी पी खरीदा है, या डी ओ टी पी का आयात किया है।

- क. \*\*\*
- ख. \*\*\*
- ग. \*\*\*
- घ. \*\*\*
- ङ. \*\*\*
- च. \*\*\*
- छ. \*\*\*
- ज. \*\*\*
- झ. \*\*\*
- ञ. \*\*\*
- ट. \*\*\*
- ठ. \*\*\*
- ड. \*\*\*
- ढ. \*\*\*
- ण. \*\*\*

25. इसके अतिरिक्त, एक समर्थक, पायल पॉलीप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड ने भी उन्हीं प्रयोक्ताओं को डी ओ टी पी और डी ई एच सी की बिक्री दिखाने वाले बीजक प्रस्तुत किए हैं। समर्थक ने यह भी बताया है कि प्रयोक्ता एकल-उत्पाद कंपनी हैं, जिससे यह सिद्ध होता है कि दो प्लास्टिसाइजर का प्रयोग एक ही अनुप्रयोगों के लिए किया जा रहा है।

- क. \*\*\*
- ख. \*\*\*

ग.	***
घ.	***
ड.	***
च.	***
छ.	***
ज.	***
झ.	***
ञ.	***
ट.	***
ठ.	***

इस प्रकार, महानिदेशक नोट करते हैं कि रिकॉर्ड में उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार डी ई एच सी एच और डी ओ टी पी दोनों को भारत में उपभोक्ताओं के एक ही समूह द्वारा खरीदा गया है।

26. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि डी ई एच सी एच और डी ओ टी पी के लिए सीएएस संख्या और एचएस कोड अलग-अलग हैं और इसलिए, ये दो अलग-अलग उत्पाद हैं। महानिदेशक नोट करते हैं कि सीएएस संख्या या एचएस कोड में अंतर का मतलब यह नहीं है कि उत्पादों को अब सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पादों के रूप में नहीं माना जा सकता है। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने इस तथ्य के संबंध में कोई साक्ष्य नहीं दिया है कि ऐसे उत्पादों का प्रयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाता है और भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न सीएएस संख्या वाले उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के एकल क्षेत्र में शामिल होने से कुछ भी नहीं रोकता है। इस संबंध में, महानिदेशक चीन जन.गण. और सिंगापुर से कुछ एंटीऑक्सिडेंट के आयात की पाटनरोधी जांच में जारी अंतिम जांच परिणामों को नोट करते हैं। फा. सं. 6/23/2024 - डीजीटीआर दिनांक 23 सितंबर 2025, जिसमें 5 अलग-अलग सीएएस संख्या वाले उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में माना गया है। एचएस कोड में अंतर के संबंध में, यह सतत परिपाटी है कि एचएस वर्गीकरण को केवल संकेतात्मक रूप में माना जाता है और विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है। इसके अतिरिक्त, कई जांचें हुई हैं जहां विभिन्न एचएस कोड के तहत आयातित उत्पाद समान विचाराधीन उत्पाद का हिस्सा बने।
27. इस अनुरोध के संबंध में कि डी ई एच सी एच एक निचले स्तर के उत्पाद है और डी ओ टी पी इसके लिए कच्चा माल है, महानिदेशक नोट करते हैं कि डी ई एच सी एच के उत्पादन के लिए डी ओ टी पी के हाइड्रोजनीकरण की आवश्यकता होती है। यह नोट किया जाता है कि डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच समान वस्तु नहीं हैं। तथापि, यदि रक्षोपाय केवल डी ओ टी पी के आयात पर लगाए जाते हैं, तो डी ई एच सी एच का आयात बढ़ जाएगा, जो घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित डी ओ टी पी को सीधे प्रतिस्थापित करेगा। यह हितबद्ध पक्षकारों का तर्क भी नहीं है कि डी ई एच सी एच का प्रयोग विभिन्न अनुप्रयोगों में नहीं किया जा सकता है जहां डी ओ टी पी का प्रयोग किया जाता है। ऐसी स्थिति में, घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को दूर करने के लिए केवल डी ओ टी पी के आयात पर रक्षोपायों का लगाना पूरी तरह से अनावश्यक कार्य

होगा। किसी भी मामले में, घरेलू उत्पादकों ने उन उपभोक्ताओं के नाम दिए हैं जिन्होंने एक ही अनुप्रयोग के लिए डी ओ टी पी और डी ई एच सी दोनों का प्रयोग किया है।

28. हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि डी ई एच सी एच की कीमत डी ओ टी पी की कीमत से बहुत अधिक है। तथापि, महानिदेशक नोट करते हैं कि भारत में डी ई एच सी एच का आयात डी ओ टी पी की आयात कीमत की तुलनीय कीमतों पर किया जा रहा है। महत्वपूर्ण रूप से, सबसे हाल की अवधि 2024-25 के दौरान डी ई एच सी एच की कीमत डी ओ टी पी की कीमत से कम है। ऐसी स्थिति में, यह स्पष्ट है कि डी ई एच सी एच डी ओ टी पी की सभी आवश्यकताओं को प्रतिस्थापित कर सकता है और दोनों सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद हैं।

उत्पाद	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
डी ओ टी पी	रु./एमटी	140,694	127,802	116,135	117,619
डी ई एच सी	रु./एमटी	149,622	126,488	120,683	116,854
डेल्टा	रु./एमटी	8,928	-1,314	4,548	-765

29. महानिदेशक ने दो उत्पादों के आयात और खपत की मात्रा में प्रवृत्ति की जांच की।

उत्पाद	कोरिया गणराज्य			
	आयात मात्रा (एमटी)			
	2021-22	2022-23	2023-24	जांच की अवधि
डी ओ टी पी	3,551	11,064	25,358	29,975
डी ई एच सी एच	2,932	5,307	9,846	12,182

30. यह भी नोट किया जाता है कि यद्यपि निर्यातक ने डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच में अंतर के संबंध में अनुरोध किए हैं, तथापि किसी भी प्रयोक्ता ने इस बात का विवाद नहीं किया है कि आवेदक द्वारा आपूर्ति की गई डी ओ टी पी का प्रयोग आयातित डी ई एच सी एच के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा में किया जा रहा है। महानिदेशक नोट करते हैं कि ऐसी स्थिति में जहां उपभोक्ताओं ने दोनों उत्पादों का परस्पर परिवर्तनीय रूप से प्रयोग किया है, और दोनों उत्पादों की परस्पर परिवर्तनीयता का अभाव नहीं दर्शाया है, निर्यातक का दावा अतिरिक्त रूप से अमान्य हो जाता है।
31. महानिदेशक यह भी नोट करते हैं कि 100% अनुप्रयोगों में दोनों उत्पादों की पूर्ण परस्पर परिवर्तनीयता घरेलू उत्पाद को आयातित उत्पाद के समान या सीधे प्रतिस्पर्धी रखने के लिए आवश्यक नहीं है। जब तक घरेलू उत्पाद काफी हद तक आयातित उत्पाद के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है, तब तक यह माना जाना चाहिए कि घरेलू उत्पाद समान वस्तु या सीधे प्रतिस्पर्धी वस्तु है। यह अतिरिक्त रूप से इस कारण से है कि घरेलू उद्योग को इच्छित राहत प्रदान करने का उद्देश्य विफल हो जाएगा, यदि किसी ऐसे उत्पाद को बाहर रखा जाता है जिसका प्रयोग घरेलू उद्योग के उत्पाद के समान अनुप्रयोग के लिए किया जा सकता है।

32. उपर्युक्त को देखते हुए, महानिदेशक नोट करते हैं कि रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना और साक्ष्य बताते हैं कि आवेदक ने डी ओ टी पी और डी ई एच सी दोनों की समान वस्तु का उत्पादन किया है। तथापि, भले ही आवेदक द्वारा डी ई एच सी एच के उत्पादन पर विचार नहीं किया जाता है, आवेदक द्वारा उत्पादित डी ओ टी पी आयातित डी ई एच सी एच के लिए सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद है। भले ही उत्पाद की तकनीकी और भौतिक विशेषताएं भिन्न हो सकती हैं, लेकिन उनका प्रयोग प्रयोक्ताओं के एक ही समूह द्वारा अतिव्यापी अनुप्रयोगों के लिए किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, दोनों उत्पादों की कीमत इस अवधि में तुलनीय रही है, और एक साथ चली है। इसके अतिरिक्त, वे सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद हैं, और यदि डी ई एच सी को उत्पाद के क्षेत्र से बाहर रखा जाता है, तो आयातक बाहर किए गए डी ई एच सी में चले जाएंगे, जिससे घरेलू उद्योग को लगातार क्षति होगी और जांच का उद्देश्य व्यर्थ हो जाएगा।
33. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि अमेरिकी प्राधिकारी ने डी ओ टी पी के आयात की पाटनरोधी जांच में विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में डी ई एच सी एच को शामिल नहीं किया था। महानिदेशक नोट करते हैं कि अन्य प्राधिकारियों द्वारा किसी उत्पाद प्रकार को शामिल न करने से भारतीय प्राधिकारी पर इसे शामिल न करने का दायित्व नहीं बनता है। किसी भी दशा में, एक पाटनरोधी जांच में, घरेलू उत्पाद आयातित उत्पाद की समान वस्तु होना चाहिए। तथापि, एक रक्षोपाय जांच में सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद और दोनों के निर्माता शामिल हैं। यह नोट किया गया है कि डी ई एच सी एच संबद्ध देश से निर्मित और आयातित डी ओ टी पी के लिए सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद है और तदनुसार, वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल हैं।
34. इस अनुरोध के संबंध में कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित और संबद्ध देश से आयातित डी ई एच सी एच के साथ केनाटोल 8020 के परीक्षण प्रतिस्थापन ने प्रयोक्ताओं के लिए आवश्यक गुणवत्ता मानकों को पूरा नहीं करते हैं, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि वह केनाटोल 8020 सहित कई मिश्रणों का उत्पादन करता है और किसी एक मिश्रण की तुलना आयातित उत्पाद से करना उचित नहीं है। किसी भी दशा में, ऊपर नोट की गई सूचना सूचना से पता चलता है कि डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच का प्रयोग प्रयोक्ताओं के समान समूह द्वारा किया गया है।
35. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि डीआईएनपी जैसे थैलेट आधारित प्लास्टिसाइज़र को भी वर्तमान जांच में सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पादों के रूप में माना जाना चाहिए। इस संबंध में महानिदेशक नोट करते हैं कि फथालेट आधारित प्लास्टिसाइज़र को डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच के रूप में गैर-फथालेट प्लास्टिसाइज़र के लिए सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद नहीं माना जा सकता है। यह इस तथ्य के कारण है कि उत्पादों का मूल गुण ही अलग है क्योंकि एक थैलेट मुक्त है, जबकि दूसरे में थैलेट शामिल है। इसके अतिरिक्त, महानिदेशक यह भी नोट करते हैं कि उत्पाद के प्रयोक्ताओं ने वर्तमान जांच में भाग लिया है। प्रयोक्ताओं ने अनुरोध किया है कि विचाराधीन उत्पाद का कोई विकल्प नहीं है और विचाराधीन उत्पाद के अलावा अन्य उत्पादों का प्रयोग करके थैलेट मुक्त उत्पादों का निर्माण नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार, थैलेट आधारित प्लास्टिसाइज़र ऐसे उत्पाद हैं जो वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद के साथ सीधे प्रतिस्पर्धी नहीं हैं।

36. इसके अतिरिक्त, महानिदेशक नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि थैलेट मुक्त प्लास्टिसाइज़र के रूप में पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं और इसीलिए उसे थैलेट प्लास्टिसाइज़र मानव और पौधों के साथ निकटता में प्रयोग किए जाने वाले प्लास्टिक में प्रयोग के लिए प्राथमिकता दी जाती है। कुछ सामग्री के लिए गैर-थैलेट प्लास्टिसाइज़र के प्रयोग के लिए इस तरह की प्राथमिकता दर्शाती है कि थैलेट आधारित प्लास्टिसाइज़र गैर-थैलेट प्लास्टिसाइज़र से सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद नहीं हैं।
37. अतः, विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र, जैसा कि जांच शुरुआत की अधिसूचना में परिभाषित किया गया है, की पुष्टि की जाती है।
38. विचाराधीन उत्पाद को एचएस कोड 2917 20 00 और 2917 39 20 के तहत सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय 29 के तहत वर्गीकृत किया गया है। संबद्ध सामानों का आयात 2917 13 90, 2917 32 00, 2917 33 00, 2917 39 30, 2917 39 50 और 2917 39 90 के तहत भी किया जाता है। सीमा शुल्क वर्गीकरण संकेतात्मक है और विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।
39. हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद की गुणवत्ता चिकित्सा उपकरणों के निर्माताओं की आवश्यकताओं को पूरा नहीं करती है। इस संबंध में, हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग ने ईमेल पत्र प्रस्तुत किए हैं जिसमें पॉली मेडिक्योर लिमिटेड ने खरीदी गई सामग्रियों की गुणवत्ता संबंधी चिंताएं उठाई हैं। इस संबंध में, घरेलू उद्योग ने पॉली मेडिक्योर लिमिटेड के लिए बिक्री की सूचना प्रदान की है जो दर्शाता है कि प्रयोक्ता ने नियमित रूप से घरेलू उद्योग से उत्पाद खरीदा है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग अपने उत्पाद की आपूर्ति चिकित्सा उपकरणों के अन्य उत्पादकों को भी करता है। यह नोट किया जाता है कि प्रयोक्ताओं ने घरेलू उद्योग से उत्पादों की खरीद की है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि के दौरान \*\*\* एमटी की संचयी मात्रा बेची, जो गुणवत्ता के दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है। आपूर्ति की ऐसी नियमितता और बिक्री की महत्वपूर्ण मात्रा के आलोक में, यह तर्क कि ऐसे उत्पादों की गुणवत्ता निम्न है, नहीं टिकता है। इसके अतिरिक्त, आवेदक ने चिकित्सा उपकरणों के लिए पीवीसी यौगिकों के उत्पादन के लिए आवेदक द्वारा आपूर्ति किए गए डी ओ टी पी का प्रयोग करने वाले प्रयोक्ताओं से लिखित पत्र भी प्रदान किए हैं। निम्नलिखित प्रयोक्ताओं ने प्रमाणित किया है कि वे चिकित्सा उपकरणों के लिए पीवीसी यौगिकों के निर्माण के लिए आवेदक द्वारा आपूर्ति किए गए डी ओ टी पी का प्रयोग करने में सक्षम रहे हैं।

क.	***
ख.	***
ग.	***
घ.	***
ड.	***
च.	***
छ.	***
ज.	***
झ.	***

40. आवेदक ने अन्य अनुप्रयोगों, \*\*\* फर्श, शीट और कृत्रिम चमड़े के प्रयोक्ताओं के लिए पत्र भी प्रदान किए हैं।
41. उपर्युक्त टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए, महानिदेशक का मानना है कि आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध सामान तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से भी संबद्ध देश से आयात किए जा रहे उत्पाद से तुलनीय हैं और उपभोक्ता दोनों का परस्पर परिवर्तनीय रूप से प्रयोग करते हैं। इस प्रकार, आवेदक द्वारा उत्पादित और बेचे गए संबद्ध सामान संबद्ध देश से आयातित उत्पाद की समान वस्तु या सीधे प्रतिस्पर्धी सामान हैं।

#### ड. घरेलू उद्योग का क्षेत्र और आधार

##### ड.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

42. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और उसके आधार के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- आवेदक भारत में संबद्ध सामानों का एकमात्र उत्पादक नहीं है। यदि पायल और रचना का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए है, तो आवेदक के पास नियमावली के तहत आवश्यक प्रमुख अनुपात नहीं है।
  - ईसी - फास्टनर्स में डब्ल्यू टी ओ अपीलीय निकाय और जिंदल पॉली फिल्मस लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी में दिल्ली उच्च न्यायालय ने टिप्पणी की है कि दूसरों पर कुछ उत्पादकों के चयनात्मक विचार से क्षति की जांच कमजोर होगी। स्थायी जांच की जानी चाहिए, और इसके अभाव में आवेदन-पत्र को खारिज कर दिया जाना चाहिए।
  - आवेदक ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि केएलजे पेट्रोप्लास्ट लिमिटेड भी संबद्ध सामानों का उत्पादक है या नहीं।
  - यह जांच की जानी चाहिए कि क्या आवेदक ने तीसरे पक्षकार से संबद्ध सामानों की खरीद की है, जिसने बदले में सामानों का आयात किया है।

##### ड.2 घरेलू उद्योग के विचार

43. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और उसके आधार के संबंध में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- यह आवेदन-पत्र केएलजे प्लास्टिसाइजर लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है और पायल पॉलीप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड और पायल पॉलीप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड ने इसका समर्थन किया है।
  - आवेदक का कुल भारतीय उत्पादन में प्रमुख अनुपात है और इसलिए, वर्तमान जांच में घरेलू उद्योग बनने के लिए पात्र माना जाए।
  - यह स्पष्ट किया जाता है कि केएलजे पेट्रोप्लास्ट लिमिटेड ने भाग नहीं लिया है क्योंकि यह भारत में संबद्ध सामानों का उत्पादक नहीं है।
  - आवेदक को छोड़कर, भारत में संबद्ध सामानों के तीन अन्य ज्ञात उत्पादक हैं, अर्थात्, पायल प्लास्टिकेम प्राइवेट लिमिटेड, पायल पॉलीप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड और रचना प्लास्टिसाइजर्स हैं।
  - रचना प्लास्टिसाइजर ने हाल ही में उत्पादन शुरू किया है। एक अन्य निर्माता, आईजी पेट्रोकेमिकल्स है, जो संबद्ध सामानों के लिए उत्पादन प्रचालन स्थापित करने की योजना बना रहा है।
  - उपलब्ध सूचना के आधार पर, विनाइल प्रोडक्ट्स और मार्वल विनाइल के पास संबद्ध सामानों का उत्पादन करने की सुविधाएं हो सकती हैं, हालांकि, उत्पादकों ने वर्तमान अवधि में संबद्ध सामानों का उत्पादन नहीं किया है।

### ड.3. महानिदेशक द्वारा जांच

44. द्विपक्षीय रक्षोपाय नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग निम्नलिखित रूप में परिभाषित है:

“(ख) "घरेलू उद्योग" का अर्थ है वे उत्पादक -

(i) जो भारत क्षेत्र में समान वस्तु या सीधे प्रतिस्पर्धी सामानों का समग्र रूप से प्रचालन करते हैं;

(ii) या जिनका समान या सीधे प्रतिस्पर्धी सामानों के सामूहिक उत्पादन में उन सामानों के कुल घरेलू उत्पादन का प्रमुख अनुपात है-“

45. महानिदेशक नोट करते हैं कि वर्तमान जांच की शुरुआत के लिए आवेदन-पत्र के एल जे प्लास्टिसाइज़र्स लिमिटेड द्वारा दायर किया गया था। भारत में संबद्ध सामानों के तीन अन्य घरेलू उत्पादक हैं, अर्थात्, पायल प्लास्टिकेम प्राइवेट लिमिटेड, पायल पॉलीप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड और रचना प्लास्टिसाइज़र्स। पायल समूह ने आवेदन-पत्र का समर्थन करने और करार के तहत रियायतें वापस लेने का अनुरोध करने वाले पत्र दायर किए हैं।

46. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि एक अन्य उत्पादक, अर्थात्, आईजी पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड भारत में संयंत्र स्थापित कर रहा है, लेकिन उसने अभी तक भारत में संबद्ध सामानों का उत्पादन शुरू नहीं किया है।

47. नियमावली का नियम 2(ख) घरेलू उद्योग को समग्र रूप से घरेलू उत्पादकों के रूप में परिभाषित करता है, या उन घरेलू उत्पादकों के रूप में, जिनका सामूहिक उत्पादन सकल घरेलू उत्पादन का एक प्रमुख अनुपात है। यह नोट किया जाता है कि आवेदक का उत्पादन भारतीय उत्पादन का \*\*\*% है।

विवरण	इकाई	मात्रा	हिस्सा
आवेदक	एमटी	***	60-70
अन्य भारतीय उत्पादक	एमटी	***	30-40
पायल पॉलीप्लास्ट प्रा. लि	एमटी	***	***
पायल प्लास्टिकेम प्रा. लि	एमटी	***	***
रचना प्लास्टिसाइज़र	एमटी	***	***
भारतीय उद्योग का कुल उत्पादन	एमटी	***	100%

48. आवेदक ने अनुरोध किया है कि दो अन्य उत्पादक, विनाइल प्रोडक्ट्स और मार्वल विनाइल के पास भारत में उत्पादन सुविधाएं हो सकती हैं, लेकिन जांच की अवधि के दौरान उन्होंने संबद्ध सामानों का उत्पादन नहीं किया है। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने भी दोनों उत्पादकों के उत्पादन को दर्शाने के लिए कोई साक्ष्य नहीं दिया है। प्राधिकारी ने दोनों कंपनियों को सूचना भी भेज दी है। हालांकि, इससे कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली

है। अतः, रिकॉर्ड में मौजूद सूचना के अनुसार, महानिदेशक ने विनाइल प्रोडक्ट्स और मार्वल विनाइल को संबद्ध सामानों के घरेलू उत्पादक के रूप में नहीं माना है।

49. जहां तक इस अनुरोध के संबंध में स्पष्टीकरण की मांग की गई है कि क्या केएलजे पेट्रोप्लास्ट लिमिटेड संबद्ध सामानों का घरेलू उत्पादक है, आवेदक ने पुष्टि की है कि केएलजे पेट्रोप्लास्ट लिमिटेड संबद्ध सामानों का उत्पादन नहीं करता है।
50. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि आवेदक एकमात्र उत्पादक नहीं है, और अन्य उत्पादकों का कुल भारतीय उत्पादन में महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस संबंध में, यह नोट किया जाता है कि आवेदक का भारतीय उत्पादन में \*\*\*% हिस्सा है। इसे ध्यान में रखते हुए, यह नोट किया जाता है कि आवेदक का प्रमुख अनुपात है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि आवेदन-पत्र को पायल पॉलीप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड और पायल प्लास्टिकेम प्राइवेट लिमिटेड द्वारा समर्थन दिया गया है। आवेदक का समर्थकों के साथ मिलकर भारतीय उत्पादन का लगभग पूरा हिस्सा है। आवेदक द्वारा धारित हिस्सेदारी को ध्यान में रखते हुए, महानिदेशक यह पाते हैं कि आवेदक का कुल भारतीय उत्पादन में प्रमुख अनुपात है, और नियम 2(ख) के तहत घरेलू उद्योग है।

### च. गोपनीयता

#### च.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

51. गोपनीयता के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- आवेदक ने निष्पादन मानदंडों, मांग, उत्पादन और घरेलू उत्पादकों की हिस्सेदारी, समायोजन योजना और अवधि, अवधि और संयंत्र बंदी कारणों के संबंध में उसका सार्थक सार दिए बिना अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है। इस तरह के दावों ने नियम 7 का उल्लंघन किया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अनुरोध करने से रोका है। महानिदेशक को, संशोधित अगोपनीय आवेदन-पत्र उपलब्ध कराने के लिए आवेदक को निर्देश देना चाहिए।
  - गोपनीयता स्वतः नहीं दी जा सकती है और पूरी जांच के आधार पर होनी चाहिए, जैसा कि स्टरलाइट इंडस्ट्रीज (इंडिया) लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी में माना गया है।
  - लेन-देन-वार आयात आंकड़ों का सार दिया जाना चाहिए। क्षति की जांच के लिए संबद्ध और गैर-संबद्ध स्रोतों से आयात विवरणों को सत्यापित किया जाना चाहिए।
  - घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीयता संबंधी उठाई गई टिप्पणियों के संबंध में यह नोट किया जाता है कि इसका दायरा केवल एंटी-डंपिंग जांचों तक सीमित है। सबसे पहले यह निर्धारित किया जाना आवश्यक है कि क्या व्यापार सूचना 10/2018 की प्रयोज्यता वर्तमान द्विपक्षीय सेफगार्ड जांच तक विस्तारित होती है।

#### च.2. घरेलू उद्योग के विचार

52. गोपनीयता के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. प्रयोक्ताओं द्वारा अत्यधिक गोपनीयता का दावा व्यापार सूचना 10/2018 के उल्लंघन में किया गया है। प्रयोक्ता उत्पाद सूची, शेयरधारकों और संबद्ध कंपनियों का विवरण, उत्पादन प्रक्रिया और कारखानों का विवरण प्रदान करने में विफल रहे हैं।
- ii. प्रयोक्ता निचले स्तर के बाजार में अपने अनुमानित हिस्सेदारी को भी प्रदान करने में विफल रहे हैं।
- iii. विदेशी उत्पादकों को घरेलू उद्योग के मुकाबले प्रतिस्पर्धी लाभ के संबंध में विवरण गोपनीय सूचना नहीं हो सकती है और अतिरिक्त गोपनीयता का दावा करने से घरेलू उद्योग को ऐसे किसी भी दावे का खंडन करने से रोका गया है।
- iv. प्रयोक्ता आर्थिक हित प्रश्नावली में क्षमता, उत्पादन, खपत और आयात के कुल विवरण का प्रकटन करने में विफल रहे हैं, जबकि ऐसे कुल आंकड़े समेकित किए गए हैं और एक प्रयोक्ता के नहीं हैं। प्रयोक्ताओं ने ऐसी सूचना के प्रकटन के मामले में कोई पूर्वाग्रह नहीं दिखाया है।
- v. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाई गई गोपनीयता टिप्पणियां विलंब से और अस्पष्ट हैं।
- vi. संयंत्र बंदी के विवरण को गोपनीय बताया गया है क्योंकि इसका प्रकटन घरेलू उद्योग के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। केवल इसलिए कि सूचना गोपनीय होने का दावा किया गया है, इसका मतलब यह नहीं है कि आवेदन-पत्र में पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं।
- vii. मांग को गोपनीय बताया गया है क्योंकि क्षति की अवधि के पहले तीन वर्षों के लिए, यह घरेलू उद्योग और पायल समूह की बिक्री पर आधारित है। मांग के प्रकटन से एक समूह की बिक्री का दूसरे समूह को पारस्परिक प्रकटन होगा और आवेदक के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
- viii. घरेलू उद्योग के पॉलीमेडिक्योर के साथ पत्रों को गोपनीय बताया गया है, जबकि घरेलू उद्योग से संबंधित ऐसे पत्र हैं।

### च.3. महानिदेशक की जांच

53. नियमावली का नियम 6 सूचना की गोपनीयता से संबंधित है।

#### 6. गोपनीय सूचना -

(1) नियम 5 के उप-नियम (1), (3) और (7), नियम 8 के उप-नियम (2) और नियम 10 के उप नियम (5) में निहित किसी भी बात के होते हुए, कोई भी सूचना जो प्रकृति में गोपनीय है या जो गोपनीय आधार पर प्रदान की जाती है, कारण दिखाए जाने पर, महानिदेशक द्वारा ऐसी मानी जाएगी और ऐसी सूचना प्रदान करने वाले पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना प्रकट नहीं की जाएगी।

(2) महानिदेशक गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को उसके अगोपनीय सार प्रस्तुत करने की मांग कर सकते हैं और यदि, उस सूचना को प्रदान करने वाले पक्षकार के मत में, उसका सार नहीं किया जा सकता है, तो वह पक्षकार, उन कारणों का विवरण महानिदेशक को प्रस्तुत करें कि सार क्यों संभव नहीं है।

(3) उप-नियम (2) में निहित किसी भी बात के बावजूद, यदि महानिदेशक संतुष्ट हैं कि गोपनीयता का अनुरोध आवश्यक नहीं है या सूचना का आपूर्तिकर्ता या तो सूचना को सार्वजनिक करने या सामान्यीकृत या सार रूप में इसके प्रकटन को अधिकृत करने के लिए अनिच्छुक है, तो वह ऐसी सूचना को

नज़रअंदाज़ कर सकते हैं जब तक कि उचित स्रोतों से उसके संतोष के लिए यह प्रदर्शित न किया जाए कि ऐसी सूचना सही है।

54. सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावों की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर, महानिदेशक ने जहां आवश्यक था, गोपनीयता के दावों को स्वीकार कर लिया है और उस सूचना को गोपनीय माना गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जहां भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर प्रदान करने का निर्देश दिया गया था।
55. पंजीकृत हितबद्ध पक्षकारों की एक सूची डी जी टी आर की वेबसाइट पर अपलोड की गई थी और सभी से अनुरोध किया गया था कि वे सभी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अपने अनुरोधों का अगोपनीय रूपांतर ईमेल करें।
56. जहां तक निष्पादन मापदंडों के संबंध में गोपनीयता का दावा किया गया है, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग में एक एकल उत्पादक शामिल है और ऐसी सूचना के प्रकटन से कंपनी की गोपनीय सूचना का प्रकटन होगा। निष्पादन मापदंड, समायोजन योजना और बंदी के ब्यौरे घरेलू उद्योग की व्यापारिक संवेदनीय सूचना हैं। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने गोपनीय होने का दावा की गई सूचना का अगोपनीय सार प्रदान किया है और सूचीबद्ध रूप में सभी संगत सूचना प्रदान की है। समायोजन योजना का एक अगोपनीय सार भी प्रदान किया गया है। घरेलू उद्योग ने यह भी स्पष्ट किया है कि हाल की अवधि में कच्चे माल की कमी के कारण कोई बंदी नहीं हुई थी। इसे देखते हुए, इस संबंध में घरेलू उद्योग की गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया जाता है।
57. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने प्रस्तुत किया है कि घरेलू उद्योग भारत में मांग का खुलासा करने में विफल रहा है। यह नोट किया गया है कि क्षति की अवधि के पहले तीन वर्षों के दौरान, भारतीय उद्योग में केवल आवेदक और पायल समूह शामिल थे। इस अवधि के लिए मांग का प्रकटीकरण आवेदक और समर्थक के व्यावसायिक हितों के लिए नुकसानदेह होगा। इसे देखते हुए, महानिदेशक ने इस संबंध में गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर लिया है। यह भी ध्यान दिया जाता है कि मांग को सूचीबद्ध आधार पर साझा किया गया है।
58. लेनदेन-वार आयात आंकड़ों का सारांश प्रदान किया जाना चाहिए, इस संबंध में, महानिदेशक नोट करते हैं कि आवेदन में आयात का सारांश प्रदान किया गया है। इसके अलावा, महानिदेशक ने वर्तमान जांच के उद्देश्य से डी जी सी आई एंड एस आंकड़ों पर भरोसा किया है।

## छ. विविध

### छ.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

59. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध किए गए हैं:

- i. संक्रमण काल समाप्त होने के बाद ये उपाय लागू या जारी नहीं रखे जा सकते। वाक्यांश "केवल संक्रमण काल के दौरान" उपायों को लागू करने या जारी रखने के अधिकार को संदर्भित करता

- है। ये उपाय अधिकतम 6 महीने के लिए लागू किए जा सकते हैं; इसके बाद संक्रमण काल समाप्त हो जाएगा, भले ही घरेलू उद्योग ने 2 साल की अवधि के लिए पुनर्गठन योजना प्रस्तुत की हो या नहीं।
- ii. शब्द "दौरान" के उपयोग का अर्थ है कि संक्रमण काल एक समय सीमा निर्धारित करता है, जिसके भीतर ही उपाय लागू किए जा सकते हैं।
  - iii. संक्रमण काल के बाद उपायों को जारी नहीं रखा जा सकता, यह बात नियम 14 में "सिफारिश" "लागू करना" या "शुरू करना" के बजाय शब्द "लागू करना" के उपयोग से भी स्पष्ट होती है। रक्षोपाय पर समझौते के अनुच्छेद 7.1 के तहत, शब्द "लागू करना" का उपयोग उपायों की अवधि के लिए भी किया जाता है। संक्रमण काल के आखिरी दिन किसी उपाय को लागू करना और उसे संक्रमण काल के बाद भी जारी रखना, अनुच्छेद 2.22 के तहत निर्धारित सीमा को निष्प्रभावी बना देगा।
  - iv. नियमों के अनुसार जांच की समय-सीमा को देखते हुए, जांच परिणाम केवल मई 2026 में जारी किए जाएंगे और अगस्त 2026 तक लागू किए जाएंगे। यदि सिफारिश की जाती है, तो इसका परिणाम केवल 3-4 महीनों के उपायों के रूप में निकलेगा, जिससे पूरी जांच व्यर्थ और अनावश्यक हो जाएगी।
  - v. घरेलू उद्योग की यह व्याख्या प्रभावी रूप से समझौते के तहत बातचीत द्वारा तय की गई टैरिफ रियायतों को फिर से खोल देगी और संधि ढांचे की स्थिरता को कमजोर कर देगी।
  - vi. शब्द "सकता है" का उपयोग उपाय लागू करने के विकल्प के संदर्भ में किया गया है, न कि इस बात में विवेकाधिकार देने के लिए कि उपाय कब लागू किया जा सकता है।
  - vii. दायर किया गया आवेदन कानून की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है, क्योंकि घरेलू उद्योग ने अपेक्षित उचित बाजार कीमत और उसका आधार प्रदान नहीं किया है। परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग को हो रही गंभीर क्षति के निवारण के लिए पर्याप्त उपाय लागू करने की कोई सिफारिश नहीं की जा सकती।
  - viii. अनुशंसित उपाय क्षति मार्जिन से अधिक नहीं होना चाहिए।
  - ix. आवेदन के विभिन्न अनुच्छेदों में आयात की अलग-अलग कीमतें दी गई हैं।
  - x. भारत-कोरिया सी ई पी ए के परिणामस्वरूप व्यापार में वृद्धि जानबूझकर की गई है और यह सी ई पी ए की मूल भावना के अनुरूप है। व्यापार में वृद्धि को द्विपक्षीय रक्षोपाय उपायों को लागू करने का आधार नहीं माना जा सकता।
  - xi. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समायोजन योजना में दक्षता में सुधार के केवल सामान्य इरादे बताए गए हैं, लेकिन इसमें परिचालन को स्थिर करने के उपाय, पुनर्गठन का मात्रात्मक रोडमैप, पूंजी निवेश का स्पष्ट कार्यक्रम, लागत में कमी के लक्ष्य और प्रदर्शन के मानक शामिल नहीं हैं। यह स्पष्टीकरण देना होगा कि ये उपाय समायोजन में किस प्रकार सहायक होंगे। समायोजन योजना की विश्वसनीयता और मांगे गए उपायों के साथ उसकी आनुपातिकता का मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

- xii. जाँच को समाप्त कर दिया जाना चाहिए। यदि जाँच जारी रखी जाती है, तो किसी भी अंतरिम उपाय का अनुरोध नहीं किया जाना चाहिए।

### छ.2. घरेलू उद्योग के विचार

60. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों के उत्तर में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. अन्य पक्षकारों की यह व्याख्या कि लगाया गया कोई भी उपाय केवल संक्रमण काल की अवधि तक ही प्रभावी रहेगा, गलत है। समझौता यह प्रावधान करता है कि उपाय केवल संक्रमण काल की समाप्ति से पहले ही लगाए जा सकते हैं और यह उपायों की अवधि निर्धारित नहीं करता है। प्रावधानों में यह नहीं कहा गया है कि संक्रमण काल की समाप्ति के बाद उपाय नहीं लगाए जा सकते।
- ii. सी ई पी ए के तहत सरकार का दायित्व संक्रमण काल के भीतर उपाय लागू करना है। समझौता सरकार को संक्रमण काल के बाद भी उपायों को जारी रखने से नहीं रोकता है।
- iii. आवेदक द्वारा उपयोग किया गया आवेदन प्रपत्र सामान्य रक्षोपाय के लिए है और तदनुसार, आवेदन में केवल द्विपक्षीय रक्षोपायों से संबंधित जानकारी ही प्रदान की गई है।
- iv. घरेलू उद्योग ने कीमतों को उचित बाजार मूल्य तक बढ़ाने के लिए एम एफ एन स्तर तक रियायतें वापस लेने का अनुरोध किया है।
- v. आवेदन में एक स्थान पर सही आयात कीमत प्रदान करने में अनजाने में एक त्रुटि हो गई है। यदि यह मुद्दा प्रारंभिक चरण में उठाया गया होता, तो घरेलू उद्योग द्वारा इसे स्पष्ट कर दिया गया होता। वैसे भी, प्राधिकारी डी जी प्रणाली के आंकड़ों के आधार पर आयात कीमत पर विचार करते हैं।
- vi. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों के विपरीत, सी ई पी ए का उद्देश्य आयात में इतनी अधिक मात्रा में और ऐसी शर्तों तथा कीमतों पर वृद्धि करना नहीं है, जिससे घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति पहुँचे। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि सी ई पी ए में द्विपक्षीय उपाय लागू करने का प्रावधान शामिल है।
- vii. ऐसा कोई कानूनी प्रावधान नहीं है जिसके तहत किसी समायोजन योजना में संचालन को स्थिर करने के उपाय, मात्रात्मक पुनर्गठन की रूपरेखा, पहचान योग्य पूंजी निवेश की समय-सारिणी, लागत-कटौती के लक्ष्य और प्रदर्शन के मानक शामिल करना अनिवार्य हो। दूसरी ओर, डब्ल्यू टी ओ पैनल ने कोरिया – डेयरी मामले में यह निर्णय दिया था कि किसी विशिष्ट समायोजन योजना की कोई आवश्यकता नहीं है।

### छ.3. महानिदेशक द्वारा जाँच

61. यह वर्तमान जाँच महानिदेशक द्वारा एक विधिवत प्रमाणित आवेदन के आधार पर शुरू की गई थी, जब उन्हें प्रथम दृष्टया यह संतोष हो गया कि आयात में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति पहुँचने के पर्याप्त प्रमाण मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त, जाँच शुरू होने के बाद, सभी हितबद्ध पक्षकारों से, जहाँ तक आवश्यक समझा गया, जानकारी माँगी गई है।

62. कई हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि इस वर्तमान जाँच के तहत प्रस्तावित उपाय संक्रमण काल समाप्त होने के बाद लागू या जारी नहीं रखे जा सकते हैं, और इसलिए, ये उपाय केवल थोड़े समय के लिए ही प्रभावी रह सकते हैं। इस संबंध में, समझौते का अनुच्छेद 2.22 निम्नलिखित रूप से प्रावधान करता है:

सीईपीए के अनुच्छेद 2.22 में निम्नानुसार प्रावधान है:

*“केवल संक्रमण अवधि के दौरान यदि इस करार के अन्तर्गत किसी सीमा शुल्क में कटौती या समाप्ति के परिणामस्वरूप दूसरे पक्षकार के उद्गम वाली वस्तु को समग्र रूप से या घरेलू उत्पादन के संबंध में और ऐसी दशाओं में ऐसी बड़ी हुई मात्रा में किसी पक्षकार के क्षेत्र में आयातित किया जा रहा हो, जहां केवल दूसरे पक्षकार से ऐसी वस्तु के आयात समान या प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी वस्तु का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग के लिए गंभीर क्षति या उसके खतरे का पर्याप्त कारण बनते हों, वहां पक्षकार निम्नलिखित कर सकता है:*

- (क) इस करार के अन्तर्गत प्रदत्त वस्तु पर सीमा शुल्क की किसी दर की आगे कटौती को रोकना; या
- (ख) उस वस्तु पर सीमा शुल्क की दर में उस स्तर पर वृद्धि जो निम्न में से कमतर से अधिक न हो;
- (i) उपाय किए जाने के समय उस वस्तु पर प्रभावी सीमा शुल्क की एम एफ एन लागू दर; और
- (ii) इस करार के लागू होने की तारीख से तत्काल पहले दिन को उस वस्तु पर प्रभावी सीमा शुल्क की एम एफ एन लागू दर।”

63. समझौते के अनुच्छेद 2.23 में उन शर्तों और सीमाओं का प्रावधान है जो अनुच्छेद 2.22 में वर्णित जाँच या उपाय पर लागू होंगी। अनुच्छेद 2.23 के खंड (g) के अनुसार, लगाया गया उपाय अधिकतम दो वर्षों की अवधि तक, अथवा गंभीर क्षति के निवारण तथा समायोजन को सुगम बनाने के लिए आवश्यक अवधि तक, बनाए रखा जा सकता है।

*“(छ) कोई भी उपाय तब तक बनाए नहीं रखा जाएगा:*

- (i) सिवाय उस सीमा तक और उतने समय तक, जितना गंभीर क्षति को दूर करने और समायोजन को सुगम बनाने के लिए आवश्यक हो; या
- (ii) दो वर्ष से अधिक की अवधि के लिए नहीं, सिवाय इसके कि असाधारण परिस्थितियों में, इस अवधि को अतिरिक्त दो वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है, यानी उपाय को पहली बार लागू करने की तारीख से कुल चार वर्ष तक; यदि जाँच अधिकारी उप-अनुच्छेद (क) से (च) में निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुरूप यह निर्धारित करते हैं कि सुरक्षा उपाय गंभीर क्षति को रोकने या दूर करने और समायोजन को सुगम बनाने के लिए अभी भी आवश्यक है, और इस बात का प्रमाण है कि उद्योग समायोजन कर रहा है;”

64. इसलिए, जब अनुच्छेद 2.22 के तहत द्विपक्षीय सुरक्षा उपाय लागू किए जाते हैं, और वे संक्रमण काल के अधीन होते हैं; तो एक बार लगाए गए उपायों को अनुच्छेद 2.23(छ) के तहत बनाए रखा जाता है।

अनुच्छेद 2.23(छ) में यह प्रावधान नहीं है कि उपायों को केवल संक्रमण काल के दौरान ही बनाए रखा जा सकता है। इसलिए, एक बार जब संक्रमण काल के दौरान अनुच्छेद 2.22 के तहत कोई उपाय लागू कर दिया जाता है, तो उसे उतनी अवधि तक बनाए रखा जा सकता है, जितनी गंभीर क्षति को दूर करने और समायोजन में सहायता करने के लिए आवश्यक हो, जिसकी अधिकतम अवधि दो वर्ष होगी। हितबद्ध पक्षकारों ने अनुच्छेद 2.23(छ) में संक्रमण काल से संबंधित प्रावधानों को शामिल करके पढ़ने का कोई आधार नहीं दिखाया है।

65. हितबद्ध पक्षकारों ने यह प्रस्तुत किया है कि घरेलू उद्योग ने उचित बाज़ार कीमत के संबंध में जानकारी प्रदान नहीं की है। यह ध्यान दिया जाता है कि वर्तमान जाँच एक द्विपक्षीय जाँच है जिसमें मांगी गई राहत रियायतों की वापसी है, न कि रक्षोपाय लगाना। इसलिए, उचित बाज़ार मूल्यों के संबंध में जानकारी प्रदान करने की कोई आवश्यकता नहीं है। वर्तमान मामले में किसी भी क्षति मार्जिन को निर्धारित करने की आवश्यकता नहीं है। किसी भी स्थिति में, घरेलू उद्योग ने यह प्रस्तुत किया है कि कीमतें समझौते के तहत दी गई रियायतों की सीमा तक अनुचित हैं।
66. इस अनुरोध के संबंध में कि वर्तमान जाँच भारत-कोरिया सी ई पी ए की भावना के विरुद्ध है, महानिदेशक यह नोट करते हैं कि सी ई पी ए की भावना यह नहीं है कि ऐसी स्थितियों में आयात में वृद्धि के कारण दोनों में से किसी भी देश के घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति पहुँचे। यद्यपि समझौते की भावना व्यापार को बढ़ाना और प्रत्येक देश के उत्पादकों को बेहतर बाज़ार पहुँच प्रदान करना है, फिर भी आयात में ऐसी वृद्धि संबंधित देशों के घरेलू उत्पादकों की कीमत पर नहीं हो सकती। इसके अलावा, द्विपक्षीय रक्षोपाय लागू करने के प्रावधानों को सी ई पी ए में इस उद्देश्य के साथ शामिल किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यदि दी गई रियायतों के कारण आयात में वृद्धि होती है, जिससे आयातक देश के घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति पहुँचती है, तो उचित उपाय किए जा सकें।
67. समायोजन योजना की पर्याप्तता के संबंध में उठाई गई चिंताओं के बारे में, यह नोट किया जाता है कि गोपनीय आधार पर प्रदान की गई समायोजन योजना में प्रासंगिक विवरण शामिल हैं। इसके अलावा, सीमा शुल्क को फिर से लागू करने का प्रभाव भी घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान किया गया है। इस प्रकार, समायोजन योजना की पर्याप्तता और सटीकता के लिए जाँच की गई है।

### ज. आयात में वृद्धि

#### ज.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

68. आयात में वृद्धि के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
- डब्ल्यू टी ओ कानून के तहत वैश्विक रक्षोपाय की तुलना में द्विपक्षीय रक्षोपायों की प्रयोज्यता संकीर्ण होती है। सी ई पी ए के अनुच्छेद 2.22 में "आयात किया जा रहा है" और "ऐसी बड़ी हुई मात्रा में" शब्दों का प्रयोग यह दर्शाता है कि महानिदेशक को चार साल जैसी लंबी अवधि के ऐतिहासिक रुझानों के बजाय, आयात में अचानक हुई वृद्धि का आकलन करना आवश्यक है। यह "हाल के आयात" और "ऐसी बड़ी हुई मात्रा में" शब्दों की उस व्याख्या के भी अनुरूप है जो रक्षोपायों पर समझौते के तहत डब्ल्यू टी ओ अपीलीय निकाय द्वारा अर्जेटीना – फुटवियर (ई सी) मामले में दी गई थी। लेकिन वर्तमान मामले में, आयात में वृद्धि क्रमिक है, अचानक नहीं।

- ii. आयात की जाँच 2017-18 से की जानी चाहिए, जिससे यह पता चलेगा कि आयात में वृद्धि मूल सीमा शुल्क को समाप्त करने के कारण नहीं हुई है। पिछली रक्षोपाय जाँचों में, महानिदेशक ने आयात के रूझानों की जाँच करने के लिए पिछले समय की जानकारी (आंकड़ों) की भी जाँच की है।
- iii. आयात में प्रारंभ में 2017-18 से गिरावट आई थी और इसमें वृद्धि केवल 2022-23 से शुरू हुई। यह तथ्य कि आयात लगातार चार वर्षों तक उसी 'शून्य-शुल्क व्यवस्था' के तहत कम बने रहे, शुल्क में कटौती और आयात में कथित वृद्धि के बीच किसी भी संबंध को तोड़ देता है।
- iv. एच एस कोड 2917 3920 के लिए डी जी एफ टी आंकड़ों का आधार यह दर्शाता है कि 2017 में शुल्क समाप्त होने के बाद से आयात में वृद्धि नहीं हुई है। सबसे हाल की अवधि में आयात, 2017-18 के आयात की तुलना में कम है। शुल्क रियायतों के परिणामस्वरूप आयात में वृद्धि की शर्त पूरी नहीं होती है।
- v. 6-अंकीय स्तर पर उपलब्ध आंकड़े यह दर्शाते हैं कि वर्ष 2017-18 के बाद से आयात का मूल्य ₹ करोड़ में बढ़ा नहीं है, बल्कि इसमें उतार-चढ़ाव आया है।
- vi. 2022-23 में शुरू हुई आयात में वृद्धि का कारण गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यू सी ओ) है, जिसने थैलेट की मात्रा को 500 एमजी/ किग्रा. से कम तक सीमित कर दिया; जिसके कारण डाउनस्ट्रीम निर्माताओं को पारंपरिक थैलेट प्लास्टिसाइज़र जैसे डी ओ पी से हटकर गैर-थैलेट विकल्पों जैसे डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच को अपनाने के लिए विवश होना पड़ा।
- vii. भले ही डी जी सी आई एंड एस की जानकारी से जांच अवधि में आयात में बढ़ोतरी दिखती हो, लेकिन यह बढ़ोतरी शुल्क समाप्त होने की वजह से नहीं है।
- viii. आवेदन में 2017-18 से 2021-22 तक आयात में आई कमी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है, और न ही यह बताया गया है कि इस कमी का, शुल्क खत्म होने और आयात में बढ़ोतरी के बीच के कारणात्मक संबंध पर क्या असर पड़ता है।
- ix. आयात में अचानक और हाल की बढ़ोतरी की जांच करने की ज़रूरत को देखते हुए, आयात की जांच 2021-22 के बजाय 2022-23 से की जानी चाहिए। इसके अलावा, 2022-23 को आधार वर्ष मानना सही होगा, क्योंकि नियमों में बदलाव की वजह से मांग में बढ़ोतरी 2022-23 से ही शुरू हुई है।
- x. यह नहीं माना जा सकता कि सीमाशुल्क न होने की वजह से दूसरे देशों से आयात में बढ़ोतरी नहीं हुई। इसकी जांच की जानी चाहिए कि क्या ताइवान या मलेशिया में इस उत्पाद का ज़्यादा मात्रा में आयात करने के लिए पर्याप्त क्षमता मौजूद है।
- xi. 2022-23 से आयात में बढ़ोतरी की दर, मांग में बढ़ोतरी की दर के बराबर है।
- xii. भले ही वर्ष 2021-22 को आधार माना जाए, फिर भी कोरिया से भारत को होने वाला निर्यात, दूसरे देशों को होने वाले निर्यात के ही अनुरूप है।

- xiii. आयात में यह बढ़ोतरी अचानक नहीं हुई है, बल्कि सी ई पी ए के तहत शुल्क को चरणबद्ध तरीके से खत्म किए जाने की वजह से इसका पहले से ही अनुमान लगाया जा सकता था। इसलिए, किसी भी तरह की आपातकालीन कार्रवाई की कोई ज़रूरत नहीं है।
- xiv. आयात में बढ़ोतरी की मुख्य वजह मांग में हुई बढ़ोतरी है, जिसे आवेदक (घरेलू उद्योग) अपनी क्षमता या समय की कमी के चलते पूरा नहीं कर पाया है।
- xv. सी ई पी ए के तहत शुल्क को खत्म करने का निर्णय अचानक नहीं लिया गया था, और आवेदक के पास इस प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए तैयारी करने का पर्याप्त समय था।
- xvi. घरेलू उद्योग, सी ई पी ए के तहत टैरिफ खत्म होने और आयात में बढ़ोतरी के बीच कोई सीधा संबंध स्थापित करने में नाकाम रहा है। यूएस – स्टील रक्षोपाय मामले में पैनल ने यह फ़ैसला दिया था कि किसी भी अप्रत्याशित घटनाक्रम और आयात में बढ़ोतरी के बीच एक तार्किक संबंध होना ज़रूरी है।
- xvii. आवेदक, 2024-25 में हुए नुकसान और जनवरी 2017 में टैरिफ समाप्त होने के बीच कोई कारणात्मक संबंधी स्थापित करने में पूरी तरह से विफल रहा है। जनवरी 2017 के बाद से आयात की स्थिति और शुल्क समाप्त होने के बाद के घटनाक्रमों के बारे में कोई भी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है।
- xviii. आवेदक ने यह जानकारी छिपा ली है कि उसने 2020 से संबंधित सामान का उत्पादन शुरू कर दिया था, जबकि उसे पूरी जानकारी थी कि कोरिया से आयात पर कोई सीमा शुल्क नहीं लगता है और केमिकल्स का पंजीकरण, मूल्यांकन, प्राधिकारी और प्रतिबंध (पहुंच विनियमन) तथा 'पर्यावरण, व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा' (ई ओ एच एस गाइडलाइंस) जैसे उपायों के कारण मांग बढ़ गई है। ये उपाय मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा के लिए बनाए गए हैं और विभिन्न उद्योगों में केमिकल के उपयोग को नियंत्रित करते हैं। इन उपायों के कारण आयात की आवश्यकता पड़ी, क्योंकि भारत में नॉन-थैलेट प्लास्टिसाइज़र का कोई उत्पादन नहीं हो रहा था।
- xix. कच्चे माल की कमी, रिएक्टरों की सफाई, रखरखाव और उत्पाद मिश्रण में बदलाव के कारण घरेलू उद्योग को जिन शटडाउन (उत्पादन बंद होने) का सामना करना पड़ा, उसके परिणामस्वरूप भी आयात में वृद्धि हुई है।
- xx. 2022-23 से आयात में वृद्धि का कारण गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी होना है, जिसमें कुछ प्रकार के फुटवियर के लिए नॉन-थैलेट प्लास्टिसाइज़र का उपयोग अनिवार्य कर दिया गया है; इसका कारण कोई अन्य बात नहीं है।
- xxi. डी ई एच सी एच के आयात में बढ़ोतरी का कारण भारत में उत्पादकों को पेश आ रही तकनीकी और आपूर्ति संबंधी बाधाएँ हैं; यह उत्पाद वैश्विक स्तर पर केवल कुछ ही उत्पादकों के पास उपलब्ध है।
- xxii. डाउनस्ट्रीम उद्योग के विकास के कारण मांग में हुई बढ़ोतरी को देखते हुए आयात में वृद्धि हुई है।

- xxiii. शुल्क हटाए जाने के 4-8 साल बाद आयात में वृद्धि हुई है, और इस वृद्धि का श्रेय शुल्क हटाए जाने को नहीं दिया जा सकता। शुल्क 2017 में हटाए गए थे, और तब से भारत में उपभोक्ताओं ने निर्धारित मूल्य संरचनाओं और सोर्सिंग निर्णयों के साथ दीर्घकालिक व्यवस्थाएँ और अनुबंध किए हैं।
- xxiv. विचाराधीन आयात में इसलिए वृद्धि हुई है क्योंकि हनव्हा सॉल्यूशंस कॉर्पोरेशन ने डी ई एच सी एच को विकसित और व्यावसायिक रूप से उपलब्ध कराया है, जिसे किसी अन्य उत्पादक ने विकसित नहीं किया है।
- xxv. शुल्क रियायतें हटाए जाने के बाद कोरिया से होने वाले आयात में काफी गिरावट आई है।
- xxvi. नियामक परिवर्तनों से पहले, डायोक्टाइल थैलेट ("डीओपी") का बड़ी मात्रा में आयात किया जाता था। इसे ध्यान में रखते हुए, डी ओ पी और डी ओ टी पी के आयात संबंधी आँकड़े यह दर्शाते हैं कि 2017-18 के बाद से भारत में आयात में कोई वृद्धि नहीं हुई है।

## ज.2. घरेलू उद्योग के विचार

69. आयात में वृद्धि के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. सीमा शुल्क में कमी के परिणामस्वरूप, विचाराधीन आयात पूर्ण और सापेक्ष दोनों ही अर्थों में बढ़ गए हैं।
- ii. क्षति जाँच अवधि के दौरान, विचाराधीन आयात 6,500 मी. ट. से बढ़कर 40,000 मी. ट. हो गए हैं, जो 500% से भी अधिक की वृद्धि दर्शाते हैं।
- iii. इस दावे के विपरीत कि आयात के रुझानों को शुल्क की समाप्ति के दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए, कोरिया से फेरो मोलिब्डेनम के आयात से संबंधित द्विपक्षीय रक्षोपाय जाँच में, महानिदेशक ने यह निर्णय दिया था कि आयात में लगातार और निरंतर वृद्धि होना आवश्यक नहीं है।
- iv. यह तर्क कि क्षति को 2017 में शुल्क की समाप्ति से जोड़ा जाना चाहिए, संक्रमण अवधि से संबंधित प्रावधानों को निरर्थक बना देता है। संक्रमण अवधि का प्रावधान पक्षकारों को संक्रमण काल के दौरान किसी भी समय, न कि केवल शुल्क समाप्ति के बाद, निवारण की माँग करने की अनुमति देने के लिए है।
- v. जाँच अवधि के दौरान, भारतीय उत्पादन में 15% की वृद्धि होने के बावजूद, उत्पादन के सापेक्ष विचाराधीन आयात में 147% की वृद्धि हुई है। यदि उत्पादन में यह वृद्धि न हुई होती, तो सापेक्ष अर्थों में आयात में हुई वृद्धि कहीं अधिक होती।
- vi. जाँच अवधि के दौरान, विचाराधीन आयात में 522% की वृद्धि हुई है, जबकि माँग में केवल 247% की वृद्धि हुई है।
- vii. आयात में हुई वृद्धि को माँग में हुई वृद्धि के आधार पर उचित नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि घरेलू उद्योग के पास माँग की पूर्ति करने के लिए पर्याप्त क्षमताएँ उपलब्ध हैं।

- viii. अनुच्छेद 2.22 की पाद-टिप्पणी में यह प्रावधान है कि सी ई पी ए के किसी पक्ष से होने वाले आयात पर उपाय केवल तभी लागू किए जा सकते हैं, जब विचाराधीन देश से होने वाले आयात में वृद्धि के कारण क्षति हुई हो और अन्य देशों से होने वाले आयात में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग को कोई क्षति न हुई हो। अन्य पक्षकारों के तर्कों के विपरीत, पाद-टिप्पणी के शेष भाग से अलग करके, केवल "अकेले" शब्द पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। वर्तमान मामले में, केवल कोरिया से होने वाले आयात में वृद्धि हुई है, और गैर-विचाराधीन आयात में हुई वृद्धि के कारण कोई क्षति नहीं हो सकती।
- ix. सी ई पी ए के अंतर्गत प्रदान की गई रियायतों के कारण, जिससे भारत में कम कीमतों पर आयात की अनुमति मिली है, विचाराधीन आयात ने माँग पर अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया है।
- x. सीमा शुल्क हटाने का उद्देश्य कोरियाई आयातकों को बाज़ार में ज़्यादा पहुँच देना है, न कि भारत में प्लांट लगाने में रुकावट डालना या नुकसान पहुँचाना।
- xi. बिना शुल्क वाले आयातों की पहुँच कीमत, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और बिक्री लागत से कम है। अगर कस्टम ड्यूटी लगाई जाती है, तो इन सामानों की पहुँच कीमत, बिक्री कीमत और बिक्री लागत से ज़्यादा होगी।
- xii. इन आयातों का बाज़ार में हिस्सा बढ़ा है, जबकि भारतीय उद्योग का हिस्सा घटा है।
- xiii. घरेलू उद्योग द्वारा बनाया गया उत्पाद आर ई ए सी एच मानकों के अनुरूप है; इसलिए, यह दावा कि कोरिया गणराज्य से आयातों इसलिए बढ़े क्योंकि वे अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप थे, गलत है।
- xiv. घरेलू उद्योग अपनी बिक्री की मात्रा तभी बनाए रख पाया है, जब उसने बिना शुल्क वाले भारी मात्रा में आयातों से मुकाबला करने के लिए अपनी कीमतें कम की हैं। इससे घरेलू उद्योग के मुनाफ़े में काफ़ी गिरावट आई है।
- xv. फ़थैलेट प्लास्टिसाइज़र में ज़हरीलेपन के बारे में बढ़ती जागरूकता के कारण, इन आयातों की माँग बढ़ी है। हालाँकि, आयातों में हुई वृद्धि, माँग में हुई बढ़ोतरी से कहीं ज़्यादा है।
- xvi. हितबद्ध पक्षकारों के दावों के विपरीत, जाँच की अवधि के दौरान आयातों में वर्ष-दर-वर्ष काफ़ी वृद्धि हुई है। यह बढ़ोतरी इस बात को देखते हुए और भी ज़्यादा साफ़ नज़र आती है कि भारतीय उद्योग के पास माँग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता मौजूद है।
- xvii. यह तर्क कि 4 साल की अवधि पर विचार नहीं किया जाना चाहिए, महानिदेशक द्वारा पिछली कई जाँचों में अपनाई गई कार्यप्रणाली के विपरीत है।
- xviii. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने विरोधाभासी तर्क दिए हैं; एक तरफ़ उन्होंने हाल के आयातों की जाँच की माँग की है, तो दूसरी तरफ़ 2017 से हुए आयातों की जाँच की माँग की है।
- xix. यह देखते हुए कि माँग बढ़ी है, और केवल कोरिया से होने वाले आयातों में ही बढ़ोतरी हुई है, यह साफ़ ज़ाहिर होता है कि आयातों में हुई यह बढ़ोतरी केवल सीमा शुल्क हटाने के कारण हुई

- है। शुल्क में मिली छूट के कारण कोरिया के उत्पादक, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और बिक्री लागत से भी कम कीमतों पर अपने उत्पाद निर्यात कर पा रहे हैं।
- xx. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया है कि आयातों में हुई बढ़ोतरी को 2022-23 के नज़रिए से देखा जाना चाहिए। हालाँकि, यह दावा अपनाई गई कार्यप्रणाली के अनुरूप नहीं है।
- xxi. कोरिया द्वारा भारत को किए गए निर्यात और तीसरे देशों को किए गए निर्यात के बीच तुलना करने की कोई आवश्यकता नहीं है। किसी भी स्थिति में, अन्य पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत जानकारी से पता चलता है कि 2019-20 की तुलना में 2024-25 में कोरिया से भारत को होने वाले निर्यात में 627% की वृद्धि हुई है, जबकि इसी अवधि में तीसरे देशों को होने वाले निर्यात में 305% की वृद्धि हुई है।
- xxii. इसके अलावा, उपलब्ध कराए गए आंकड़ों से पता चलता है कि कोरिया से भारत को होने वाला निर्यात, तीसरे देशों को होने वाले निर्यात से अधिक है; और 2019-20 से 2024-25 के दौरान, कोरिया से भारत को होने वाले निर्यात का हिस्सा 46% से बढ़कर 60% हो गया है।
- xxiii. इस दावे के विपरीत कि आयात में बढ़ोतरी बी आई एस आदेश के कारण हुई है, बी आई एस आदेश आयात को ज़रूरी नहीं बनाता, क्योंकि भारतीय उद्योग के पास भारत में बढ़ी हुई मांग को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता है। इसके अलावा, मांग में बढ़ोतरी सभी देशों के लिए एक अवसर खोलती है, फिर भी, सीमा शुल्क छूट के कारण आयात केवल कोरिया गणराज्य से बढ़ा है।
- xxiv. उपयोगकर्ताओं के दावों के विपरीत, घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किया गया उत्पाद ग्राहकों के गुणवत्ता मानकों को पूरा करता है। पॉली मेडिक्योर लिमिटेड के साथ हुए संवादों से पता चलता है कि उसने पहली बार 2021 में उत्पाद खरीदे थे और नियमित रूप से घरेलू उद्योग से खरीदारी शुरू कर दी थी। उसने केवल कम कीमतों के कारण आयात करना शुरू किया है।
- xxv. चूंकि आयातित डी ई एच सी एच, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित डी ओ टी पी का विकल्प है, इसलिए ऐसा नहीं है कि भारत में उत्पादन की कमी के कारण डी ई एच सी एच का आयात किया गया है। इसके अलावा, डी ई एच सी एच के आयातकों ने घरेलू उद्योग से भी संबद्ध वस्तु की खरीद की है।
- xxvi. क्यू सी ओ को अनिवार्य नहीं बनाया गया है और उपयोगकर्ताओं का नॉन-थैलेट प्लास्टिसाइज़र की ओर जाना भविष्य में अनिवार्य क्यू सी ओ की आशंका के कारण है।
- xxvii. अन्य पक्षकारों की इस दलील के विपरीत कि वैश्विक अतिरिक्त क्षमता के कारण घरेलू उद्योग को कोई नुकसान नहीं हुआ है, आयात केवल कोरिया से बढ़ा है, अन्य देशों से नहीं।
- xxviii. रिएक्टरों की सफाई, रखरखाव और उत्पाद मिश्रण में बदलाव के कारण होने वाले शटडाउन नियमित शटडाउन होते हैं और इनके कारण आयात में बढ़ोतरी नहीं हो सकती। इसके अलावा, हाल के समय में ऐसे कारणों से कोई शटडाउन नहीं हुआ। दूसरी ओर, घरेलू उद्योग को कम कीमत वाले आयात के कारण ऑर्डर की कमी के चलते शटडाउन का सामना करना पड़ा है।

### ज.3. महानिदेशक द्वारा जाँच

70. सी ई पी ए में यह प्रावधान है कि द्विपक्षीय रक्षोपाय तब लागू किए जा सकते हैं, जब विचाराधीन उत्पाद "इतनी अधिक मात्रा में" आयात किया जा रहा हो, चाहे वह "पूर्ण रूप से हो या घरेलू उत्पादन के सापेक्ष", और ऐसी शर्तों के तहत आयात किया जा रहा हो कि, केवल दूसरे पक्ष से ही ऐसे माल का आयात, समान या सीधे तौर पर प्रतिस्पर्धी माल का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति या उसकी आशंका का एक मुख्य कारण बन जाए। इस संबंध में विचार किए गए प्रासंगिक प्रावधान निम्नलिखित हैं।

#### "अनुच्छेद 2.22

केवल संक्रमण अवधि के दौरान यदि इस करार के अन्तर्गत किसी सीमा शुल्क में कटौती या समाप्ति के परिणामस्वरूप दूसरे पक्षकार के उद्भ्रम वाली वस्तु को समग्र रूप से या घरेलू उत्पादन के संबंध में और ऐसी दशाओं में ऐसी बड़ी हुई मात्रा में किसी पक्षकार के क्षेत्र में आयातित किया जा रहा हो, जहां केवल दूसरे पक्षकार से ऐसी वस्तु के आयात समान या प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी वस्तु का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग के लिए गंभीर क्षति या उसके खतरे का पर्याप्त कारण बनते हों, वहां पक्षकार निम्नलिखित कर सकता है:

- (क) इस करार के अन्तर्गत प्रदत्त वस्तु पर सीमा शुल्क की किसी दर की आगे कटौती को रोकना; या
- (ख) उस वस्तु पर सीमा शुल्क की दर में उस स्तर पर वृद्धि जो निम्न में से कमतर से अधिक न हो;
  - (i) उपाय किए जाने के समय उस वस्तु पर प्रभावी सीमा शुल्क की एम एफ एन लागू दर; और
  - (ii) इस करार के लागू होने की तारीख से तत्काल पहले दिन को उस वस्तु पर प्रभावी सीमा शुल्क की एम एफ एन लागू दर।"

71. महानिदेशक ने ऊपर बताए गए सिद्धांतों के आधार पर, विचाराधीन उत्पाद के आयात में हुई वृद्धि का विश्लेषण किया है।

72. यह नोट किया गया है कि कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि आयात पर विचार 2017-18 से किया जाना चाहिए, जबकि अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि आयात का विश्लेषण 2022-23 से किया जाना चाहिए। विचार किए गए समय-काल के संबंध में, यह पाया गया है कि चार वर्षों की जांच अवधि, जिसमें सबसे हाल का समय-काल भी शामिल है, वर्तमान जांच के उद्देश्य के लिए प्रासंगिक है। यह अवधि महानिदेशक को घरेलू उद्योग की स्थिति के साथ-साथ आयात में हुई वृद्धि की जांच करने का अवसर भी प्रदान करती है।

73. इस तर्क के संबंध में कि आयात में वृद्धि केवल हाल के समय-काल में हुई है न कि 2017-18 से या मूल सीमा शुल्क को समाप्त किए जाने के समय से, यह पाया गया है कि सी ई पी ए और नियमों के तहत, द्विपक्षीय रक्षोपाय तब लागू किए जा सकते हैं, जब शुल्कों में कमी या उनकी समाप्ति के परिणामस्वरूप आयात में वृद्धि हुई हो। तथापि, ये उपाय संक्रमण काल के दौरान किसी भी समय लागू किए जा सकते हैं;

अर्थात्, शुल्क-समाप्ति या शुल्क-कटौती की प्रक्रिया पूरी होने की तिथि से लेकर दस वर्षों तक की अवधि के भीतर। इस बात को ध्यान में रखते हुए कि सी ई पी ए का अनुच्छेद 2.22, संक्रमण काल के दौरान आयात में वृद्धि होने पर किसी भी समय रक्षोपाय लागू करने का प्रावधान करता है, यह स्पष्ट होता है कि आयात में हुई वृद्धि का, मूल सीमा शुल्क की समाप्ति या कटौती के तुरंत बाद होना अनिवार्य नहीं है। इन प्रावधानों से संबंधित पाद-टिप्पणी इस संबंध में निम्नलिखित बातों को और अधिक स्पष्ट करती है:

“यह निर्धारण कि कोई मूल-उत्पाद इस समझौते के तहत निर्धारित सीमा शुल्क में कमी या उसकी समाप्ति के परिणामस्वरूप आयात किया जा रहा है, केवल तभी किया जाएगा, जब ऐसी कमी या समाप्ति आयात में वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला एक कारण हो, भले ही वह कारण किसी अन्य कारण के बराबर या उससे अधिक न हो। ऐसी कमी या समाप्ति के प्रारंभ अथवा समापन तथा आयात में वृद्धि के बीच कुछ समय बीत जाने मात्र से, इस पाद-टिप्पणी में संदर्भित निर्धारण करने में कोई बाधा उत्पन्न नहीं होगी। यदि आयात में हुई वृद्धि का ऐसी कमी या समाप्ति से कोई संबंध न होना स्पष्ट रूप से सिद्ध हो जाता है, तो इस पाद-टिप्पणी में संदर्भित निर्धारण नहीं किया जाएगा।”

74. तदनुसार, महानिदेशक इस बात की जांच करेंगे कि (क) क्या कोरिया गणराज्य से आयात में वृद्धि हुई है, और (ख) क्या शुल्कों को समाप्त करने से आयात में हुई वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान मिला है। महानिदेशक ने चार वर्षों की जांच अवधि के दौरान कोरिया गणराज्य और अन्य देशों से हुए आयात पर विचार किया है। जांच अवधि के लिए आयात की मात्रा से संबंधित प्रासंगिक जानकारी नीचे दी गई है।

क. पूर्ण रूप में आयात

75. पिछले वर्षों के दौरान पूर्ण रूप में आयात से संबंधित जानकारी नीचे दी गई है।

विवरण	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
कोरिया गणराज्य से आयात	6,484	16,371	35,203	42,157
अन्य देशों से आयात	1,187	2,574	1,134	2,532

76. यह देखा गया है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध आयात में 550% की वृद्धि हुई है। जबकि संबद्ध देशों से आयात में 550% की वृद्धि हुई है, अन्य देशों से आयात में केवल 113% की वृद्धि हुई है, जो केवल 2,532 एम टी है। इसके अलावा, संबद्ध देश से आयात में वर्ष-दर-वर्ष जांच अवधि में वृद्धि हुई है और सबसे हाल की अवधि में सबसे अधिक थी।

ख. घरेलू उत्पादन के संबंध में आयात

77. पिछले वर्षों में घरेलू उत्पादन के संबंध में आयात में वृद्धि के बारे में जानकारी नीचे दी गई है।

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
कोरिया गणराज्य से आयात	मी. ट.	6,484	16,371	35,203	42,157
अन्य देशों से आयात	मी. ट.	1,187	2,574	1,134	2,532
भारतीय उत्पादन	मी. ट.	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	188	252
भारतीय उत्पादन के संबंध में आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	237	286	257

78. यह देखा गया है कि जांच अवधि के दौरान भारतीय उत्पादन के संबंध में आयात \*\*\*% से बढ़कर \*\*\*% हो गया है। यह नोट किया गया है कि भारतीय उत्पादन के संबंध में आयात 2023-24 तक बढ़ गया है और सबसे हाल की अवधि में इसमें 10% की गिरावट आई है। आवेदक ने प्रस्तुत किया है कि यह देश में दो अन्य घरेलू उत्पादकों के उत्पादन शुरू होने के परिणामस्वरूप कुल भारतीय उत्पादन में वृद्धि के कारण है। हाल के समय में इस तरह की गिरावट के बावजूद, आयात की हिस्सेदारी 2021-22 की तुलना में 157% बढ़ गई है।

ग। सीमा शुल्क हटाने के कारण आयात में वृद्धि

79. महानिदेशक यह भी जांच करेंगे कि क्या आयात में वृद्धि सीमा शुल्क के उन्मूलन के कारण हुई है। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, यह आवश्यक नहीं है कि सीमा शुल्क के उन्मूलन के तुरंत बाद आयात में वृद्धि हो। महानिदेशक को यह जांच करने की आवश्यकता है कि क्या केवल तभी ऐसी कमी या उन्मूलन एक कारण है जो आयात में वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस संबंध में महानिदेशक ने निम्नानुसार उल्लेख किया है।

क. संबद्ध देश से आयात की पहुंच कीमत अन्य देशों से आयात की कीमत से काफी कम है।

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
कोरिया गणराज्य से आयात	₹/मी. ट.	1,44,732	1,27,376	1,17,407	1,17,398
अन्य देशों से आयात	₹/मी. ट.	1,57,104	1,22,807	1,23,389	1,21,137

ख. संबद्ध आयात की कीमत वर्तमान शुल्क स्तर पर घरेलू उद्योग की कीमतों से कम है। सबसे हाल की अवधि के दौरान, घरेलू उद्योग को संबद्ध आयात की आयात कीमतों से निकटता से मेल खाने के लिए मजबूर किया गया है।

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
कोरिया गणराज्य से आयात	₹/मी. ट.	1,44,732	1,27,376	1,17,407	1,17,398
घरेलू उद्योग की कीमतें	₹/मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	83	76

ग. यदि आयात की कीमतों की तुलना पायल समूह द्वारा आपूर्ति किए गए घरेलू उत्पादों की कीमतों से की जाए तो भी यही रुझान देखे जाते हैं।

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
कोरिया गणराज्य से आयात	₹/मी. ट.	1,44,732	1,27,376	1,17,407	1,17,398

पायल ग्रुप की कीमतें	₹/मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	85	78

- घ. इससे घरेलू उत्पाद और अन्य देशों से आयात की तुलना में संबंधित देशों से आयात की मांग बढ़ गई है।
- ड.. हालाँकि, यदि सीमा शुल्क में छूट नहीं दी गई होती, तो सभी वर्षों में, 2023-24 को छोड़कर, संबद्ध आयात की कीमत घरेलू उद्योग और अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्री कीमत से अधिक होती। इसके अलावा, संबद्ध आयात की कीमत अन्य देशों से आयात की पहुंच कीमत से अधिक है, जो 2021-22 में ऐसी कीमत से थोड़ी कम है।

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
कोरिया गणराज्य से आयात (यदि सीमा शुल्क जोड़ा गया हो)	₹/मी. ट.	1,56,67 2	1,37,884	1,27,093	1,27,083
घरेलू उद्योग की कीमतें	₹/मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	83	76
पायल ग्रुप की कीमतें	₹/मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	89	85	78
अन्य देशों से आयात	₹/मी. ट.	157,104	122,807	123,389	121,137

80. इस प्रकार, यह नोट किया गया है कि सीमा शुल्क के उन्मूलन ने कोरिया गणराज्य से आयात में वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे घरेलू आपूर्ति की तुलना में अन्य आयात की कीमतें अधिक आकर्षक हो गई हैं।
81. हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि मांग में वृद्धि के कारण आयात में वृद्धि हुई है। यह ध्यान दिया जाता है कि मांग में 262% की वृद्धि हुई है, जबकि संबद्ध आयात में 550% की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, देश में क्षमता में वृद्धि के बावजूद, देश में आयात में वृद्धि, मांग में वृद्धि की तुलना में तेज गति से जारी है, जिससे घरेलू उत्पाद की मांग कम हो रही है। महानिदेशक ने उल्लेख किया कि भारत में क्षमता संबद्ध वस्तुओं की मांग से कहीं अधिक है। घरेलू उद्योग की क्षमता स्वयं \*\*\* एमटी है, जो स्वयं पूरी मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। इसके अलावा, आयात में वृद्धि केवल संबद्ध देश से है और सभी देशों से नहीं। इस प्रकार आयात में वृद्धि, भारत और कोरिया गणराज्य के बीच सीईपीए के अनुसरण में किए गए दायित्वों के कारण है।

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
कोरिया गणराज्य से आयात	मी. ट.	6,484	16,371	35,203	42,157
अन्य देशों से आयात	मी. ट.	1,187	2,574	1,134	2,532

घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	131	260	253
अन्य उत्पादकों की बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	69	94	268
मांग	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	150	281	362

82. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि विभिन्न कारणों से घरेलू उद्योग के बंद होने और घरेलू उत्पादकों की गुणवत्ता वाले उत्पादों की आपूर्ति करने में असमर्थता के कारण आयात में वृद्धि हुई है। यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग को हाल की अवधि के दौरान कच्चे माल की कमी और उत्पाद मिश्रण में बदलाव के कारण किसी भी प्रकार के शट डाउन का सामना नहीं करना पड़ा। इसके अलावा, घरेलू उद्योग की क्षमता \*\*\* एमटी है, जो भारत में मांग से बहुत अधिक है। इसलिए, यह नहीं माना जा सकता कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पाद की आपूर्ति करने में असमर्थता के कारण आयात में वृद्धि हुई है। उत्पाद की गुणवत्ता के संबंध में, यह नोट किया गया है कि इस अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री में भी वृद्धि हुई है। यह इंगित करता है कि घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद की गुणवत्ता ग्राहकों द्वारा स्वीकार की जा रही है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने अपने उपयोगकर्ताओं से लिखित संचार प्रदान किया है, जो इसकी गुणवत्ता की गवाही देता है।
83. जहां तक यह दलील है कि आयात में वृद्धि डी ई एच सी एच के उत्पादन की कमी के कारण हुई है, महानिदेशक नोट करते हैं कि डी ओ टी पी ने घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बेचा गया डी ई एच सी एच आयातित देश से आयातित डी ई एच सी एच के प्रतिस्थापन योग्य है और दोनों को एक ही उपभोक्ताओं द्वारा खरीदा जाता है और एक ही उद्देश्य के लिए परस्पर उपयोग किया जाता है। इस प्रकार, आयात में वृद्धि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद के लिए जिम्मेदार नहीं है।
84. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि कोरिया गणराज्य से भारत में निर्यात अन्य देशों को कोरिया गणराज्य से निर्यात के साथ तालमेल में चला है। पक्षकारों ने ऐसी प्रवृत्ति को दिखाने का दावा करते हुए आंकड़ों भी प्रस्तुत किया है। महानिदेशक नोट करते हैं कि ऐसा कोई कानूनी प्रावधान नहीं है जिसके लिए किसी देश से भारत में आयात के साथ तुलना की आवश्यकता हो। किसी भी मामले में, अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों के आधार पर, भारत में आयात अन्य देशों को निर्यात की तुलना में बहुत तेज गति से बढ़ा है। इसके अलावा, अकेले कोरिया गणराज्य से भारत में निर्यात अन्य सभी देशों के कोरियाई निर्यात से अधिक है।

विवरण	इकाई	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
तीसरे देशों को आयात मात्रा	मी. ट.	6,466	7,338	11,865	15,383	29,662	26,209
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	183	238	459	405
भारत को आयात मात्रा	मी. ट.	5,485	6,811	6,405	16,912	31,530	39,860
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	124	117	308	575	727

कुल आयात	मी. ट.	11,951	14,149	18,270	32,295	61,192	66,069
भारत का हिस्सा	%	46%	48%	35%	52%	52%	60%

\* पॉली मेडिक्योर लिमिटेड द्वारा उपलब्ध कराए गए ट्रेड मैप आंकड़ों के अनुसार

85. इस प्रकार, यह देखा गया है कि जांच अवधि के दौरान कोरिया गणराज्य से आयात में पूर्ण रूप से और साथ ही भारतीय उत्पादन के संबंध में, दोनों ही मामलों में वृद्धि हुई है। इसके अलावा, आयात में यह वृद्धि भारत और कोरिया गणराज्य के बीच हुए समझौते के तहत दी गई रियायतों के अनुसरण में सीमा शुल्क को समाप्त किए जाने का परिणाम है।

### झ. क्षति और कारणात्मक संबंध

#### झ.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

86. क्षति और कारणात्मक संबंध के संबंध में अन्य हितधारक पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. आवेदक द्वारा प्रदान किए गए आंकड़े क्षति विश्लेषण के लिए वस्तुनिष्ठ नहीं है, क्योंकि आवेदक डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच के लिए अलग-अलग प्रदर्शन आंकड़ों प्रदान करने में विफल रहा है। आवेदन मुख्य रूप से डी ओ टी पी पर केंद्रित है, न कि डी ई एच सी एच पर। उत्पादवार आयात मात्रा, कीमत कटौती, बाजार हिस्सा, कीमत ह्रास/न्यूनीकरण और घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंडों की जांच करने की आवश्यकता है।
- ii. हालांकि घरेलू उद्योग के कुछ मापदंडों में गिरावट आई है, वहीं अन्य स्थिर रहे हैं या उनमें सुधार हुआ है।
- iii. यह दिखाने के लिए कोई जानकारी नहीं दी गई है कि आयात उस दर से बढ़ने की संभावना है जिससे कोई आसन्न गंभीर क्षति हो सकती हो।
- iv. आयात की कीमतें वैश्विक कीमत प्रवृत्तियों के अनुरूप रही हैं, जिसमें 2022-23 में वैश्विक अधिशेष आपूर्ति और कम फीडस्टॉक लागत के कारण आई गिरावट भी शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप घरेलू कीमतों में भी गिरावट आई। इस प्रकार, कीमत कटौती स्थिर नहीं है, बल्कि लागत की स्थितियों पर निर्भर करती है।
- v. कोरिया से आयात का संकेन्द्रण भी क्षतिरहित व्यापारिक व्यवहार के बजाय वैश्विक आपूर्ति की गतिशीलता को दर्शाता है, क्योंकि डी ई एच सी एच के लिए विशेष स्वामित्व वाली तकनीक की आवश्यकता होती है जो केवल हान्वहा के पास उपलब्ध है।
- vi. अन्य देशों से आयात की कीमतें कोरिया से आयात की कीमतों की तुलना में अधिक हैं, जो यह दर्शाता है कि कीमत कटौती सभी आयातों के कारण नहीं हो रही है।
- vii. कोरिया से आयात की पहुंच कीमत अन्य देशों से आयात की पहुंच कीमत की तुलना में कम है; यह स्थिति 2021-22 में भी बनी हुई थी, जबकि उस समय घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं पहुंची थी।

- viii. कोरिया से आयात की पहुंच कीमत में आई गिरावट, अन्य देशों से आयात की पहुंच कीमत में आई गिरावट की तुलना में कम है।
- ix. कोरिया गणराज्य के उत्तर देने वाले उत्पादकों की प्रतिक्रियाएं यह दर्शाती हैं कि निर्यात कीमतों में की गई कमी का मुख्य कारण बिक्री की लागत में हुई तदनुरूपी कमी थी।
- x. कीमत कटौती की स्थिति सुसंगत नहीं है, और परिणामस्वरूप, कीमत ह्रास और न्यूनीकरण की बात को स्थापित नहीं किया जा सकता है।
- xi. बिक्री की लागत में कमी के कारण कोरिया से आयात की कीमत कम हो गई है।
- xii. डी ई एच सी एच की कीमत डी ओ टी पी से 10% ज़्यादा है, जिससे पता चलता है कि यह एक बेहतर उत्पाद है और डी ओ टी पी की जगह इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। इतना महंगा उत्पाद घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबाव नहीं डाल सकता।
- xiii. उत्पादन और बिक्री में बढ़ोतरी, क्षति के दावों के विपरीत है। हाल के समय में नुकसान का जो दावा किया गया है, वह नए उत्पादकों के आने और लागत से जुड़े दूसरे कारणों की वजह से है।
- xiv. घरेलू उद्योग की बिक्री 2023-24 तक मांग में बढ़ोतरी के हिसाब से बढ़ी है, और 2024-25 में इसमें सिर्फ इसलिए कमी आई क्योंकि भारत में दूसरे उत्पादकों की बिक्री बढ़ गई थी।
- xv. नए उत्पादकों के आने से बाज़ार खुद-ब-खुद स्थिर हो जाएगा, क्योंकि उत्पादन क्षमता मांग के बराबर हो जाएगी।
- xvi. घरेलू उद्योग का बाज़ार हिस्सा इसलिए कम हुआ है, क्योंकि भारत में दूसरे उत्पादकों का बाज़ार हिस्सा बढ़ गया है।
- xvii. आबद्ध खपत में भी काफी बढ़ोतरी हुई है, जिससे पता चलता है कि आवेदक के डाउनस्ट्रीम सेगमेंट की मांग बढ़ रही है।
- xviii. मालसूची में बढ़ोतरी की वजह नए उत्पादकों का आना, इस उत्पाद के लिए एक खास संयंत्र शुरू करना और घरेलू बिक्री में बढ़ोतरी हो सकती है। आवेदक की घरेलू बिक्री, मालसूची में हुई बढ़ोतरी से कहीं ज़्यादा बढ़ी है।
- xix. जांच की अवधि के दौरान उपयोगिता की लागत बढ़ गई है। हालाँकि, केएलजे के वित्तीय बयानों से पता चलता है कि बिजली और कोयले की खपत में 30-40% की कमी आई है। ऐसे दावों की पुष्टि की जानी चाहिए।
- xx. जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मूल्यह्रास लागत बढ़ गई है, जबकि उत्पादन क्षमता में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।
- xxi. 2023-24 में घरेलू उद्योग का लाभ बढ़ गया, क्योंकि उसने कच्चे माल की लागत में कमी के हिसाब से अपनी कीमतें कम नहीं कीं; इससे ज्ञात होता है कि उसकी कीमतें आयात से स्वतंत्र हैं।
- xxii. नियोजित पूंजी पर आय 2023-24 तक सकारात्मक बना रहा, लेकिन 2024-25 के दौरान गिरकर 3 पर पहुँच गया।

- xxiii. गंभीर क्षति का कोई साक्ष्य नहीं है, क्योंकि न तो पूरे उद्योग में काम बंद होने का कोई प्रमाण है, न ही ढांचागत दिवालियापन का, न ही उत्पादन में लगातार गिरावट का, और न ही परिचालन से जुड़े सभी पैमानों पर व्यापक गिरावट का।
- xxiv. समायोजन योजना में कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए कई योजनाएँ बताई गई हैं, जिससे यह ज़ाहिर होता है कि उद्योग को जो नुकसान हुआ है, उसकी वजह कार्यकुशलता में कमी है।
- xxv. घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति अन्य कारकों के कारण है, जैसे कि कच्चे माल के आयात पर पाटनरोधी शुल्क, घरेलू खपत में वृद्धि, आंतरिक परिचालन संबंधी मुद्दे, इनपुट लागत में उतार-चढ़ाव और आपसी प्रतिस्पर्धा। चूंकि वर्ष 2017-18 से 2021-22 तक किसी भी प्रकार की क्षति का दावा नहीं किया गया है, अतः इससे यह स्पष्ट होता है कि 'मूल सीमा शुल्क' को समाप्त किया जाना घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का कारण नहीं है।
- xxvi. अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, उपाय तभी लागू किए जा सकते हैं जब किसी पक्ष से होने वाला आयात "अकेले" ही गंभीर क्षति का एक मुख्य कारण हो। यह जांचना आवश्यक है कि क्या घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति पूरी तरह और विशेष रूप से कोरिया से होने वाले आयात में वृद्धि के कारण है।
- xxvii. टैरिफ रियायतें क्षति का एक मुख्य कारण होनी चाहिए, न कि अनेक कारणों में से केवल एक।
- xxviii. इनमें कोई कारणात्मक संबंध नहीं है, क्योंकि वर्ष 2023-24 में आयात में सबसे अधिक वृद्धि हुई थी, लेकिन इसी अवधि में घरेलू उद्योग के लाभ में 98% की वृद्धि हुई। इस अवधि के दौरान, कोरिया से आयात की कीमतें घरेलू उद्योग की बिक्री लागत में आई कमी के समानांतर ही कम हुईं। जबकि वर्ष 2024-25 में आयात में थोड़ी वृद्धि हुई और आयात की कीमतों में कोई खास कमी नहीं आई, तब घरेलू उद्योग को क्षति उठानी पड़ी।
- xxix. चूंकि घरेलू उद्योग ने घरेलू बाजार में डी ई एच सी एच की बिक्री नहीं की है, इसलिए इस उत्पाद के आयात से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं पहुंच सकती।
- xxx. क्षति का कारण घरेलू उद्योग की लागत संरचनाएं हैं; क्योंकि 2022-23 में वैश्विक कीमतें कम होने के बावजूद, घरेलू उद्योग की बिक्री लागत में वृद्धि हुई है।
- xxxi. क्षति का कारण कच्चे माल की कीमतों में अस्थिरता, वैश्विक स्तर पर प्लास्टिसाइज़र की अतिरिक्त उत्पादन क्षमता और विनिमय दर में होने वाले उतार-चढ़ाव हैं; जिनका प्रभाव पहुंच कीमत, कीमतों की तुलनात्मकता, प्रतिस्पर्धी स्थिति और ब्याज लागत पर पड़ा है।

## झ.2. घरेलू उद्योग के विचार

87. घरेलू उद्योग द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- i. घरेलू उद्योग अपनी बिक्री की मात्रा को केवल अपनी कीमतें कम करके ही बनाए रख पाया है, ताकि वह शुल्क-मुक्त आयात की भारी मात्रा से प्रतिस्पर्धा कर सके। इसके कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है।

- ii. संबद्ध आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों को कम कर दिया है, भले ही घरेलू उद्योग ने अपनी बिक्री कीमतें कम की हों और संबंधित वस्तुओं को अपनी लागत से भी कम कीमतों पर बेचा हो।
- iii. संबद्ध आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों पर भारी दबाव डाला है। वर्ष 2022-23 में, बिक्री की लागत में मामूली वृद्धि हुई, जबकि बिक्री कीमतों में 13% की गिरावट आई। वर्ष 2023-24 में, बिक्री की लागत और बिक्री कीमतें, दोनों में ही गिरावट आई। वर्ष 2024-25 में स्थिति और भी खराब हो गई, क्योंकि बिक्री की लागत में केवल 1% की गिरावट आई, जबकि बिक्री कीमतों में 8% की गिरावट दर्ज की गई।
- iv. वर्ष 2022-23 से, आयातित वस्तु की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से कम बनी रही है। निर्यातकों द्वारा कम कीमतें रखे जाने के कारण आयात की मात्रा में वृद्धि हुई है। कम कीमतों पर होने वाले आयात में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग के प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।
- v. घरेलू उद्योग का उत्पादन और बिक्री, मांग के अनुरूप बढ़ने में विफल रहे हैं। जहाँ एक ओर उत्पादन में केवल 2% की वृद्धि हुई है, वहीं दूसरी ओर हाल के समय में बिक्री में 3% की गिरावट आई है।
- vi. क्षति उठाकर बिक्री के बावजूद भी, घरेलू उद्योग अपना बाजार हिस्सा बढ़ाने में असमर्थ रहा है और उसे अपना उत्पादन कम करने के लिए विवश होना पड़ा है। उत्पादन में यह कटौती तब भी की गई है, जब संबंधित उत्पाद की मांग में 247% की भारी वृद्धि हुई है।
- vii. घरेलू उद्योग की मालसूची में 95% की वृद्धि हुई है और हाल के समय में यह अपने उच्चतम स्तर पर पहुँच गया है। यह वही समय-अवधि भी है, जब घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतें पिछले चार वर्षों में अपने न्यूनतम स्तर पर बनी रही हैं।
- viii. वर्ष 2022-23 में, घरेलू उद्योग का समस्त लाभ पूरी तरह से समाप्त हो गया था, किंतु अगले वर्ष कच्चे माल की लागत में आई गिरावट के कारण लाभ में पुनः वृद्धि हुई। हालाँकि, आयात की कीमतें और गिर गई और घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से नीचे चली गई, जिसके कारण जाँच की अवधि में उसे नुकसान उठाना पड़ा।
- ix. हालाँकि क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कच्चे माल की लागत में कमी आई है, लेकिन बिक्री कीमत और कच्चे माल की लागत के बीच का अंतर काफी कम हो गया है।
- x. घरेलू उद्योग को अपने ग्राहक आधार को बनाए रखने के लिए नुकसान पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इससे वित्तीय स्थिति और नकदी प्रवाह में गिरावट आई है। जाँच की अवधि में नकद लाभ में 108% की गिरावट आई है और सबसे हाल की अवधि में यह नुकसान में बदल गया है।
- xi. जाँच की अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा नियोजित पूंजी पर आय में 103% की गिरावट आई है। घरेलू उद्योग ने सबसे हाल की अवधि में नकारात्मक प्रतिफल दर्ज किया है।
- xii. वर्ष 2022-23 में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता बहुत कम थी, क्योंकि लागत बढ़ने के बावजूद आयात की कीमतें गिर गईं। हालाँकि 2023-24 में लागत में कमी आई, लेकिन घरेलू उद्योग ने

- इस अवधि में अपनी कीमतें कम नहीं कीं, जिससे उसे लाभ कमाने का मौका मिला। इसका परिणाम यह हुआ कि संबद्ध देश से कम कीमत वाले आयातों में भारी वृद्धि हुई। इस अवधि में संबंधित आयात सबसे अधिक थे।
- xiii. रियायतों के अभाव में, कोरिया गणराज्य से आयात की कीमतें घरेलू उद्योग की बिक्री लागत और बिक्री कीमत से ऊपर होतीं।
- xiv. यह तर्क कि दोनों उत्पादों की क्षति के आकलन को मिलाने से एक की क्षति का श्रेय दूसरे को दिए जाने का जोखिम होगा, अतार्किक है, क्योंकि दोनों उत्पाद सीधे तौर पर प्रतिस्पर्धी हैं। इसके अलावा, पीसीएन-वार क्षति के मामलों में भी, महानिदेशक केवल पीसीएन आधार पर कीमत कटौती, क्षति के मार्जिन और पाटन का निर्धारण करते हैं और एक समेकित क्षति आकलन करते हैं।
- xv. क्षति का निर्धारण विचाराधीन उत्पाद के संदर्भ में घरेलू उद्योग के प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है, न कि विचाराधीन उत्पाद के प्रकार के संदर्भ में।
- xvi. अन्य हितबद्ध पक्षकार बिना किसी कानूनी आधार के क्षति के लिए अतिरिक्त मानदंड नहीं बना सकते हैं। क्षति का निर्धारण परिभाषित घरेलू उद्योग के लिए किया जाना है, न कि भारतीय उद्योग के लिए।
- xvii. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों के विपरीत, आवेदक ने दावा किया है कि वर्तमान जाँच में आयातों ने घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति पहुँचाई है, न कि गंभीर क्षति का खतरा पैदा किया है। यह दिखाने की कोई आवश्यकता नहीं है कि आयात में बढ़ोतरी से आगे और नुकसान होने की संभावना है, या भविष्य में गंभीर नुकसान का खतरा है।
- xviii. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई दलीलों के विपरीत, यह मौजूदा जाँच डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच से संबंधित है, और कोरिया गणराज्य से डी ओ पी के आयात पर भरोसा नहीं किया जा सकता।
- xix. हालाँकि वर्ष 2017 में शुल्क हटा दिए गए थे, फिर भी वर्ष 2022-23 तक आयात में बढ़ोतरी नहीं हुई, और इसलिए, इससे घरेलू उद्योग को कोई नुकसान नहीं पहुँचा। घरेलू उद्योग 2021-22 में लाभ में था, और इसलिए, यह नहीं कहा जा सकता कि कोरिया से शून्य-शुल्क आयात के कारण उत्पादन शुरू करना एक गलत फैसला था।
- xx. यह दावा कि घरेलू उद्योग ने शुल्क हटाए जाने के बाद उत्पादन शुरू किया, तथ्यात्मक रूप से गलत है।
- xxi. अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्री घरेलू उद्योग की बिक्री से कम है। घरेलू उद्योग की बिक्री में गिरावट अन्य उत्पादकों के कारण नहीं हुई है।
- xxii. घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी संबंधित देश से आयात के कारण कम हुई है, न कि अन्य उत्पादकों की हिस्सेदारी बढ़ने के कारण। कुल भारतीय उद्योग की बाजार हिस्सेदारी कम हुई है, जबकि संबंधित आयातों की बाजार हिस्सेदारी बढ़ी है।

- xxiii. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के दावों के विपरीत, घाटे में बिक्री करने के बावजूद घरेलू उद्योग की मालसूची में बढ़ोत्तरी हो गयी है। इसके अलावा, मालसूची में यह वृद्धि बिक्री में वृद्धि के कारण नहीं है, जैसा कि क्लोजिंग स्टॉक में वृद्धि से स्पष्ट है।
- xxiv. घरेलू उद्योग को हुई क्षति संबंधित वस्तुओं के आयात में वृद्धि के कारण है। घरेलू उद्योग को 2022-23 तक कोई क्षति नहीं हुई थी, क्योंकि सीमा शुल्क हटाए जाने के तुरंत बाद आयात में वृद्धि नहीं हुई थी।
- xxv. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के दावों के विपरीत, यह क्षति कच्चे माल के आयात पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के कारण नहीं है। इस शुल्क ने भारतीय उद्योग को कोरियाई उद्योग के समकक्ष ला खड़ा किया है, क्योंकि कोरिया गणराज्य से आयातित कच्चे माल की कीमतें अब कोरिया गणराज्य के घरेलू बाजार में कच्चे माल की कीमतों के तुलनीय हैं।
- xxvi. मांग में वृद्धि को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता है।
- xxvii. चूंकि व्यवसाय के सामान्य क्रम में संबंधित वस्तुओं की कीमतें कच्चे माल की कीमतों के अनुरूप बदलती हैं, इसलिए कच्चे माल की कीमतों में होने वाले बदलावों को क्षति का मापदंड नहीं माना जा सकता है।
- xxviii. ऐसी कोई परिचालन संबंधी समस्या नहीं है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति पहुंची हो।
- xxix. आपसी प्रतिस्पर्धा के कारण कोई क्षति नहीं हुई है, क्योंकि अन्य घरेलू उत्पादकों को भी क्षति का सामना करना पड़ा है।
- xxx. यह क्षति घरेलू उद्योग द्वारा किए गए 'कैप्टिव उपभोग' (स्वयं के उपयोग) के कारण नहीं है, क्योंकि कुल उत्पादन और बिक्री की तुलना में यह मात्रा बहुत कम है।
- xxxi. आयात कीमतों में गिरावट बिक्री की लागत में कमी के कारण नहीं है, क्योंकि आयात कीमतों में गिरावट, बिक्री की लागत में हुई गिरावट की तुलना में कहीं अधिक है।
- xxxii. संबंधित आयातों की पहुंच कीमत उन आयातों की पहुंच कीमत से कम है जो असंबद्ध देशों से किए जाते हैं। यदि घरेलू उद्योग ने उन कीमतों पर बिक्री की होती जो अन्य देशों द्वारा पेश की जा रही थीं, तो उसे लाभ प्राप्त हुआ होता।
- xxxiii. घरेलू उद्योग की लागत अंतर्राष्ट्रीय लागतों के अनुरूप है।
- xxxiv. भारत में कीमतें, आयातित वस्तुओं की पहुंच कीमत में गिरावट के कारण कम हुई हैं। भारत में कीमतें आयातित वस्तुओं के कीमत रुझानों का अनुसरण करती हैं, क्योंकि भारत के बाजार में उनका हिस्सा सबसे अधिक है।
- xxxv. अन्य पक्षकारों के दावों के विपरीत, यद्यपि कुल उपयोगिता लागतों में वृद्धि हुई है, फिर भी उत्पादन में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग की प्रति इकाई उपयोगिता लागत में कमी आई है।
- xxxvi. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मूल्यहास लागत में वृद्धि नहीं हुई है। प्रदान की गई जानकारी का सत्यापन महानिदेशक द्वारा किया जा सकता है।

- xxxvii. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह स्पष्ट रूप से नहीं बताया है और न ही इसकी मात्रा निर्धारित की है कि आयात के अलावा अन्य किन कारकों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति पहुंची है। अन्य हितबद्ध पक्षों के लिए यह आवश्यक है कि वे ऐसे कारकों की पहचान करें, उनके अस्तित्व को सिद्ध करें और घरेलू उद्योग पर ऐसे कारकों के प्रभाव की मात्रा निर्धारित करें।
- xxxviii. इस उत्पाद के लिए कीमत निर्धारण की रणनीति बाज़ार में प्रचलित कीमतों पर निर्भर करती है, जो काफी हद तक आयातित वस्तुओं द्वारा निर्धारित होती है। अतः, घरेलू उद्योग को पहुंची क्षति का कारण आयातित वस्तुओं की कीमतें ही हैं।
- xxxix. चूंकि घरेलू उद्योग ने संबंधित वस्तुओं की बिक्री मुख्य रूप से घरेलू बाज़ार में ही की है, इसलिए विनिमय दर में होने वाले उतार-चढ़ाव का इस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

### झ.3. महानिदेशक द्वारा जांच

88. महानिदेशक ने वर्तमान जांच परिणामों में प्रस्तुत अभ्यावेदनों की जांच की है और उन पर विचार किया है। गंभीर क्षति और कारणात्मक संबंध से संबंधित नीचे दी गई जांच, सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदनों से संबंधित है। इस संबंध में निम्नलिखित प्रावधान प्रासंगिक हैं।

"नियम 2(च) "गंभीर क्षति" का मतलब है घरेलू उद्योग की स्थिति में कुल मिलाकर एक बड़ी गिरावट;

नियम 2(छ): "गंभीर क्षति का खतरा" का मतलब है गंभीर क्षति जो, सिर्फ आरोप, अंदाज़े या दूर की संभावना के आधार पर नहीं, बल्कि तथ्यों के आधार पर, साफ़ तौर पर होने वाली है; और

...

नियम 7 गंभीर क्षति या गंभीर क्षति के खतरे का निर्धारण-

*महानिदेशक अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति अथवा गंभीर क्षति का खतरा निर्धारित करेंगे, यथा:-*

(क) महानिदेशक पूर्ण दृष्टि से और सापेक्ष दृष्टि से मूल देश के सामान के आयातों में वृद्धि की दर तथा मात्रा, मूल के सामान के बढ़े हुए आयातों द्वारा लिए गए घरेलू बाज़ार के हिस्से, बिक्री, उत्पादन, उत्पादकता, क्षमता उपयोग, लाभ और हानि तथा रोजगार के स्तर में परिवर्तन को विशेष रूप से उस उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले वस्तुपरक एवं मात्रात्मक सभी संगत कारकों का मूल्यांकन करेंगे; और

(ख) इस नियम के तहत निर्धारण तब तक नहीं किया जाएगा जब तक जांच वस्तुपरक साक्ष्य के आधार पर मूल देश के सामान के बढ़े हुए आयातों तथा उसकी गंभीर क्षति अथवा खतरे के बीच कारणात्मक संपर्क की मौजूदगी न दर्शाए और जब मूल देश के सामान के बढ़े हुए आयातों को छोड़कर कोई अन्य कारक साथ ही घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहे हों तो वह क्षति मूल देश के सामानों के बढ़े हुए आयातों के कारण नहीं होगी।

89. महानिदेशक ने उपरोक्त प्रावधानों के आलोक में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच की है।

90. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने डी ओ टी पी और डी ई एच सी एच के लिए अलग-अलग क्षति विश्लेषण का अनुरोध किया है। महानिदेशक ने उल्लेख किया है कि दोनों उत्पाद विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल हैं और ऊपर दिए गए संबंधित अनुभाग में विस्तृत रूप से बताए अनुसार सीधे प्रतिस्पर्धी उत्पाद हैं। यह विश्लेषण किया गया है कि दोनों उत्पादों की कीमतें एक साथ हैं। इसके अलावा, यह नोट किया गया है कि दोनों उत्पादों के ग्राहक सामान्य हैं और उक्त उत्पादों का परस्पर उपयोग करते हैं। इस प्रकार, अलग से क्षति विश्लेषण करने की कोई आवश्यकता नहीं है। वर्तमान जांच में क्षति विश्लेषण घरेलू उद्योग के प्रदर्शन और विचारधीन उत्पाद के आयात के समग्र प्रभाव के संबंध में किया गया है। यह भी ध्यान दिया जाता है कि पाटनरोधी जांच में भी, जिसमें महानिदेशक द्वारा अलग-अलग पीसीएन बनाए जाते हैं, विचाराधीन उत्पाद के लिए समग्र रूप से क्षति विश्लेषण करने की आवश्यकता होती है।

91. गंभीर क्षति का विश्लेषण करते समय, नियमों में उल्लिखित सभी कारकों के साथ-साथ अन्य कारकों को भी ध्यान में रखा गया है, जिन्हें महानिदेशक के ध्यान में लाया गया है और जिन्हें गंभीर क्षति के निर्धारण के लिए प्रासंगिक माना गया है। इस प्रकार गंभीर क्षति का निर्धारण उस उद्योग की स्थिति पर असर डालने वाले सभी प्रासंगिक कारकों के आलोक में घरेलू उद्योग की समग्र स्थिति के मूल्यांकन पर आधारित है।

### झ. निरपेक्ष और सापेक्षिक रूप से आयात में वृद्धि की दर

92. जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, जांच की अवधि में आयात में 550% की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, दो नए उत्पादकों के बाजार में प्रवेश करने के बावजूद, उत्पादन के संबंध में भी आयात में वृद्धि हुई है। कुल आयात में आयात की हिस्सेदारी 2021-22 में 85% से बढ़कर 2024-25 में 94% हो गई है।

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
कोरिया गणराज्य से आयात	मी. ट.	6,484	16,371	35,203	42,157
अन्य देशों से आयात	मी. ट.	1,187	2,574	1,134	2,532
भारतीय उत्पादन	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	188	252
भारतीय उत्पादन के संबंध में आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	237	286	257
कुल आयात के संबंध में आयात	%	85%	86%	97%	94%

### ii. कीमत में कटौती

93. यह नोट किया गया है कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, संबद्ध आयात की कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है और कीमत में कटौती मामूली रूप से सकारात्मक है। इसलिए, घरेलू उद्योग हाल की अवधि के दौरान आयातित माल की कीमतों के साथ निकटता से प्रतिस्पर्धा कर रहा है।

विवरण	इकाई	2024-25
निवल बिक्री प्राप्ति	₹/मी. ट.	***

पहुंच कीमत	₹/मी. ट.	1,17,398
कीमत कटौती	₹/मी. ट.	***
कीमत कटौती	%	***
कीमत कटौती	रेंज	0-10%

94. इस संबंध में कि कोरिया आरपी से अन्य देशों के संबंध में आयात कीमतों की भी जांच की जानी चाहिए, महानिदेशक नोट करते हैं कि संबद्ध आयात की पहुंच कीमत गैर-संबद्ध आयात के पहुंच कीमत से कम है। इसके अलावा, जबकि संबद्ध आयात ने हाल की अवधि में घरेलू उद्योग की कीमतों को कम कर दिया है, गैर-संबद्ध आयात के मामले में कीमत कटौती नकारात्मक है।

विवरण	इकाई	2024-25
निवल बिक्री प्राप्ति	₹/मी. ट.	***
कोरिया गणराज्य से पहुंच कीमत	₹/मी. ट.	1,17,398
कीमत कटौती – कोरिया गणराज्य	₹/मी. ट.	***
कीमत कटौती	%	***
कीमत कटौती	रेंज	0-10%
अन्य देशों से पहुंच कीमत		1,21,137
कीमत कटौती – अन्य देश	₹/मी. ट.	***
कीमत कटौती – अन्य देश	%	***
प्रवृत्ति	रेंज	नकारात्मक

### कीमत ह्रास/न्यूनीकरण

95. महानिदेशक आगे यह नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की विक्रय लागत तथा विक्रय मूल्य दोनों में गिरावट आई है, किन्तु घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य में गिरावट, विक्रय लागत में हुई गिरावट से भी अधिक रही है। जहाँ विक्रय लागत में 10% की कमी हुई, वहीं विक्रय मूल्य में 24% की कमी दर्ज की गई। वर्ष 2022-23 के दौरान भी, जब घरेलू उद्योग की विक्रय लागत में वृद्धि हुई थी, तब भी घरेलू industry को अपनी कीमतें कम करने के लिए विवश होना पड़ा। वर्ष 2023-24 में विक्रय लागत में कमी आई, जिसके साथ घरेलू उद्योग को भी अपनी कीमतों में कमी करनी पड़ी। तथापि, नवीनतम अवधि अर्थात् 2024-25 में, घरेलू उद्योग को अपनी कीमतों में 8% की कमी करनी पड़ी, जबकि विक्रय लागत में केवल 2% की कमी हुई। यह देखा गया है कि इस अवधि के दौरान आयातों की लैंडेड कीमत में भी गिरावट आई है, और घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें आयात कीमतों के स्तर तक कम करने के लिए बाध्य होना पड़ा। अतः, विचाराधीन आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों को दबाया तथा उनमें अवसाद उत्पन्न किया है। यही प्रवृत्ति तब भी देखी जाती है जब तुलना कुल विक्रय लागत के स्थान पर कच्चे माल की लागत के साथ की जाती है।

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
बिक्री की लागत	₹/मी. ट.	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	92	90
कच्ची सामग्री की लागत	₹/मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	88	88
निवल बिक्री प्राप्ति	₹/मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	83	76
पहुंच कीमत	₹/मी. ट.	1,44,732	1,27,376	1,17,407	1,17,398
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	88	81	81

96. जहां तक इस बात का सवाल है कि डी ई एच सी एच एक अधिक कीमत वाला उत्पाद है और ऐसा उत्पाद घरेलू उद्योग पर मूल्य दबाव नहीं डाल सकता है, महानिदेशक नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान डी ई एच सी एच और डी ओ टी पी की पहुंच कीमत समान स्तर पर है।

उत्पाद	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
डी ओ टी पी	₹/मी. ट.	140,694	127,802	116,135	117,619
डी ई एच सी एच	₹/मी. ट.	149,622	126,488	120,683	116,854

#### iv. उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री

97. क्षति की अवधि के दौरान क्षमता, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग का प्रदर्शन निम्नानुसार था:

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
स्थापित क्षमता (संयंत्र)	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
समकक्ष क्षमता पीयूसी)	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
उत्पादन (संयंत्र)	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	73	40	33
पी यू सी को ध्यान में रखते हुए समतुल्य उत्पादन	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	105	98
उत्पादन (पी यू सी)	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	249	254
समकक्ष आधार पर क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	105	99

घरेलू बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	131	260	253
निर्यात बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	126	221
आबद्ध खपत	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	1,496	578

98. घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया है कि उसके संयंत्र का उपयोग सामान्य रिएक्टरों का उपयोग करके थैलेट और गैर-थैलेट-आधारित प्लास्टिसाइज़र के उत्पादन के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा, ऐसे रिएक्टरों द्वारा उत्पादित प्रत्येक उत्पाद को अपनी प्रतिक्रिया के लिए अलग-अलग मशीन घंटों की आवश्यकता होती है। इसलिए, विभिन्न उत्पादों की उत्पादन मात्रा को जोड़कर क्षति की अवधि में क्षमता उपयोग की तुलना नहीं की जा सकती है। ऐसा करने से ऐसी स्थिति उत्पन्न होगी जिसमें पूर्ण रूप से कम उत्पादन के कारण एक अवधि में क्षमता उपयोग कम प्रतीत होगा, भले ही उत्पाद का चक्र समय अधिक होने के कारण संयंत्र को लंबे समय तक चलाया गया हो।
99. इसलिए, इस विश्लेषण के प्रयोजन के लिए, क्षमता को इस आधार पर व्यक्त किया गया है कि यदि मशीन पर केवल संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन किया जाता है, तो चक्र समय को ध्यान में रखते हुए कुल कितनी क्षमता का उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा, अन्य उत्पादों के उत्पादन को संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की समतुल्य इकाइयों में परिवर्तित कर दिया गया है, संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में लगने वाले समय बनाम अन्य उत्पाद पर विचार करते हुए। इसलिए, सभी क्षमता और उत्पादन के आंकड़ों को एक सामान्य आधार पर अंकित किया गया है।
100. महानिदेशक नोट करते हैं कि:
- जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता स्थिर रही है। घरेलू उद्योग की क्षमता वर्तमान मांग से अधिक है।
  - संबंधित वस्तुओं का उत्पादन और घरेलू उद्योग की बिक्री बढ़ी है। घरेलू उद्योग ने यह प्रस्तुत किया है कि घरेलू उद्योग का उत्पादन और बिक्री केवल लाभप्रदता से समझौता करने के कारण ही बढ़ी है। चूंकि संबंधित आयात की कीमतें बिक्री लागत और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम थीं, इसलिए घरेलू उद्योग ने अपने बिक्री मात्रा के मानकों को बनाए रखने के लिए अपनी कीमतें कम कर दीं।
  - क्षमता उपयोग 2023-24 में बेहतर हुआ और सबसे हाल की अवधि के दौरान इसमें गिरावट आई है।
  - घरेलू उद्योग की बिक्री 2023-24 तक बढ़ी है और सबसे हाल की अवधि में इसमें थोड़ी गिरावट आई है।
101. जहां तक यह दलील दी गई है कि घरेलू उद्योग के आबद्ध खपत में काफी वृद्धि हुई है, इसलिए कोई क्षति नहीं है, यह भी नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग का आबद्ध खपत, यहां तक कि अपने उच्चतम स्तर

पर, यानी 2023-24 पर, इसके कुल उत्पादन का केवल 0.92% है और इसकी बिक्री का केवल 2.73% है। यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित अधिकांश उत्पाद मांग को पूरा करने के लिए आपूर्ति की जा रही है और एक नगण्य हिस्सा कैप्टिव रूप से उपभोग किया जा रहा है।

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
आबद्ध खपत	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	1,496	578
उत्पादन	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	249	254
घरेलू बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	131	260	253
आबद्ध के संबंध में					
उत्पादन	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	91	600	227
घरेलू बिक्री	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	85	569	227

#### v. मांग में बाजार हिस्सा

102. इस अवधि में संबद्ध आयात, घरेलू उद्योग और अन्य उत्पादकों की बाजार हिस्सेदारी निम्नानुसार थी।

विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
मांग					
घरेलू उद्योग बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	131	260	253
अन्य उत्पादकों की बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	69	94	268
संबद्ध आयात	मी. ट.	6,484	16,371	35,203	42,157
अन्य आयात	मी. ट.	1,187	2,574	1,134	2,532
मांग	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	150	281	362
बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	93	70
अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	46	33	74

संबद्ध आयात	%	***	***	***	***
अन्य आयात	%	***	***	***	***

103. यह नोट किया गया है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध आयातों की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है। इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग और समग्र रूप से भारतीय उद्योग की बाजार हिस्सेदारी में गिरावट आई है। जांच अवधि में गैर-संबद्ध आयातों की हिस्सेदारी में भी गिरावट आई है।
104. हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि घरेलू बाजार में अन्य उत्पादकों के प्रवेश के कारण घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी में कमी आई है। हालांकि, यह नोट किया गया है कि अन्य भारतीय उत्पादकों की बाजार हिस्सेदारी में भी गिरावट आई है। इसके अलावा, गैर-संबद्ध आयातों की बाजार हिस्सेदारी भी कम हुई है। इस प्रकार, संबद्ध आयातों ने भारतीय उद्योग के साथ-साथ अन्य देशों से होने वाले आयातों की बाजार हिस्सेदारी को भी छीन लिया है।

## vi. मालसूची

105. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूची निम्नानुसार रही थी।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
आरंभिक मालसूची	मी.टन	***	***	***	***
अंतिम मालसूची	मी.टन	***	***	***	***
औसत मालसूची	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	66	83	195
बिक्री मात्रा	सूचीबद्ध	100	131	260	253

106. महानिदेशक नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूची में वृद्धि हुई है और यह सबसे हाल की अवधि के दौरान उच्चतम स्तर पर थी।
107. हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि मालसूची में वृद्धि नए उत्पादकों के प्रवेश के कारण हुई है। महानिदेशक नोट करते हैं कि जहाँ एक ओर अन्य घरेलू उत्पादकों ने अपनी बाजार हिस्सेदारी खोई है, वहीं संबद्ध आयातों ने हाल की अवधि के दौरान बाजार हिस्सेदारी हासिल की है। इसलिए, मालसूची में हुई इस वृद्धि का मुख्य कारण तार्किक रूप से संबद्ध आयातों को माना जा सकता है।

## vii. रोजगार और उत्पादकता

108. महानिदेशक ने रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता से संबंधित जानकारी की जांच की है, जो नीचे दी गई है:

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	86	86

प्रति दिन उत्पादकता	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	249	254
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	137	292	297

109. महानिदेशक नोट करते हैं कि इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कर्मचारियों की संख्या में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई है, जिसका मुख्य कारण उत्पादन में हुई वृद्धि है।

**viii. लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय**

110. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय नीचे दी गई तालिका में दिए गए हैं:

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
बिक्री लागत	₹/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	92	90
निवल बिक्री प्राप्ति	₹/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	83	76
लाभ/ (हानि) (पीबीटी)	₹/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	9	38	4
लाभ/ (हानि) (पीबीटी)	₹ लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	12	98	11
नकद लाभ	₹ लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	13	100	14
नियोजित पूंजी पर आय	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	15	48	5
मूल्यहास	₹/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	71	105	71
पीबीडीआईटी	₹ लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	15	103	16
पीबीडीआईटी	₹/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	11	40	6

सुविधाओं की लागत	₹ लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	135	205	105
सुविधाओं की लागत	₹/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	82	41

111. महानिदेशक यह नोट करते हैं कि:-

- i. घरेलू उद्योग के लाभ में पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2022-23 में उल्लेखनीय गिरावट आई है। यद्यपि वर्ष 2023-24 में बिक्री कीमत में गिरावट आई, तथापि इसके साथ बिक्री लागत में भी गिरावट हुई, जिससे घरेलू उद्योग को कुछ मार्जिन प्राप्त हुआ।
  - ii. वर्ष 2024-25 में, यद्यपि घरेलू उद्योग की विक्रय लागत में कमी आई है, तथापि विक्रय मूल्य में उससे कहीं अधिक गिरावट आई है। इससे घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप इसमें तीव्र गिरावट आई है।
  - iii. घरेलू उद्योग के नकद लाभों ने भी समान प्रवृत्ति का अनुसरण किया है। नकद लाभों में पूरे अवधि के दौरान 86% की गिरावट आई है।
  - iv. घरेलू उद्योग के नियोजित पूंजी पर प्रतिफल (नियोजित पूंजी पर प्रतिफल) में अवधि के दौरान 95% की तीव्र गिरावट आई है।
112. हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया है कि क्षमताओं में वृद्धि के बिना मूल्यह्रास लागत में वृद्धि हुई है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई सूचना की जांच की गई है तथा प्रति इकाई मूल्यह्रास लागत में जांच अवधि के दौरान गिरावट आई है। किसी भी स्थिति में, यह भी नोट किया जाता है कि ब्याज एवं मूल्यह्रास से पूर्व लाभ ने भी समान प्रवृत्ति का अनुसरण किया है तथा वर्ष 2024-25 में इसमें उल्लेखनीय गिरावट आई है और यह हानि में परिवर्तित हो गया है।
113. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट उपयोगिता लागत में वृद्धि के कारण होने संबंधी प्रस्तुतियों के संदर्भ में, महानिदेशक ने नोट किया कि घरेलू उद्योग की कुल उपयोगिता लागत उत्पादन में वृद्धि के कारण बढ़ी है। तथापि, जांच अवधि के दौरान विषय वस्तु के कुल उत्पादन लागत में घरेलू उद्योग की प्रति इकाई उपयोगिता लागत में कमी आई है। अतः, लाभप्रदता में गिरावट उपयोगिता लागत में वृद्धि के कारण नहीं है।
114. हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि कोरिया गणराज्य से आयातित वस्तुओं का पंहुच मूल्य वर्ष 2021-22 में भी अन्य देशों से आयातित वस्तुओं के पंहुच मूल्य से कम था तथा उस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई थी। महानिदेशक यह नोट करते हैं कि वर्ष 2021-22 में कोरिया आरपी से आयातों की मात्रा कम थी। वर्ष 2022-23 में, आयातों में वृद्धि हुई और वे घरेलू उद्योग की कीमतों से कम दरों पर होने लगे, जिसके कारण इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर

दबाव पड़ा। वर्ष 2023-24 में, जबकि आयात और बढ़े, घरेलू उद्योग ने अपनी विक्रय लागत में कमी की, जिससे घरेलू उद्योग की कीमतों और लाभप्रदता में सुधार हुआ। तथापि, वर्ष 2024-25 में आयातों की कीमतों में कमी आई, जबकि उनकी मात्रा फिर से बढ़ गई। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में तीव्र गिरावट देखी गई।

विवरण	यूनिट	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
संबद्ध आयात	मी.टन	6,484	16,371	35,203	42,157
निवल बिक्री प्राप्ति	₹/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	83	76
पंहुच कीमत	₹/मी.टन	1,44,732	1,27,376	1,17,407	1,17,398

#### ix. क्षति संबंधी निष्कर्ष

115. उपरोक्त के आधार पर, महानिदेशक निम्नलिखित निष्कर्ष निकालते हैं:-

- क. विचाराधीन आयातों ने पूर्ण रूप से तथा उत्पादन एवं कुल आयातों के संबंध में भी महत्वपूर्ण वृद्धि दर प्रदर्शित की है।
- ख. विचाराधीन आयात घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य से कम कीमतों पर भारत में प्रवेश कर रहे हैं।
- ग. विचाराधीन आयात घरेलू उद्योग की कीमतों को कम (अंडरकट) कर रहे हैं।
- घ. जहाँ विचाराधीन आयातों से मूल्य अंडरकटिंग सकारात्मक है, वहीं अन्य देशों से होने वाले आयातों से मूल्य अंडरकटिंग नकारात्मक है।
- ङ. आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों में ह्रास और न्यूनीकरण किया है।
- च. घरेलू उद्योग का विक्रय मूल्य, उसके कच्चे माल की लागत में हुई गिरावट की तुलना में कहीं अधिक घटा है।
- छ. यद्यपि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में वृद्धि हुई है, यह वृद्धि केवल लाभप्रदता से समझौता करने के कारण हुई है।
- ज. घरेलू उद्योग ने, पर्याप्त क्षमता होने के बावजूद संपूर्ण मांग को पूरा करने में सक्षम होने के बावजूद, विचाराधीन आयातों के कारण बाजार हिस्सेदारी खो दी है। इसके अतिरिक्त, समग्र रूप से भारतीय उद्योग ने भी बाजार हिस्सेदारी खो दी है।

- झ. लाभप्रदता से समझौता करने के बावजूद घरेलू उद्योग के पास माल-सूची (इन्वेंट्री) का संचय हुआ है।
- ञ. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है, जिसमें नकद लाभ तथा नियोजित पूंजी पर प्रतिफल में कमी शामिल है।
- ट. ब्याज एवं मूल्यहास को शामिल किए बिना भी लाभप्रदता में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है।

#### झ.4. कारणात्मक संबंध

116. घरेलू उद्योग के निष्पादन का, जैसा कि उपर्युक्त में वर्णित है, व्यापक मूल्यांकन यह प्रदर्शित करता है कि घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति हुई है। महानिदेशक ने यह जांच करने हेतु कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति शुल्क रियायतों के कारण हुई है, निम्नलिखित प्रावधान पर विचार किया है।

“अनुच्छेद 2.22: केवल संक्रमण अवधि के दौरान, यदि इस समझौते के अंतर्गत सीमा शुल्क में कमी अथवा समाप्ति के परिणामस्वरूप दूसरे पक्षकार के मूल की वस्तु किसी पक्षकार के क्षेत्र में समग्र रूप से अथवा घरेलू उत्पादन की तुलना में इतनी अधिक मात्रा में तथा ऐसी परिस्थितियों में आयातित की जा रही है कि दूसरे पक्षकार से ऐसी वस्तु का आयात अकेले ही समान अथवा प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी वस्तु का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति अथवा उसकी आशंका का एक महत्वपूर्ण कारण बनता है, तो संबंधित पक्षकार निम्नलिखित कर सकता है:-

(क) इस समझौते के अंतर्गत विनिर्दिष्ट उस वस्तु पर सीमा शुल्क की किसी दर में आगे की कमी को स्थगित करना; अथवा

(ख) उस वस्तु पर सीमा शुल्क की दर को उस स्तर तक बढ़ाना, जो निम्नलिखित में से कमतर स्तर से अधिक न हो:-

(i) उपाय लागू किए जाने के समय प्रभावी उस वस्तु पर लागू एमएफएन सीमा शुल्क दर; तथा

(ii) इस समझौते के प्रवर्तन की तिथि से ठीक पूर्व दिवस पर प्रभावी उस वस्तु पर लागू एमएफएन सीमा शुल्क दर।

4 स्पष्टता के उद्देश्य से, पक्षकार यह समझते हैं कि यदि गैर-पक्षकारों के क्षेत्र से आयात में वृद्धि होती है, तो किसी पक्षकार को द्विपक्षीय रक्षोपाय जांच प्रारंभ करने से रोका नहीं जाएगा। आगे की स्पष्टता हेतु, पक्षकार यह भी समझते हैं कि द्विपक्षीय संरक्षोपाय उपाय केवल दूसरी पक्षकार की वस्तु पर ही लगाए जा सकते हैं, जब उस दूसरी पक्षकार से ऐसी वस्तुओं के आयात में वृद्धि अकेले ही समान अथवा प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी वस्तु का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति अथवा गंभीर क्षति की आशंका का एक महत्वपूर्ण कारण बनती हो।”

117. उक्त प्रावधान की भाषा तथा पाद-टिप्पणी में दिए गए स्पष्टीकरण के आधार पर यह नोट किया जाता है कि संबद्ध आयातों का क्षति का एकमात्र कारण होना आवश्यक नहीं है, तथापि उनका क्षति का एक महत्वपूर्ण कारण होना आवश्यक है। अतः यह जाँच की गई कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति मुख्यतः शुल्क रियायतों तथा कोरिया गणराज्य से आयात में परिणामी वृद्धि के कारण है। यह भी जाँच की गई कि क्या संबद्ध आयातों में वृद्धि के अतिरिक्त कोई अन्य कारक घरेलू उद्योग को हुई गंभीर क्षति का कारण हो सकता था। तथापि, यह स्पष्ट रूप से समझा जाता है कि कोरियाई आयातों का घरेलू उद्योग को हुई क्षति का एकमात्र कारण होना आवश्यक नहीं है। उद्योग अन्य कारकों के कारण भी क्षति का सामना कर रहा हो सकता है और इससे कोरियाई आयातों से हुई क्षति का अभाव सिद्ध नहीं होता है। तथापि, कोरिया से आयात स्वयं में क्षति का एक महत्वपूर्ण कारण होना चाहिए।

#### क. तीसरे देशों से आयात की मात्रा एवं कीमत

118. यह नोट किया जाता है कि कोरिया गणराज्य के अतिरिक्त अन्य देशों से आयात कुल आयातों का केवल 6% है। इसके अतिरिक्त, ऐसे आयात घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से अधिक कीमतों पर हुए हैं तथा हाल की अवधि में ऐसे आयातों से कीमत कटौती नकारात्मक है। अतः, घरेलू उद्योग को हुई क्षति को ऐसे अन्य देशों से आयात के लिए अभिप्रेत नहीं किया जा सकता है। अन्य देशों से आयात मात्रा की दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं हैं और इसलिए, क्षति ऐसे आयातों के कारण नहीं मानी जा सकती है।

#### ख. मांग में संकुचन

119. जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि हुई है। अतः, क्षति के लिए मांग में संकुचन को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

#### ग. उपभोग के प्रवृत्ति

120. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि उपभोक्ता वरीयताओं ने घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रभावित किया है। महानिदेशक यह नोट करते हैं कि ऐसे दावों का साक्ष्यों द्वारा समर्थन नहीं किया गया है। यह भी दावा किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की गई वस्तुएँ ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं हैं। तथापि, घरेलू उद्योग ने यह प्रदर्शित करने हेतु साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं कि उसके उत्पाद अंतरराष्ट्रीय विनियमों (आरईएसीएच) के अनुरूप हैं तथा उपभोक्ता नियमित रूप से घरेलू उद्योग से भी क्रय करते हैं और संबद्ध वस्तुओं का आयात भी करते हैं। विशेष रूप से, जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि हुई है, जो यह दर्शाती है कि घरेलू उद्योग की बिक्री उपभोग की प्रवृत्ति में किसी परिवर्तन से प्रभावित नहीं हुई है।

121. इस अनुरोध के संबंध में कि क्षति उपभोक्ताओं द्वारा डी ई एच सी एच खरीदने की वरीयता के कारण है, अभिलेख पर उपलब्ध सूचना से यह प्रदर्शित होता है कि जिन ग्राहकों ने डी ई एच सी एच का आयात किया है, उन्होंने घरेलू उद्योग से डी ओ टी पी की खरीद जारी रखी है। अतः, उपभोग की प्रवृत्ति में परिवर्तन का कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है।

#### घ. प्रतिस्पर्धा की परिस्थितियाँ एवं व्यापार-प्रतिबंधात्मक प्रथाएँ

122. ऐसी कोई व्यापार-प्रतिबंधात्मक प्रथाएँ अथवा प्रतिस्पर्धा की परिस्थितियाँ नहीं हैं, जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

**ड. प्रौद्योगिकी में विकास**

123. घरेलू उद्योग द्वारा प्रौद्योगिकी अथवा संयंत्र में ऐसा कोई परिवर्तन नहीं किया गया है, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो।

**च. उत्पादकता**

124. घरेलू उद्योग का कुल उत्पादन तथा प्रति दिवस एवं प्रति कर्मचारी उत्पादकता जांच अवधि के दौरान बढ़ी है। अतः, उत्पादकता में गिरावट के कारण क्षति नहीं हो सकती है।

**छ. घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन**

125. उपर्युक्त में जांच की गई क्षति संबंधी सूचना केवल घरेलू बाजार के संदर्भ में घरेलू उद्योग के निष्पादन से संबंधित है। अतः, क्षति के लिए घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

**ज. अन्य उत्पादों का निष्पादन**

126. क्षति के लिए कंपनी के अन्य उत्पादों के निष्पादन को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है, क्योंकि घरेलू उद्योग ने केवल प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी वस्तुओं के संबंध में पृथक सूचना प्रदान की है।

**झ. मुद्रा के मूल्य में उतार-चढ़ाव**

127. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग को मुद्रा के मूल्य में उतार-चढ़ाव के कारण गंभीर क्षति हुई है। महानिदेशक यह नोट करते हैं कि अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इस दावे के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने अपने अधिकांश उत्पाद घरेलू बाजार में बेचे हैं और ऐसी बिक्री विदेशी मुद्रा विनिमय में किसी उतार-चढ़ाव से प्रभावित नहीं होती है। दूसरी ओर, मुद्रा विनिमय में उतार-चढ़ाव से आयातित वस्तुओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना चाहिए, जिससे वे घरेलू उत्पाद की तुलना में कम आकर्षक हो जाएँ। तथापि, ऐसा होता हुआ नहीं देखा गया है।

**ञ. मूल्यहास लागत में वृद्धि एवं घरेलू उद्योग की अक्षमताएँ**

128. हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि मूल्यहास में क्षमताओं की तुलना में अनुपातिक रूप से वृद्धि नहीं हुई है। जैसा कि ऊपर नोट किया गया है, घरेलू उद्योग का प्रति इकाई मूल्यहास घटा है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग को वर्तमान ब्याज दायित्व एवं मूल्यहास को शामिल किए बिना भी लाभप्रदता में गिरावट का सामना करना पड़ा है, और इसलिए घरेलू उद्योग को हुई क्षति मूल्यहास लागत के कारण नहीं है।

129. जहाँ तक इस दावे का संबंध है कि घरेलू उद्योग अक्षम है, यह नोट किया जाता है कि यह प्रदर्शित नहीं किया गया है कि घरेलू उद्योग की किसी अक्षमता ने केवल वर्ष 2024-25 के दौरान ही घरेलू उद्योग को प्रभावित किया, जबकि शेष जांच अवधि में ऐसा नहीं हुआ है। तथापि, इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है। ऐसी स्थिति में, निष्पादन में आई गिरावट के लिए अंतर्निहित अक्षमता को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

130. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी अनुरोध किया है कि प्रस्तुत समायोजन योजना घरेलू उद्योग को दक्ष बनाने से संबंधित है, जिससे यह प्रदर्शित होता है कि घरेलू उद्योग अक्षम है। यह नोट किया जाता है कि समायोजन योजना का उद्देश्य घरेलू उद्योग को अधिक दक्ष बनाना है ताकि रियायतों को पुनः अनुमत किए जाने के पश्चात वह प्रतिस्पर्धा कर सके। ऐसे उपायों में लागत-कटौती संबंधी उपाय सम्मिलित हैं, जो किसी उत्पादक को शुल्क-मुक्त आयातों के दृष्टिगत अपनी कीमत कम करने के लिए विवश होने पर भी लाभप्रदता बनाए रखने में सक्षम बनाएँगे। ऐसे उपायों का उपयोग यह दावा करने के आधार के रूप में नहीं किया जा सकता कि घरेलू उद्योग वर्तमान में अक्षम है।

#### ट. अन्य कारक

131. इस दावे के संबंध में कि क्षति कच्चे माल के आयात पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के कारण हुई है, महानिदेशक यह नोट करते हैं कि ऐसा पाटनरोधी शुल्क स्वयं कोरिया गणराज्य से कच्चे माल के आयात पर लगाया गया है। चूँकि कोई भी पाटनरोधी शुल्क अधिकतम पाटन मार्जिन की सीमा तक ही लगाया जा सकता है, इसका अभिप्राय यह है कि शुल्क लगाए जाने के पश्चात भारत में आयात कीमत अधिकतम कोरिया गणराज्य में कच्चे माल की कीमत के समकक्ष ही होगी। ऐसी स्थिति में, जहाँ तक कच्चे माल की कीमतों का संबंध है, घरेलू उत्पादक एवं कोरियाई उत्पादक एक-दूसरे के समकक्ष हैं।

132. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी दावा किया है कि क्षति कच्चे माल की कमी के कारण संयंत्र बंद होने, उत्पाद मिश्रण में परिवर्तन तथा रिएक्टरों के रखरखाव के कारण हुई है। इस संबंध में, यह नोट किया जाता है कि मशीनों की सफाई एवं नियमित रखरखाव को निरंतर सामान्य व्यावसायिक प्रचालन का भाग माना गया है तथा इसे क्षति का कारण नहीं माना जा सकता है। इसके अतिरिक्त, यह भी नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पादों के संबंध में कच्चे माल की कमी के कारण किसी प्रकार का शटडाउन नवीनतम अवधि में नहीं हुआ है, जबकि इसी अवधि में घरेलू उद्योग को लाभप्रदता में गिरावट का सामना करना पड़ा है। वास्तव में, जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पादों का उत्पादन बढ़ा है।

133. उपरोक्त जाँच के आधार पर, महानिदेशक यह निष्कर्ष निकालते हैं कि आवेदक को किसी अन्य कारक के कारण क्षति नहीं हुई है। निम्नलिखित कारक घरेलू उद्योग को हुई क्षति तथा कोरिया गणराज्य से बढ़े हुए आयातों के मध्य कारणात्मक संबंध को प्रदर्शित करते हैं:-

- i. संबद्ध आयातों में समग्र रूप से तथा भारतीय उत्पादन की तुलना में वृद्धि हुई है।
- ii. शुल्क-मुक्त संबद्ध आयातों ने भारतीय उद्योग तथा अन्य देशों दोनों की बाजार हिस्सेदारी पर कब्जा कर लिया है।
- iii. टैरिफ रियायतों के कारण संबद्ध आयातों की कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम रही है।
- iv. घरेलू उद्योग को अपनी लाभप्रदता से समझौता करते हुए कम कीमत वाले आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए बाध्य होना पड़ा है।

- v. इसके परिणामस्वरूप नवीनतम अवधि में इसकी लाभप्रदता में उल्लेखनीय गिरावट आई है।
- vi. घरेलू उद्योग के नकद लाभ तथा नियोजित पूंजी पर प्रतिफल में अवधि के दौरान गिरावट आई है।
- vii. रिकॉर्ड पर उपलब्ध सूचना यह प्रदर्शित करती है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति शुल्क-मुक्त संबद्ध आयातों में वृद्धि के कारण हुई है।
134. विभिन्न मापदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन पर विचार करते हुए यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि घरेलू उद्योग को कोरियाई आयातों को प्रदान की गई टैरिफ रियायतों के परिणामस्वरूप गंभीर क्षति हुई है, जिसके कारण कोरिया गणराज्य से संबद्ध आयातों में वृद्धि हुई।

### ज. समायोजन योजना

135. घरेलू उद्योग ने आवेदन प्रस्तुत करते समय समायोजन योजना का विवरण प्रदान किया है। घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि वह अपनी समायोजन योजना में उल्लिखित अनुसार उत्पादन लागत को कम करने हेतु उपाय कर रहा है। घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समायोजन योजना के संबंध में, महानिदेशक यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने उन प्रस्तावित उपायों का विवरण प्रदान किया है जिन्हें वह द्विपक्षीय उपाय लगाए जाने की स्थिति में अपनाएगा। समायोजन योजना परिवर्ती एवं स्थिर लागतों को कम करने पर केंद्रित है। \*\*\* महानिदेशक यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने एक समायोजन योजना तैयार की है, जो उसे अपनी लागतों को कम करने तथा उचित लाभप्रदता बनाए रखते हुए कम कीमत वाले आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाएगी।

### ट. जन हित

#### ट.1. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

136. जन हित के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:-
- i. जन हित के प्रश्न का विश्लेषण केवल तब किया जा सकता है जब यह स्थापित हो जाए कि आवेदन क्षेत्राधिकार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है तथा सीईपीए के अंतर्गत द्विपक्षीय रक्षोपाय लगाए जाने हेतु पूर्व-अपेक्षाओं की पूर्ति करता है।
- ii. डाउनस्ट्रीम उद्योग में एमएसएमई सम्मिलित हैं तथा यह सीमित लाभ मार्जिन पर कार्य करता है। उपाय लगाए जाने से डाउनस्ट्रीम उद्योग के लिए आपूर्ति की कमी अथवा कीमत दबाव उत्पन्न होगा। उपायों के परिणामस्वरूप घरेलू उत्पादकों को बाजार में प्रभुत्व प्राप्त हो जाएगा तथा वे कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकेंगे।
- iii. अपस्ट्रीम इनपुट, प्लास्टिसाइज़र एवं फीडस्टॉक रसायनों पर लगाए गए व्यापार उपचार उपाय अनिवार्य रूप से उत्पादन श्रृंखला में आगे तक प्रभाव डालते हैं, जिससे पीवीसी यौगिकों की लागत तथा अंततः जूते, ऑटोमोटिव अवयव, अपहोल्स्ट्री सामग्री एवं उपभोक्ता वस्तुओं जैसे तैयार उत्पादों

- की लागत बढ़ जाती है। परिणामस्वरूप लागत वृद्धि का भार अंतिम उपभोक्ताओं पर स्थानांतरित करना पड़ सकता है।
- iv. उपायों के परिणामस्वरूप डाउनस्ट्रीम उद्योग की लागत में 2-4% तक वृद्धि होगी तथा उनके लाभ में कमी आएगी।
  - v. उपाय लगाए जाने से स्वास्थ्य/सुरक्षा संबंधी चिंताओं वाले फथेलेट प्लास्टिसाइज़रों की ओर स्थानांतरण हो सकता है तथा डाउनस्ट्रीम उद्योग में कार्यरत श्रमिकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।
  - vi. उपाय लगाया जाना जन हित में नहीं है तथा इससे डाउनस्ट्रीम उद्योग को अनुमान से अधिक क्षति होगी।
  - vii. जन हित संबंधी चिंताएँ विशेष रूप से डेहच के मामले में महत्वपूर्ण हैं, जिसकी आपूर्ति घरेलू उद्योग द्वारा नहीं की जाती है।
  - viii. पाटन के आरोप द्विपक्षीय रक्षोपाय जांच में अप्रासंगिक हैं।
  - ix. राजस्व सृजन रक्षोपायों का उद्देश्य नहीं है तथा यह उपाय लगाए जाने का वैध आधार नहीं है।
  - x. मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक अस्थिरता ने कोरिया से आपूर्ति को प्रभावित किया है, जो प्रमुख फीडस्टॉक मध्य पूर्व से प्राप्त करता है।
  - xi. पायल समूह, जो एक प्रमुख घरेलू आपूर्तिकर्ता एवं वर्तमान याचिका का समर्थक है, ने वर्तमान आपूर्ति व्यवस्थाओं के संबंध में अप्रत्याशित घटनाओं का उल्लेख किया है, पूर्व में सहमत अनुबंधों को निरस्त किया है तथा साथ ही पिछले 2 दिनों में अपनी कीमतों में लगभग 50-60% की वृद्धि की है।
  - xii. यह तर्क कि मांग-आपूर्ति अंतराल नहीं है, भ्रामक है, क्योंकि आवेदक स्वयं बाजार में एक नया प्रवेशकर्ता है, जिसने वर्ष 2021-22 में उत्पादन प्रारंभ किया। इसके विपरीत, कोरिया से आयातों की जाँच एवं महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों में उपयोग हेतु प्रमाणीकरण किया जा चुका है।
  - xiii. 7.5% शुल्क लगाए जाने से चिकित्सा उपकरणों में प्रयुक्त पीवीसी यौगिक की लागत में 2.5-2.8% की वृद्धि होगी।

## ट.2. घरेलू उद्योग के विचार

137. जन हित के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:-

- i. उपाय लगाए जाने से आम जनता एवं अन्य हितधारकों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

- ii. उपाय लगाए जाने से घरेलू उद्योग भारतीय बाजार में व्यवहार्य बना रहेगा। इसके अतिरिक्त, नए उत्पादकों ने भारत में क्षमताएँ स्थापित की हैं तथा आगे भी क्षमताएँ स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। उपाय लगाए जाने से अन्य घरेलू उत्पादकों को निवेश करने एवं उत्पादन क्षमताएँ विकसित करने में सहायता मिलेगी।
- iii. कोरिया के निर्यातकों पर संयुक्त राज्य अमेरिका में पाटनरोधी शुल्क लगाए गए हैं। ऐसे उपायों के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका में संबद्ध वस्तुओं का बाजार सीमित हो गया है तथा यह संभावना है कि निर्यातक अपनी आपूर्ति भारत की ओर कर दें। यदि घरेलू उद्योग को प्रतिस्पर्धा करने के लिए समय प्रदान करने हेतु उपाय नहीं लगाए गए, तो देश पूर्णतः आयातों पर निर्भर हो जाएगा।
- iv. उपाय न लगाए जाने की स्थिति में विनिर्माण अव्यवहार्य हो जाएगा तथा घरेलू उत्पादकों को व्यापारियों के रूप में कार्य करने के लिए विवश होना पड़ेगा, क्योंकि ऐसे उत्पादकों को उत्पादन गतिविधियों में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहन नहीं मिलेगा। इससे देश में सकल घरेलू उत्पाद एवं रोजगार की हानि होगी।
- v. निवेश को प्रोत्साहित करने एवं सरकार की “मेक इन इंडिया” पहलों की सफलता सुनिश्चित करने हेतु उपाय लगाया जाना आवश्यक है। उपाय लगाया जाना उत्पादकों की व्यवहार्यता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा उपभोक्ताओं पर ऐसे उपायों का प्रभाव नगण्य होगा।
- vi. उपाय लगाए जाने से घरेलू उद्योग प्रतिस्पर्धी बना रहेगा। घरेलू स्रोतों से खरीद की स्थिति में उपभोक्ताओं को कम मालसूची बनाए रखने की आवश्यकता होगी।
- vii. घरेलू उद्योग ने अतिरिक्त शुल्क लगाने का अनुरोध नहीं किया है, बल्कि केवल सीईपीए के अंतर्गत दी गई रियायतों को वापस लेने तथा एमएफएन दर पर सीमा शुल्क पुनः लागू करने का अनुरोध किया है। ऐसे शुल्क का प्रभाव नगण्य होगा।
- viii. संबद्ध वस्तुएँ अंतिम उपयोग के उत्पादों का केवल एक छोटा भाग हैं तथा उपायों का कोई भी प्रभाव न्यूनतम होगा।
- ix. घरेलू उद्योग के पास भारत की मांग को पूरा करने हेतु पर्याप्त क्षमता उपलब्ध है तथा देश में मांग-आपूर्ति का कोई अंतर नहीं है।
- x. उपयोगकर्ता दीर्घकालिक अनुबंधों के आधार पर उत्पादों की खरीद नहीं करते हैं तथा घरेलू उद्योग से वस्तुएँ प्राप्त करने हेतु आसानी से आपूर्तिकर्ताओं को बदल सकते हैं।
- xi. बाजार में पर्याप्त क्षमता वाले अनेक उत्पादक उपलब्ध हैं, जो मांग की पूर्ति करने में सक्षम हैं। उनके मध्य प्रतिस्पर्धा भारतीय बाजार में उचित मूल्यों को सुनिश्चित करेगी।
- xii. शुल्क लगाए जाने से घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार होगा तथा पर्यावरण एवं सामाजिक रूप से कमजोर समुदायों के लाभ हेतु निष्पादन-आधारित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों को प्रोत्साहन मिलेगा।

- xiii. सीमा शुल्क लगाए जाने से ₹ 3,822 लाख रुपये की राशि के शुल्क का संग्रह संभव होगा, जो अन्यथा राजस्व हानि के रूप में गंवाई जा रही है।
- xiv. संबद्ध वस्तुओं के कई डाउनस्ट्रीम उत्पादों, जैसे दोपहिया वाहन, चारपहिया वाहन, पेंट एवं वार्निश पर जीएसटी में कमी की गई है। परिणामस्वरूप, उपाय लगाए जाने से उत्पन्न कोई भी प्रभाव जीएसटी दरों में कमी के कारण निष्प्रभावी हो जाएगा।
- xv. घरेलू उद्योग ने अनेक ऐसे उपभोक्ताओं को आपूर्ति की है जो चिकित्सा उपकरणों का उत्पादन करते हैं।

### ट.3. महानिदेशक द्वारा जाँच

138. यद्यपि नियमावली के अंतर्गत महानिदेशक के लिए यह जाँच करना आवश्यक नहीं है कि उपाय लगाया जाना जन हित में होगा या नहीं, तथापि महानिदेशक ने यह जाँच की है कि क्या रक्षोपाय लगाया जाना व्यापक जन हित में होगा। इसके लिए अन्य बातों के साथ-साथ विभिन्न हितधारकों पर रक्षोपायों के प्रभाव का मूल्यांकन तथा विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के परस्पर प्रतिस्पर्धी हितों को ध्यान में रखते हुए संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। इस उद्देश्य से, महानिदेशक ने सभी हितबद्ध पक्षकारों, जिनमें आवेदक, अन्य उत्पादक, निर्यातक, आयातक, प्रयोक्ता तथा कोरिया गणराज्य की सरकार सम्मिलित हैं, से विचार आमंत्रित किए। प्रस्तावित उपायों के सभी हितबद्ध पक्षकारों पर प्रभाव की जाँच करने हेतु महानिदेशक ने आर्थिक हित प्रश्नावली के माध्यम से संगत सूचना भी प्राप्त की।
139. जैसा कि ऊपर नोट किया गया है, शुल्क-मुक्त संबद्ध वस्तुओं के आयातों ने घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति पहुँचाई है। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है तथा बिल्कुल हाल की अवधि में उसे भारी वित्तीय एवं नकद हानियाँ हुई हैं। इससे भारत में घरेलू उत्पादकों की व्यवहार्यता संकटग्रस्त हो गई है। इसके अतिरिक्त, नए उत्पादक भी बाजार में प्रवेश कर चुके हैं, जो वर्तमान कीमतों पर बिक्री करने के लिए विवश होने की स्थिति में व्यवहार्य नहीं रह सकते हैं। यह नोट किया जाता है कि उपाय लगाए जाने से घरेलू उद्योग एवं अन्य उत्पादकों को कम कीमत वाले आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा करने हेतु आवश्यक समायोजन करने के लिए समय प्राप्त होगा।
140. महानिदेशक ने एक प्रयोक्ता प्रश्नावली निर्धारित की थी, जिसमें प्रयोक्ताओं ने उपभोक्ताओं के अंतिम उत्पादों की अंतिम लागत एवं कीमत पर उपायों के प्रभाव संबंधी सूचना प्रदान की। प्रस्तावित उपायों के प्रभाव का निर्धारण करने के उद्देश्य से प्रयोक्ताओं एवं घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई सूचना पर विचार किया गया है। यह नोट किया जाता है कि वर्तमान उपाय किसी अतिरिक्त शुल्क को लगाने के उद्देश्य से नहीं हैं, बल्कि केवल पूर्व में प्रदान की गई रियायतों को वापस लेने के उद्देश्य से हैं, वह भी केवल कोरिया गणराज्य से आयातों के संबंध में। अन्य सभी स्रोतों से आयात प्रस्तावित उपायों से पूर्णतः अप्रभावित हैं। इसके अतिरिक्त, प्रस्तावित उपाय कोरियाई आयातों को अन्य देशों से आयातों के समकक्ष ला देंगे, अर्थात् ऐसे आयातों पर एमएफएन शुल्क दर लागू होगी।
141. इस तर्क के संबंध में कि द्विपक्षीय रक्षोपाय लगाए जाने से डाउनस्ट्रीम उत्पाद की लागत में वृद्धि होगी तथा डाउनस्ट्रीम उद्योग प्रभावित होगा, महानिदेशक यह नोट करते हैं कि रियायतों को हटाने से भारत

में उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित होंगे। तथापि, यद्यपि प्रयोक्ताओं ने आर्थिक हित प्रश्रावली प्रस्तुत की है, उन्होंने अपने उत्तरों में डाउनस्ट्रीम उत्पाद पर किसी प्रभाव का मात्रात्मक निर्धारण नहीं किया है। घरेलू उद्योग ने डाउनस्ट्रीम उत्पादों, अर्थात् फुटवियर तथा तार एवं केबल, पर प्रभाव संबंधी गणनाएँ प्रस्तुत की हैं। प्रस्तुत गणनाएँ यह दर्शाती हैं कि ऐसे उत्पादों पर उपायों का प्रभाव नगण्य है। अतः, अंतिम उपभोक्ता उत्पाद पर उपायों का प्रभाव अत्यंत अल्प होगा।

142. घरेलू उद्योग द्वारा यह इंगित किया गया है कि संबद्ध वस्तुओं के अनेक अन्य अंतिम उपयोग उत्पादों, जैसे दोपहिया वाहन, चारपहिया वाहन तथा पेंट एवं वार्निश पर जीएसटी में कमी की गई है। यह नोट किया जाता है कि कर भार में ऐसी कमी का प्रभाव डाउनस्ट्रीम उद्योग एवं अंतिम उपभोक्ताओं को लागत लाभ प्रदान करेगा।
143. इस संबंध में, यह नोट किया जाता है कि मांग-आपूर्ति का कोई अंतर नहीं है तथा घरेलू उद्योग के पास मांग में किसी भी वृद्धि को पूरा करने हेतु पर्याप्त क्षमता उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, नए उत्पादक भारतीय बाजार में प्रवेश कर चुके हैं, जो प्रतिस्पर्धी आपूर्ति विकल्प सुनिश्चित करने में भी योगदान दे सकते हैं। यह चिंता कि उपायों के परिणामस्वरूप स्वास्थ्य/सुरक्षा संबंधी चिंताओं वाले फथेलेट प्लास्टिसाइज़रों की ओर स्थानांतरण होगा, का भी समाधान हो जाएगा, क्योंकि देश में पर्याप्त क्षमताएँ उपलब्ध हैं, जिससे सभी प्रयोक्ता घरेलू स्तर पर उत्पाद की खरीद कर सकेंगे। किसी भी स्थिति में, उपाय लगाया जाना अस्थायी है तथा पक्षकार एमएफएन शुल्क पर उत्पादों का आयात करने के लिए स्वतंत्र हैं।
144. घरेलू उद्योग द्वारा यह अनुरोध किया गया है कि कोरिया गणराज्य के निर्यातकों पर संयुक्त राज्य अमेरिका में पाटनरोधी शुल्क लगाए गए हैं। यह नोट किया जाता है कि ऐसे उपायों के कारण संबद्ध वस्तुओं का बाजार सीमित हो गया है तथा रियायती शुल्क के कारण निर्यातकों को भारत एक आकर्षक बाजार प्रतीत होता है।

### ठ. निष्कर्ष और सिफारिशें

145. सभी हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों के आधार पर, महानिदेशक निम्नानुसार नोट करते हैं:-
- i. आवेदक द्वारा उत्पादित वस्तु संबद्ध देश से आयातित वस्तु के समान एवं प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धी वस्तु है।
  - ii. यह आवेदन ऐसे घरेलू उत्पादक द्वारा प्रस्तुत किया गया है जिसका कुल उत्पादन में 62% हिस्सा है। आवेदक नियमावली के अनुसार स्थिति संबंधी आवश्यकता को पूरा करता है।
  - iii. कोरिया से आयातों पर मूल सीमा शुल्क समाप्त किए जाने के कारण संबद्ध आयातों में समग्र रूप से तथा भारत में उत्पादन की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
  - iv. विचाराधीन आयात घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य से कम कीमतों पर भारत में प्रवेश कर रहे हैं।

- v. कीमत कटौती केवल मूल सीमा शुल्क समाप्त किए जाने के कारण सकारात्मक है। यदि लागू एमएफएन सीमा शुल्क लगाया गया होता, तो कोरिया से आयातों का मूल्य घरेलू उत्पादकों एवं अन्य आयातों की कीमतों से अधिक होता।
- vi. जहाँ संबद्ध आयातों की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है, वहीं भारतीय उद्योग तथा अन्य देशों की बाजार हिस्सेदारी में गिरावट आई है।
- vii. यद्यपि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं बिक्री में वृद्धि हुई, तथापि यह केवल इस कारण संभव हुआ कि घरेलू उद्योग ने अपनी लाभप्रदता से समझौता किया।
- viii. लाभप्रदता से समझौता करने के बावजूद घरेलू उद्योग की औसत मालसूची में वृद्धि हुई है।
- ix. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में अवधि के दौरान गिरावट आई है।
- x. घरेलू उद्योग के नकद लाभों में कमी आई है, तथा उसके नियोजित पूंजी पर प्रतिफल में भी गिरावट आई है।
- xi. बढ़े हुए आयातों ने घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति पहुँचाई है।
- xii. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति के कारण के रूप में किसी अन्य कारक को सिद्ध नहीं किया गया है।
- xiii. बढ़े हुए आयातों एवं घरेलू उद्योग को हुई गंभीर क्षति के मध्य कारणात्मक संबंध विद्यमान है।
- xiv. घरेलू उद्योग द्वारा कार्यान्वित किए जाने हेतु प्रस्तावित समायोजन योजना उसे प्रतिस्पर्धात्मकता प्राप्त करने एवं लाभ बनाए रखने में पर्याप्त रूप से सक्षम बनाएगी।
- xv. रियायतों को वापस लेने से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निवारण होगा।
- xvi. विचाराधीन उत्पाद डाउनस्ट्रीम उत्पाद का महत्वपूर्ण भाग नहीं है तथा इसका डाउनस्ट्रीम उद्योग पर नगण्य प्रभाव पड़ेगा।
- xvii. घरेलू उद्योग के पास संपूर्ण मांग को पूरा करने हेतु पर्याप्त क्षमता उपलब्ध है।

146. अतः, नियमावली के नियम 10 के अंतर्गत द्विपक्षीय रक्षोपाय की सिफारिश करना उपयुक्त माना जाता है। तदनुसार, महानिदेशक कोरिया गणराज्य के मूल की संबद्ध वस्तु के आयातों पर रियायतों को वापस लेने तथा निम्नलिखित में से कमतर स्तर तक सीमा शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं:-

- क. द्विपक्षीय रक्षोपाय लागू किए जाने की तारीख को संबद्ध वस्तुओं पर लागू परम मित्र राष्ट्र सीमा शुल्क दर; अथवा

ख. सीईपीए के प्रवर्तन की तारीख से बिल्कुल पूर्ववर्ती दिन पर संबद्ध वस्तुओं पर लागू परम मित्र राष्ट्र सीमा शुल्क दर।

147. इस उपाय की सिफारिश, इस संबंध में वित्त मंत्रालय द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से नीचे दी गई तालिका के अनुसार दो वर्ष की अवधि के लिए की जाती है।

वर्ष	सिफारिश किए गए उपायों का विवरण
वर्ष 1	सीमा शुल्क की दर को 100% तक बढ़ाकर परम मित्र राष्ट्र' पर लागू सीमा शुल्क की दर के स्तर तक लाना।
वर्ष 2	सीमा शुल्क की दर को 75% तक बढ़ाकर परम मित्र राष्ट्र' पर लागू सीमा शुल्क की दर के स्तर तक लाना।

अमिताभ कुमार, महानिदेशक

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
(Department of Commerce)  
(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

**FINAL FINDINGS**

New Delhi, the 27th May, 2026

**Case No. – (SG) – 01/2025**

**Subject: Bilateral safeguard investigation concerning imports of Non-Phthalate Plasticizers in the form of Dioctyl Terephthalate (DOTP) and Diethylhexyl Cyclohexane (DEHCH) from the Republic of Korea under India-Korea Comprehensive Economic Partnership Agreement (Bilateral Safeguard Measures) Rules, 2017**

**F. No. 22/01/2025-DGTR.**— Having regard to India-Korea Comprehensive Economic Partnership Agreement (Bilateral Safeguard Measures) Rules, 2017 (hereinafter referred to as “Bilateral Safeguard Rules” or the “Rules”) and the Comprehensive Economic Cooperation Agreement (“CEPA” or the “Agreement”);

**A. BACKGROUND OF THE CASE**

1. KLJ Plasticizers Limited (hereinafter referred to as the “applicant” or “domestic industry”) filed an application before the Director General of Trade Remedies (hereinafter also referred to as the “Director General”), in accordance with the CEPA and the Rules for initiation of bilateral safeguard investigation and recommendation for withdrawal of tariff concessions on imports of Non-Phthalate Plasticizers in the form of Dioctyl Terephthalate (DOTP) and Diethylhexyl Cyclohexane (DEHCH) (hereinafter referred to as the “product under consideration” or “subject goods”) from the Republic of Korea (hereinafter referred to as “Korea RP” or “subject country”).
2. And whereas, in view of the duly substantiated application filed by the applicant, the Director General issued a public notice vide Notification No. 22/01/2025-DGTR, published in the Gazette of India, Extraordinary initiating the investigation under Rule 4 to examine whether imports of subject goods constitute “increased imports”, and whether the same has caused injury to the domestic industry, and whether bilateral safeguard measures are required to be invoked (and if so, duration thereof).

**B. PROCEDURE**

3. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:

**3.1. Initiation**

- a. The Director General issued a public notice of initiation of investigation and the same was published in the Gazette of India, Extraordinary, dated 30<sup>th</sup> September 2025.
- b. The Director General sent a copy of the initiation notification to the Government of the Republic of Korea, through its Embassy in India, known producers and exporters from the subject country, known importers / users, the domestic industry as well as other domestic producers, as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within the prescribed time limit.

**3.2. Circulation of non-confidential version of the application**

- a. The Director General provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Government of the Republic of Korea, through its Embassy in India, in accordance with Rule 5(3) of the Rules. A copy of the non-confidential version of the application was made available to other interested parties, wherever requested.

**3.3. Participation by Producer/Exporter**

- a. The Director General forwarded a copy of the public notice initiating bilateral safeguard investigation to the following known producers/ exporters in Korea RP and provided them with an opportunity to provide relevant information by filing response to the questionnaire in the form and manner prescribed and making their views known in writing within thirty days in accordance with the Rules 5(4) of the Rules:

- i. Aekyung Chemical Co., Ltd.
- ii. Canko Marketing Inc.
- iii. Chembud Corporation
- iv. Everlite Korea Ltd
- v. Hanwha Solutions Corporation (Hanwha)
- vi. Humade Corporation
- vii. Hwaseung Networks Co Ltd.
- viii. Jier Shin Korea Co. Ltd.
- ix. Jwell Global Co. Ltd
- x. Kospol Co., Ltd
- xi. LG Chem Co., Ltd
- xii. Minjin Corporation Ltd.
- xiii. NH International Corporation
- xiv. Paran Co. Ltd.
- xv. S&C Corporation
- xvi. Unid Global Corp.
- xvii. Zenichem Trading Co Ltd

- b. In response to the initiation of the subject investigation, the following producers/exporters from the subject country have responded by filing questionnaire response:

- i. LG Chem Co., Ltd
- ii. Aekyung Chemical Co., Ltd.

**3.4. Participation by Users/Importers**

- a. The Director General sent Importer's and User's Questionnaire to the following known importers/users of the subject goods in India calling for necessary information in the form and manner prescribed and make their views known in writing within thirty days in accordance with Rule 5(5) of the Rules:

- i. AcmeSafety Wears Limited
- ii. Ajanta Shoes (India) Private Limited
- iii. Akshat Plastics Private Limited
- iv. Amon-Ra Impex Private Limited

- v. Aqualite Industries Private Limited
- vi. Aroma Organics Limited
- vii. Ashoka Enterprises
- viii. Ashoka Marketing Agencies
- ix. Beeta Poly Coats Private Limited
- x. C J Shah & Co.
- xi. Ceyenar Chemicals Private Limited
- xii. CocoTufters Private Limited
- xiii. Deepak Overseas
- xiv. Doshi Enterprise
- xv. Dycon Chemicals
- xvi. G M Technochem Private Limited
- xvii. Golden Coir Tufts
- xviii. Havells India Limited
- xix. Height Buildcon Private Limited
- xx. HoneyVanijya Private Limited
- xxi. Hwaseung Materials (India) Private Limited
- xxii. Industries Private Limited
- xxiii. JP Dyechem Private Limited
- xxiv. Karamat Tanning Industries
- xxv. Kerafibertex International Private Limited
- xxvi. Keya Enterprises
- xxvii. KGPetrochem Limited
- xxviii. Klassik Lamitex Private Limited
- xxix. LAPP India Private Limited
- xxx. Mahavir Polyfilms Private Limited
- xxxi. Makwell Plastics Private Limited
- xxxii. ManikRubber
- xxxiii. Manish Vinyls Private Limited
- xxxiv. Manya International
- xxxv. Marvel Vinyls
- xxxvi. Mayithara Home Decor Private Limited
- xxxvii. MayurUniquoters Limited
- xxxviii. Newage Fire Protection Industries Private Limited
- xxxix. Nirmal Fibres Private Limited
- xl. Northern India Leather Cloth Manufacturing Co Private Limited
- xli. Paragon Polymer Products Private Limited
- xlii. PatkarExtrusions Private Limited
- xliii. PolyMedicure Limited
- xliv. Prabhat Industries
- xlv. PremierPolyfilm Limited
- xlvi. PVC Converters India Private Limited
- xlvii. Qrex Flex Private Limited
- xlviii. R R Kabel Limited
- xliv. Rajshila Synthetics Private Limited
- i. Relaxo Footwears Limited
- li. Responsive Industries Limited

- lii. Shakambari Enterprises (India) Private Limited
  - liii. Shakun Polymers Private Limited
  - liv. Shri Durga Texcoat Private Limited
  - lv. Shri Ganesh Agro Foods
  - lvi. Sigma Aldrich Chemicals Private Limited
  - lvii. Silvertones Speciality Textile Private Limited
  - lviii. SonargPlastics Private Limited
  - lix. SR Polyvinyl Limited
  - lx. SSFPolymers Limited
  - lxi. Travancore CocotuftPrivate Limited
  - lxii. Tufko International
  - lxiii. U K B Electronics Private Limited
  - lxiv. Vikas Organics Private Limited
  - lxv. Vinyl Products
  - lxvi. Winner Nippon Leatherette Private Limited
  - lxvii. YashPoly
- b. In response to the questionnaire issued, the following importers/consumers have filed questionnaire responses:
- i. DDEV Plastiks Industries Limited
  - ii. Delite Collections Private Limited
  - iii. Klassik Lamitex Private Limited
  - iv. Mayur Uniquoters Limited
  - v. Poly Medicare Limited
  - vi. Polynova Industries Limited

### **3.5. Participation by other domestic producers**

- a. The Director General sent a questionnaire to the other known Indian producers of the product under consideration calling for necessary information in the form and manner prescribed and seeking their views in writing within thirty days. The Director General sent Producer's Questionnaire to the following known domestic producers. Out of the below only the applicant has filed its questionnaire response.
- i. Payal Polyplast Private Limited
  - ii. Payal Plastichem Private Limited
  - iii. Rachna Plasticizers
  - iv. Vinyl Products
  - v. Marvel Vinyls

### **3.6. Period of investigation**

- a. The Authority has considered the most recent period for the purpose of present investigation as financial year 2024-2025. Further, the Authority has considered 1<sup>st</sup> April 2021 to 31<sup>st</sup> March 2025 as the period of investigation.

### **3.7. Further Procedure**

- a. Request was made to DGCI&S data to provide the transaction-wise details of imports of subject goods for the injury period and also the period of investigation. The Director General has relied upon the DGCI&S data for computation of the volume of imports and required analysis after due examination of the transactions.
- b. In accordance with Rule 5(6) of the Rules, the Director General provided opportunity to the interested parties to present their views orally in a public hearing held on 24<sup>th</sup> February 2025. The parties, which

- presented their views in the oral hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally, followed by rejoinder submissions.
- c. A list of interested parties was published on the DGTR website. The interested parties were advised to exchange the non-confidential version of their submissions with each other through email.
  - d. Submissions were filed in the subject investigation on behalf of the following interested parties including producers, exporters, users and importers as well as association of users.
    - i. Domestic industry
    - ii. Government of Republic of Korea
    - iii. Korea Chemical Industry Association
    - iv. Aekyung Chemical Co., Ltd.
    - v. LG Chem Ltd
    - vi. Hanwha Solutions Corporation
    - vii. Giriraj Coated Fab Private Limited
    - viii. Mayur Uniquoters Limited
    - ix. Klassik Lamitex Private Limited
    - x. Polynova Industries Limited
    - xi. Beeta Polycoats
    - xii. Delite Collections Private Limited
    - xiii. DDEV Plastiks Industries Limited
    - xiv. Poly Medicure Limited
  - e. The submissions made by the interested parties during the course of the investigation, wherever found relevant, have been addressed by the Director General in these final findings.
  - f. The Director General, during the course of the investigation, satisfied itself as to the accuracy of the information supplied by the applicant and the interested parties, which forms the basis of these final findings, to the extent possible and considered relevant and necessary.
  - g. Information provided by the interested parties on a confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Director General has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
  - h. ‘\*\*\*’ in the present findings represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Director General under the Rules.

### **C. SOURCE OF INFORMATION**

4. The period of investigation for the purposes of the present investigation, as notified in the initiation, is from 1<sup>st</sup> April 2021 to 31<sup>st</sup> March 2025. The most recent period is financial year 2024-2025.
5. Request was made to DGCI&S data to provide details of imports of the subject goods. The Director General has relied upon the DGCI&S data for computation of the volume and value of imports for the period 1<sup>st</sup> April 2021 to 31<sup>st</sup> March 2025.
6. India and Korea signed a free trade agreement (CEPA) in 2009 to reduce or eliminate customs duties on certain goods. Under this agreement, imports of the product under consideration from Korea have enjoyed

progressively lower tariffs, with the basic customs duty completely eliminated by 2017 as can be seen from the following table.

SN	Year	Duty applicable on imports from Korea
1	2010	10.94%
2	2011	9.38%
3	2012	7.81%
4	2013	6.25%
5	2014	4.69%
6	2015	3.13%
7	2016	1.56%
8	Since 2017	0.00%

## D. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

### D.1. Views of other interested parties

7. The other interested parties have made the following submissions with regard to the scope of the product under consideration and like article.

- i. DOTP and DEHCH are two distinct products and cannot be used interchangeably.
  - a. DEHCH has lower viscosity as compared to DOTP which impacts mixing time, dispersion behaviour, and blending efficiency. Further, DEHCH demonstrates superior cold-flex properties and performs differently in demanding applications involving human contact or exposure to oils and solvents.
  - b. DEHCH is a value-added, export-oriented specialty product and is not a competitor to the general-purpose plasticizers (DOTP). Its use has allowed flooring manufacturers to increase filler loading and reduce formulation costs, resulting in improved production efficiency and enhanced export competitiveness in the U.S. and European markets.
  - c. Diethylhexyl cyclohexane (“DEHCH”) is Hanwha’s patented hydrogenated plasticizer and Hanwha is the only large-scale manufacturer of DEHCH. The domestic industry not capable to produce DEHCH and does not have the appropriate technology for production and commercial sale.
  - d. DEHCH is produced by adding hydrogen after the production of DOTP.
  - e. DEHCH and DOTP are different products evident from the fact that DEHCH does not contain aromatic ring in its chemical structure and exhibits a lower viscosity than DOTP, allowing processors to reduce the amount of viscosity reducer and increase filler loading. Further, DEHCH demonstrates significantly lower migration than DOTP.
  - f. DEHCH is free from phthalate structures and complies with major international environmental regulations, including EU RoHS, REACH (non-SVHC), and US FDA CFR 21. It provides better resistance to UV degradation, while DOTP needs additional UV absorbers.
  - g. DEHCH is used in specialised industries such as premium flooring and wall covering, synthetic lather for baby and food contact products, medical and healthcare products, eco-compliant consumer goods and high-performance PVC compounds.
  - h. The CAS numbers and HS Codes of DOTP and DEHCH is different.
  - i. DEHCH is sold at higher prices as compared to DOTP. Further, the cost of production of DEHCH is higher than that of DOTP.
  - j. The prices of sale by Hanwha would reveal that DEHCH is always sold at higher prices.
  - k. DOTP is not a substitute for DEHCH in terms of bleeding rate, which is 50% lower for DEHCH than DOTP. This makes DEHCH commercially viable for artificial leather use.

- l. Use of DOTP is limited in the footwear segment and DEHCH is being used due to its faster fusion speeds. Further, usage of DOTP for wallpaper leads to quality issues.
- m. The technical data sheets relied upon by the domestic industry show that DEHCH is different from DOTP.
- ii. The previous investigations, such as in Elastomeric Filament Yarn, PVC Paste Resin and Hot Rolled Products, patented products, higher priced products and non-substitutable products have been excluded.
- iii. In the anti-dumping investigation into imports of DOTP conducted by the USA, DEHCH was not included in the product scope. In case, DEHCH was commercially interchangeable product, the domestic industry in the USA would have claimed the same within the scope of the product under consideration.
- iv. DEHCH imported from Korea is not substitutable with the product of the domestic industry, evident from the independent substitutability report issued and communication of users with the domestic industry. Trial substitution of DEHCH with product (KANATOL 8020) of the applicant did not satisfy the benchmarks.
- v. The written submissions filed by various users show that they do not consider DOTP and DEHCH to be directly competitive products.
- vi. Since the applicant claims to manufacture directly competitive product, an analysis is to be undertaken for developments in phthalate-based plasticizers as such products are also directly competitive products.
- vii. The quality of products produced by the domestic industry does not meet the quality requirements for medical device producers as evident from the communications.

## D.2. Views of the domestic industry

8. The domestic industry has made the following submissions with regard to the product under consideration and like article:
  - i. The applicant has produced both DOTP and DEHCH. DEHCH has been consumed captively. The DOTP produced by the applicant is identical to the imported DOTP and is directly competitive to the imported DEHCH. Thus, the applicant has produced the like good or directly competitive goods to the imported product under consideration.
  - ii. DOTP is a directly competitive product of DEHCH.
    - a. Both DOTP and DEHCH have similar physical, mechanical, electrical and rheological properties and substitute each other easily. Further, both are used by the same set of customers.
    - b. No user of DEHCH has claimed that DOTP cannot be used for the same downstream product.
    - c. DOTP and DEHCH are used in the same applications which is evident from Hanwha's own technical data sheet.
    - d. Contrary to the claims of the interested parties, the import prices of DOTP and DEHCH are in tandem and are comparable.
    - e. The same set of users have imported DEHCH and have bought DOTP from the domestic industry.
    - f. Hanwha has patented its production process and not the product itself. The domestic industry has produced DEHCH. Further, DEHCH is also produced by certain producers in China and Taiwan.
    - g. DEHCH is only a hydrogenated form of DOTP. DEHCH is produced only by adding hydrogen which is not a significant process. This is also evident from the fact that the import prices of DOTP and DEHCH are comparable.
    - h. A product which is used as an input and processed into another product can be considered as part of the product under consideration as seen in the anti-dumping investigation into imports of Glass Fibre from Bahrain, China and Thailand.
    - i. The CAS No. and HS Codes do not indicate that the two products are different. The Authority considers HS Code is only indicative and not binding on the scope of the product under

- consideration. The scope of the product under consideration may include multiple products with different CAS numbers.
- j. The claim of the other parties that DEHCH allows easier mixing and faster fusion than DOTP indicates that the two are interchangeable.
  - k. Contrary to the unsubstantiated claims of the other parties, majority of the footwear industry uses DOTP and not DEHCH.
  - l. The product exclusions granted in the Elastomeric Filament Yarn and PVC Paste Resin are of products which did not compete with the like article sold by the domestic industry and such products were priced higher than the subject goods.
  - m. Reliance of other parties on safeguards investigation for Hot Rolled Flat Products of Stainless Steel of 304 grades is incorrect as the products in the present case are substitutable. In investigation concerning Hot Rolled Flat Products of Stainless Steel, HR steel and CR steel were considered as one product.
  - n. The fact that USA has not included DEHCH in its anti-dumping investigation does not mean the Indian Authority cannot include the same. The interested parties have not claimed that there were imports of DEHCH in USA and then the same were excluded.
  - o. Many products share a chemical lineage, and yet serve distinct markets, such as IIR and HIIR.
- iii. The independent substitutability report and communications in this regard have not been disclosed to the domestic industry, preventing domestic industry from defending its interest. In view of multiple blends produced by the domestic industry, it is not appropriate to consider that a single blend, KANATOL 8020 is not substitutable and DEHCH should be excluded.
  - iv. Even if DEHCH produced by the domestic industry is not considered, the DOTP produced by it is a commercially and technically substitutable product and DEHCH cannot be excluded.
  - v. Phthalate plasticizers are not directly competitive products to DOTP and DEHCH as evident from the fact that the subject goods are phthalate free while DINP is phthalate-based plasticizer. Further, there are differences in the raw material, acid source as well as carbon chain of subject goods and DINP.
  - vi. While DOTP and DEHCH are BIS compliant products suitable for use in footwear, DINP is not approved for footwear applications. The two are distinct as per BIS also.
  - vii. In case phthalate plasticizers were competitive to non-phthalate plasticizers, there would be no need to develop and produce non-phthalate plasticizers.

### D.3. Examination by the Director General

9. At the time of initiation of the present investigation, the Director General considered the following as the scope of product under consideration.

*“The product under consideration is Non-Phthalate Plasticisers in the form of Dioctyl Terephthalate (DOTP) and Diethylhexyl cyclohexane (DEHCH). Dioctyl Terephthalate is also known as Di-(2-ethylhexyl) 1,4 benzene di carboxylate or DOTP. Diethylhexyl cyclohexane is also known as Bis(2-ethylhexyl) cyclohexane-1,4-dicarboxylate or DEHCH. DOTP is an organic compound with the chemical formula  $C_{24}H_{38}O_4$ . The product can be identified by the CAS No. 6422-86-2. It is a diester of terephthalic acid and the branched-chain 2-ethylhexanol. DEHCH, having the chemical formula of  $C_{24}H_{44}O_4$ , can be identified by the CAS No. 84731-70-4. It is a hydrogenated form of DOTP.*

*Non-phthalate plasticisers are of several types such as Dioctyl Terephthalate, Diethylhexyl cyclohexane, Diisononyl cyclohexane-1,2-dicarboxylate (DINCH), 1 Dibenzoates and Isosorbide diesters etc. However, only two types of non-phthalate plasticizers are included in the product scope, namely Dioctyl Terephthalate (DOTP) and Diethylhexyl cyclohexane (DEHCH).”*

10. The DG notes that the interested parties have sought exclusion of DEHCH, stating a number of reasons. The DG therefore first examines whether DEHCH is rightly included within the scope of the product under consideration (PUC).
11. The DG notes that the primary requirement for inclusion of a product within the scope of the PUC is whether the domestic industry has offered like or directly competitive article to product that has been imported.
12. Before considering the submissions of the interested parties, it is relevant to consider the product that is produced by Hanwha and that has been exported to India, describing the same as DEHCH. It is noted from the information on record that Hanwha has provided details of its product, and production process. It is seen that Hanwha first produces DOTP and thereafter hydrogenates the same into DEHCH. In other words, the primary product produced by Hanwha is DOTP.
13. Article 2.21 of the Agreement and Rule 2(b) of the Rules 2017 provides for the following.

*Article 2.21*

*“domestic industry means the producers **as a whole of the like or directly competitive goods** operating in the territory of a Party, or those whose collective output of the like or directly competitive goods constitutes a major proportion of the total domestic production of those goods;”*

*“Rule 2. Definitions-*

*(b) "domestic industry" means the producers –*

*(i) **as a whole of the like or directly competitive goods** operating in the territory of India;*

*(ii) or whose collective output of the like or directly competitive goods constitutes a major proportion of the total domestic production of those goods;”*

14. With regard to the requirements concerning the definition of product under investigation and the like or directly competitive products, the Director General notes that the Agreement does not impose any specific requirement with regard to the manner in which the product under investigation may be defined. While the present investigation is under the CEPA and Bilateral Safeguard Rules, the Director General finds that reference may be made to the WTO decisions in the context of Agreement on Safeguards, to understand the requirements pertaining to definition of the product under investigation, like article or directly competitive article. In this regard, in the case of Dominican Republic - Safeguard Measures on Imports of Polypropylene Bags and Tubular Fabric, the Panel noted that Agreement on Safeguards does not impose specific obligations with respect to the definition or the scope of the product under investigation. Specifically, the Panel found that two different products may be included in the same product scope in a safeguard investigation.

*“7.181 The complainants claim that the Commission's explanation was not adequate or reasoned. They base their assertion on the premise that the product under investigation can only include products that are “like” and point out in this respect that the facts of the investigation show that tubular fabric and polypropylene bags are not the same product. Nevertheless, the complainants fail to identify the legal impediments that should have prevented the competent authorities from considering tubular fabric and polypropylene bags as part of the product under investigation and observing the trends in the two products “in conjunction”. The complainants assert that “it has not been suggested that there must be a comparison of likeness or competitive relationship between the input and the end-product for the purpose of defining the imported product under investigation”. However, the premise on which the argument of the complainants is based is that the Commission was under the obligation to provide an explanation of why two separate products were treated as the product under investigation in the same proceeding. The Panel cannot find a basis for this premise in the text of the Agreement on Safeguards. The complainants have not identified any provision in the Agreement that restricts the inclusion of imported products within the scope of an investigation solely to those products that are like or directly competitive with each other. As already noted, the Agreement on Safeguards does not impose specific obligations with respect to the definition or the scope of the product under investigation. In these circumstances, the Panel considers that the complainants have failed to show why the explanations of the competent authority concerning the product under investigation were not adequate and reasoned.*

*7.182 In conclusion, the Panel considers that the complainants have failed to show that, by including polypropylene bags and tubular fabric in the definition of the product under investigation, the Commission acted inconsistently with Articles 3.1, last sentence, and 4.2(c) of the Agreement on Safeguards, or that, consequently, the definition of the domestic industry was in this respect inconsistent with Articles 4.1(c), 3.1, last sentence, and 4.2(c) of the Agreement on Safeguards.”*

15. In the same case, the Panel further noted as under with reference to “like or directly competitive” product.

*“7.191 The text of Article 4.1(c) of the Agreement on Safeguards establishes that the domestic industry has to be defined by reference to “products” that are “like or directly competitive” with respect to the imported product. There is nothing in the text of this provision that allows the domestic industry to be defined on the basis of a limited portion of these products. If a product is like or directly competitive with respect to the imported product, that product must be considered for the purposes of defining the domestic industry. Support for this interpretation can be gained by reading Article 4.1(c) of the Agreement on Safeguards within the context of Article 4.1(a). In particular, the determination of the domestic industry in terms of a portion of the “like or directly competitive products” could fail to establish the existence of a determination of significant overall impairment of the domestic industry as required by Article 4.1(a) of the Agreement on Safeguards. In the present case, the directly competitive domestic product was defined on the basis of a portion of the “like or directly competitive products”.*

...

*7.199 For these reasons, the Panel considers that, in excluding from the definition of the directly competitive domestic product certain like or directly competitive products and, ultimately, producers of the like or directly competitive product, the determination of the domestic industry made by the competent authorities is inconsistent with the obligations contained in Article 4.1(c) of the Agreement on Safeguards.”*

16. From the aforesaid decision, it follows that while there is no requirement that the scope of product under consideration be defined in a particular manner, the scope of domestic industry must be defined in a manner as to include “like or directly competitive” product. Specifically, the scope of product under consideration may include two products, and the scope of domestic industry shall be determined accordingly. Since the provisions under the CEPA and Bilateral Safeguard Rules are comparable in this regard to the provisions of Agreement on Safeguards, the principles laid down hereinabove are also relevant to the present case.
17. In the present case, the other interested parties have claimed that DEHCH is distinct from DOTP, in terms of physical and chemical properties. The applicant has also not claimed that the physical and chemical properties of the two products are identical and the two are like product. It is, therefore, noted that DOTP and DEHCH are not like article. However, the same does not preclude the two from being treated as a part of the same product under consideration, in accordance with the principles noted hereinabove, which requires the DG to determine whether the domestic industry has offered directly competitive product.
18. The next question that arises in this regard is whether the applicant has produced like or directly competitive product to the imported product. As per the information on record in the form of production records of the industry, the applicant has produced both DOTP and DEHCH in the most recent period. While the applicant has sold DOTP in the market, DEHCH has been captively consumed by it. It has not been disputed that the DOTP produced by the applicant is comparable to the imported DOTP. Therefore, the applicant has produced like article, that is, a product having identical characteristics to the imported DOTP, and constitutes a domestic producer of like article for DOTP. As regards DEHCH, the applicant has submitted production records showing production of DEHCH as well.
19. Further, the applicant has contended that the DOTP produced by it is a directly competitive product of DEHCH. The Authority has examined information placed on record by various interested parties in this regard. Information given by Hanwha with regard to exports to India, information given by the applicant, other supporting producers and import data, was also analysed for this purpose. Conclusion of the same are brought out hereinbelow.

20. The interested parties have contended that DEHCH is better suited for certain applications as compared to DOTP. The applicant has explained that since DEHCH is a hydrogenated form of DOTP, both DOTP and DEHCH exhibit almost similar physical, mechanical, electrical and rheological properties. Due to the fact that both DOTP and DEHCH demonstrate similar properties, the two are easily substitutable in different applications, such as, production of toys, flooring, wall coverings, wire and cable insulation, etc. The applicant submitted its own technical data sheets as well as that of LG Chem Ltd. and Payal Group for DOTP and of Hanwha for DEHCH. Further, the applicant submitted a summary of importers of DEHCH, identifying the application for which DEHCH has been imported and provided details of its own supplies of DOTP for the same application.
21. The above information shows that DEHCH is used for footwear, leather cloth, artificial leather for shoes and upholstery, PVC pipes, films and cables, coir mats (flooring), medical equipment, toys, food contact material, vinyl tile applications, wallpaper and such applications. DOTP is used for compound, tiles, deco sheet, flexible sheet, hose, artificial leather, medical equipment, toys, footwear, wires and cables, walls and flooring, pipes, carpets, and such applications. Further, the information provided reveals that multiple importers of DEHCH, constituting about 90% of the imports of DEHCH as per estimates of the applicant, have also procured DOTP domestically or through imports. Therefore, it is noted that products can be used interchangeably in major applications.
22. The applicant has also identified the application where each importer is known to use DEHCH and provided information showing that it has also supplied DOTP for the same application. In particular, the applicant has shown that DEHCH has been imported for use in footwear, artificial leather, PVC pipes, films and cables, flooring and medical equipment. The applicant has provided invoices showing supply of DOTP to producers of artificial leather, walls and flooring, wires and cables, footwear, and toys. Further, in response to the claim of the user Poly Medicure Limited that DOTP provided by applicant could not be used for making medical devices owing to poor quality, the applicant provided written communications from several users testifying that they were able to use the DOTP supplied by the applicant in medical devices without any concern. The applicant also demonstrated that its affiliate, \*\*\*, was supplying compound produced using DOTP supply by the applicant to \*\*\*, an affiliate of \*\*\*.
23. Hanwha Chemicals has marketed DEHCH as a substitute for DOTP due to “its better performance”. While DEHCH may be a higher quality product, the fact that it is marked as a substitute for DOTP implies that the two nevertheless are used in same applications.
24. The imports data shows that importers of DEHCH are the same users which have purchased DOTP from the applicant or Payal Group, or have imported DOTP.
  - a. \*\*\*
  - b. \*\*\*
  - c. \*\*\*
  - d. \*\*\*
  - e. \*\*\*
  - f. \*\*\*
  - g. \*\*\*
  - h. \*\*\*
  - i. \*\*\*
  - j. \*\*\*
  - k. \*\*\*
  - l. \*\*\*
  - m. \*\*\*
  - n. \*\*\*
  - o. \*\*\*

25. Further, Payal Polyplast Private Limited, a supporter, has also submitted invoices showing sale of DOTP and DEHCH to the same users. The supporter has also explained that the users are single-product company, evidencing that the two plasticizers are being used for the same applications.
- a. \*\*\*
  - b. \*\*\*
  - c. \*\*\*
  - d. \*\*\*
  - e. \*\*\*
  - f. \*\*\*
  - g. \*\*\*
  - h. \*\*\*
  - i. \*\*\*
  - j. \*\*\*
  - k. \*\*\*
  - l. \*\*\*

Thus, the Director General notes that as per the evidence on record both DEHCH and DOTP have been purchased by the same set of consumers in India.

26. The other interested parties have submitted that the CAS No. and HS Codes for DEHCH and DOTP are different and hence, these are two different products. The Director General notes that difference in CAS No. or HS Codes does not imply that the products can no longer be treated as directly competitive products. The other interested parties have not provided any evidence with regard to the fact that such products are used for different purposes and do not compete in the Indian market. Moreover, nothing prevents products with different CAS Numbers from being included within a single scope of product under consideration. In this regard, the Director General notes the final findings issued in the anti-dumping investigation into imports of Certain Antioxidants from China PR and Singapore, F. No. 6/23/2024 – DGTR dated 23<sup>rd</sup> September 2025, wherein products with 5 different CAS numbers have been considered within the scope of the product under consideration. As regards differences in HS Codes, it is the consistent practice that HS Classification is only considered as indicative and is not binding on the scope of the product under consideration. Moreover, there have been multiple investigations where products imported under different HS codes formed part of the same product under consideration.
27. With regard to the submissions that DEHCH is a downstream product and DOTP is the raw material for the same, the Director General notes that production of DEHCH requires hydrogenation of DOTP. It is noted that DOTP and DEHCH are not like article. However, in case the safeguard measures are imposed only on imports of DOTP, the imports of DEHCH shall increase, directly substituting the DOTP produced by the domestic industry. It is not even the argument of the interested parties that DEHCH cannot be used in various applications where DOTP is used. Such being the case, invoking safeguard measures on imports of DOTP alone to address the damage being suffered by the domestic industry of DOTP shall be totally redundant exercise. In any case, the domestic producers have provided names of the consumers who have used both DOTP and DEHCH for same application.
28. The interested parties have contended that the price of DEHCH is much higher than the price of DOTP. However, the Director General notes that DEHCH is being imported into India at prices comparable to import price of DOTP. Crucially, during the most recent period, 2024-25, the price of DEHCH is lower than the price of DOTP. Such being the case, it is evident that DEHCH can substitute all the requirements of DOTP and the two are directly competitive products.

Product	Unit	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
DOTP	₹/MT	140,694	127,802	116,135	117,619
DEHCH	₹/MT	149,622	126,488	120,683	116,854
Delta	₹/MT	8,928	-1,314	4,548	-765

29. The DG examined the trends in volume of imports & consumption of the two products.

Korea RP	Import volumes (MT)			
Product	2021-22	2022-23	2023-24	POI
DOTP	3,551	11,064	25,358	29,975
DEHCH	2,932	5,307	9,846	12,182

30. It is further noted that while exporter has made submissions with regard to differences in DOTP and DEHCH, none of the users have disputed that the DOTP supplied by the applicant is being used in direct competition with the imported DEHCH. DG notes that in a situation where the consumers have interchangeably used the two products, and have not demonstrated absence of interchangeability of the two products, the claim of the exporter additionally becomes untenable.
31. The DG also notes that complete interchangeability of the two products in 100% applications is not a requirement to hold the domestic product as like or directly competitive to the imported product. So long as the domestic product is largely competing with the imported product, it must be considered that the domestic product is like or directly competitive article. This is additionally for the reason that the purpose of providing intended relief to the domestic industry would be defeated, if a product is excluded which can be used for the same application as the domestic industry product.
32. In view of the foregoing, the Director General notes that the information and evidence on record show that the applicant has produced like article to both DOTP and DEHCH. However, even if the production of DEHCH by the applicant is not considered, the DOTP produced by the applicant is a directly competitive product to the imported DEHCH. Even though the technical and physical characteristics of the product may differ, they are being used for overlapping applications, by the same set of users. Further, the price of two products has remained comparable over the period, and moved in tandem. Moreover, they are directly competing products, and if DEHCH is excluded from the product scope, the importers would switch imports to the excluded DEHCH, leading to continued injury to the domestic industry and rendering the objective for the investigation futile.
33. The other interested parties have submitted that the US Authority did not include DEHCH in the scope of the product under consideration in the anti-dumping investigation into imports of DOTP. The Director General notes that non-inclusion of a product type by other Authorities do not create an obligation on the Indian Authority to not include the same. In any case, in an anti-dumping investigation, the domestic product must be like article to the imported product. However, a safeguard investigation includes producers of both like and directly competitive product. It has been noted that DEHCH is a directly competitive product to DOTP manufactured and imported from the subject country and accordingly, included in the scope of product under consideration in the present investigation.
34. With regard to the submissions that trial substitution of KANATOL 8020 produced by the domestic industry with DEHCH imported from the subject country does not satisfy the required quality standards for the users, the domestic industry has submitted that it produces a number of blends including KANATOL 8020 and it is not appropriate to compare a single blend with the imported product. In any case, the information noted hereinabove shows that DOTP and DEHCH has been used by the same set of users.
35. The other interested parties have submitted that phthalate based plasticizers such as DINP should also be considered as directly competitive products in the present investigation. The Director General in this regard notes that phthalate based plasticizers cannot be considered directly competitive products to non-phthalate plasticizers in form of DOTP and DEHCH. This is due to the fact that the basic property of the products itself differs since one is phthalate free, while the other contains phthalate. Further, the Director General also notes that the users of the product have participated in the present investigation. The users have submitted that there

is no substitute for the product under consideration and phthalate free products cannot be manufactured using products other than the product under consideration. Thus, phthalate based plasticizers are products not directly competitive with the product under consideration in the present investigation.

36. Further, the Director General notes that the domestic industry has submitted that phthalate free plasticizers do not harm the environment as phthalate plasticizers and hence, the same are preferred for use in plastics used in proximity with human and plants. Such preference for use of non-phthalate plasticizers for certain material shows that phthalate based plasticizers are not directly competitive products to non-phthalate plasticizers.
37. The scope of product under consideration, as defined in the initiation notification, is, therefore, confirmed.
38. The product under consideration is classified under Chapter 29 of the Customs Tariff under HS Codes 2917 20 00 and 2917 39 20. The subject goods are also imported under 2917 13 90, 2917 32 00, 2917 33 00, 2917 39 30, 2917 39 50 and 2917 39 90. The Customs classification is indicative and is not binding on the scope of the product under consideration.
39. The interested parties have also claimed that the quality of the product supplied by the domestic industry does not meet the requirements of manufacturers of medical devices. In this regard, interested parties and the domestic industry have submitted email communications wherein Poly Medicure Limited has raised quality concerns of the purchased materials. In this regard, the domestic industry has provided the sales information for Poly Medicure Limited which shows that the user has regularly purchased the product from the domestic industry. Further, the domestic industry also supplies its product to other producers of medical devices. It is noted that the users have procured the products from the domestic industry. Further, the domestic industry sold a cumulative volume of \*\*\* MT during the period of investigations, which is quite significant from quality perspective. In light of such regularity of supply, and significant volume of sales, the contention that the quality of such products is subpar does not stand. Moreover, the applicant has also provided written communications from users using the DOTP supplied by the applicant for production of PVC compounds for medical devices. The following users have certified that they have been able to use the DOTP supplied by the applicant for manufacture of PVC compounds for medical devices.
  - a. \*\*\*
  - b. \*\*\*
  - c. \*\*\*
  - d. \*\*\*
  - e. \*\*\*
  - f. \*\*\*
  - g. \*\*\*
  - h. \*\*\*
  - i. \*\*\*
40. The applicant has also provided communications for users in for other applications, \*\*\* for flooring, sheeting and artificial leather.
41. Having regard to the observations hereinabove, the Director General holds that the subject goods produced by the applicant are also technically and commercially comparable to the product being imported from the subject country and the consumers use the two interchangeably. Thus, the subject goods produced and sold by the applicant are like article or directly competitive goods to the product imported from the subject country

## **E. SCOPE OF THE DOMESTIC INDUSTRY & STANDING**

### **E.1. Views of other interested parties**

42. The following submissions have been made by the other interested parties with regard to the scope of domestic industry and standing:

- i. The applicant is not the only producer of subject goods in India. If production of Payal and Rachna account for a substantial portion of total Indian production, applicant lacks major proportion required under the Rules.
- ii. WTO Appellate Body in EC – Fasteners and the Delhi High Court in Jindal Poly Films Ltd. v. Designated Authority have observed that selective consideration of certain producers over others would undermine injury examination. The standing must be examined, and the application must be rejected on lack thereof.
- iii. The applicant has not clarified whether KLJ Petroplast Limited is also a producer of the subject goods.
- iv. It should be examined whether the applicant has procured the subject goods from a third party, which in turn has imported the goods.

### **E.2. Views of the domestic industry**

43. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to the scope of domestic industry and standing:
  - i. The application has been filed by KLJ Plasticizer Limited and supported by Payal Plasticochem Private Limited and Payal Polyplast Private Limited.
  - ii. The applicant constitutes a major proportion of the total Indian production and hence, may be considered eligible to constitute domestic industry in the present investigation.
  - iii. It is clarified that KLJ Petroplast Limited has not participated as it is not a producer of subject goods in India.
  - iv. Other than the applicant, there are three other known producers of the subject goods in India, namely, Payal Plasticochem Private Limited, Payal Polyplast Private Limited and Rachna Plasticizers.
  - v. Rachna Plasticizer has only commenced production in the most recent period. There is another producer, IG Petrochemicals which plans to establish production operations for the subject goods.
  - vi. Based on available information, Vinyl Products and Marvel Vinyls may have facilities to produce the subject goods, however, the producers have not produced the subject goods in the present period.

### **E.3. Examination by the Director General**

44. Rule 2(b) of the Bilateral Safeguard Rules defines domestic industry as under:

*“(b) "domestic industry" means the producers –  
 (i) as a whole of the like or directly competitive goods operating in the territory of India;  
 (ii) or whose collective output of the like or directly competitive goods constitutes a major proportion of the total domestic production of those goods;”*

45. The Director General notes that the application for initiation of the present investigation was filed by KLJ Plasticizers Limited. There are three other domestic producers of the subject goods in India, namely, Payal Plasticochem Private Limited, Payal Polyplast Private Limited and Rachna Plasticizers. Payal Group has filed letters supporting the application and requesting for withdrawal of concessions under the Agreement.
46. The domestic industry has submitted that another producer, namely, IG Petrochemicals Limited is setting up plant in India but has not started production of the subject goods in India yet.
47. Rule 2(b) of the rules defines the domestic industry as domestic producers as a whole or those domestic producers whose collective output constitutes a major proportion of the gross domestic production. It is noted that the production of the applicant accounts for \*\*\*% of the Indian production.

Particulars	Unit	Quantity	Share
Applicant	MT	***	60-70
Other Indian Producers	MT	***	30-40

Payal Polyplast Pvt Ltd	MT	***	***
Payal Platichem Pvt. Ltd.	MT	***	***
Rachna Plasticizers	MT	***	***
Total Production of Indian Industry	MT	***	100%

48. The applicant has submitted that two other producers, Vinyl Products and Marvel Vinyls may have production facilities in India but have not produced the subject goods during the investigation period. The other interested parties have also not provided any evidence to show production of the two producers. The Authority has also sent intimation to the two entities. However, no response has been received from the same. Hence, as per the information on record, the Director General has not considered Vinyl Products and Marvel Vinyls as domestic producers of the subject goods.
49. As regard the request for clarification regarding whether KLJ Petroplast Limited is a domestic producer of the subject goods, the applicant has confirmed that KLJ Petroplast Limited does not produce the subject goods.
50. The other interested parties have claimed that the applicant is not the sole producer, and other producers account for significant portion of the total Indian production. In this regard, it is noted that the applicant constitutes \*\*\*% of the Indian production. Having regard to the same, it is noted that the applicant constitutes a major proportion. The Authority further notes that the application has been supported by Payal Polyplast Private Limited and Payal Platichem Private Limited. The applicant together with the supporters constitute almost entirety of the Indian production. Having regard to the share held by the applicant, the Director General finds that the applicant constitutes a major proportion of the total Indian production, and constitutes domestic industry under Rule 2(b).

## **F. CONFIDENTIALITY**

### **F.1. Views of other interested parties**

51. The following submissions have been made by the other interested parties with regard to confidentiality:
- i. The applicant has claimed excessive confidentiality over performance parameters, demand, production and share of domestic producers, adjustment plan and period, duration and reasons of plant shutdown, without providing a meaningful summary of the same. Such claims have violated Rule 7 and prevented other interested parties to make submissions. Director General must direct the applicant to provide a revised non-confidential application.
  - ii. Confidentiality cannot be automatically granted and should be based on thorough scrutiny as held in Sterlite Industries (India) Ltd. v. Designated Authority.
  - iii. A summary of transaction-wise import data must be provided. Imports details from subject and non-subject sources must be verified for the injury examination.
  - iv. As regards the comments on confidentiality raised by the domestic industry, it is noted that the scope of is only anti-dumping investigations. It must be first determined whether the applicability of Trade Notice 10/2018 extends to the present bilateral safeguard investigation.

### **F.2. Views of the domestic industry**

52. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to confidentiality:
- i. Excessive confidentiality has been claimed by users in violation of Trade Notice 10/2018. The users have failed to provide the product catalogue, details of shareholders and related companies, production process and details of factories.
  - ii. The users have failed to even provide their estimated share in downstream market in range.

- iii. Details regarding competitive advantage to the foreign producers viz-a-viz the domestic industry cannot be confidential information and excess confidentiality claimed has prevented the domestic industry from rebutting any such claims.
- iv. Users have failed to disclose the aggregate details of capacity, production, consumption and imports in the economic interest questionnaire despite such aggregate figures being consolidated and not of one user. Users have not shown any prejudice to have been caused in case of disclosure of such information.
- v. The confidentiality comments raised by other interested parties are belated and vague.
- vi. The details of plant shutdown have been claimed confidential as disclosure of the same would adversely impact the interest of the domestic industry. Merely because information has been claimed confidential does not mean that the application lacks sufficient evidence.
- vii. The demand has been claimed confidential as, for first three years of injury period, the same is based on sales of the domestic industry and the Payal Group. Disclosure of demand would lead to inter-se disclosure of sales of one group to the other and adversely impact the interest of the applicant.
- viii. The communications of the domestic industry with PolyMedicare have been claimed confidential despite such communications pertaining to the domestic industry.

### F.3. Examination of the Director General

53. Rule 6 of the Rules deals with the confidentiality of information.

*6. Confidential information -*

*(1) Notwithstanding anything contained in sub rules (1), (3) and (7) of rule 5, sub-rule (2) of rule 8 and sub-rule (5) of rule 10, any information which is by nature confidential or which is provided on a confidential basis shall, upon cause being shown, be treated as such by the Director General and shall not be disclosed without specific authorisation of the party providing such information.*

*(2) The Director General may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of the party providing such information, the same cannot be summarised, such party may submit to the Director General a statement of reasons why summarisation is not possible.*

*(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the Director General is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is unwilling either to make the information public or to authorise its disclosure in a generalised or summary form, he may disregard such information unless it is demonstrated to his satisfaction from appropriate sources that such information is correct.*

54. The information provided by all the interested parties on a confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Director General has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to the other interested parties. Wherever possible, the parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
55. A list of registered interested parties was uploaded on the DGTR's website along with the request therein to all of them to email the non-confidential version of their submissions to all the other interested parties.
56. As regards, confidentiality claimed over performance parameters it is noted that the domestic industry consists of a single producer and the disclosure of such information would cause disclosure of confidential information of the company. The performance parameters, adjustment plan, and shut down details are business sensitive information of the domestic industry. Further, the domestic industry has provided the non-confidential summary of the information claimed confidential and provided all relevant information in indexed form. A non-confidential summary of the adjustment plan has also been provided. The domestic industry has also

clarified that there were no shutdowns due to raw material shortage in the most recent period. In view of the same, the claims of confidentiality of the domestic industry in this regard are accepted.

57. The other interested parties have submitted that the domestic industry has failed to disclose the demand in India. It is noted that during the first three years of the injury period, the Indian industry only comprised of the applicant and the Payal Group. Disclosure of demand for such period would be prejudicial to the business interests of the applicant and the supporter. In view of the same, the Director General has accepted the confidentiality claim in this regard. It is further noted that the demand has been shared on indexed basis.
58. With regard to the submissions that a summary of transaction-wise import data must be provided, the Director General notes that a summary of imports has been provided in the application. Further, the Director General has relied upon DGCI&S data for the purpose of the present investigation.

## G. MISCELLANEOUS

### G.1. Views of other interested parties

59. The following miscellaneous submissions have been made by the other interested parties:
- i. The measures cannot be imposed or maintained post expiry of the transition period. The phrase “during the transition period only” refers to the right to impose or continue measures. The measures can be imposed for a maximum of 6 months post which the transition period will expire irrespective of the domestic industry submitting a restructuring plan for a period of 2 years.
  - ii. The use of the word “during” implies that the transition period imposes the temporal boundary, within which the measure may be applied.
  - iii. The measures cannot be maintained post transition period is also evident from the use of word “apply” instead of “recommend” or “impose” or “initiate” in Rule 14. Under Article 7.1 of the Agreement on Safeguards, word “apply” is also used for duration of measures. Imposition of a measure on last day of the transition period and applying the same beyond the transition period would nullify limitation under Article 2.22.
  - iv. Considering the timeline of the investigation according to the Rules, the findings would only be issued in May 2026 and implemented by August 2026. If, recommended, this will only result in measures for 3-4 months, making the investigation futile and redundant.
  - v. The interpretation of the domestic industry would effectively reopen the tariff concessions negotiated under the agreement and undermine the stability of the treaty framework.
  - vi. The word “may” has been used in the context of choice of imposition of measure, and not in allowing discretion in terms of when the measure may be imposed.
  - vii. The application filed is not in accordance with the requirement of law as the domestic industry has not provided the fair market price expected and basis thereof. As a result, no recommendation can be made for imposition of measure adequate to remedy serious injury to the domestic industry.
  - viii. The measure recommended should not exceed the injury margin.
  - ix. Different import prices have been provided in different paragraphs of the application.
  - x. Increase in trade pursuant to the India-Korea CEPA is intentional and in spirit of the CEPA. Increase in trade cannot be considered as a basis of imposition of bilateral safeguard measures.
  - xi. The adjustment plan provided by the domestic industry only provides general intentions to improve efficiency and does not provide measures for stabilising operations, quantified restructuring roadmap, identifiable capital investment schedule, cost-reduction targets, and performance benchmarks. An explanation has to be provided how the measures would enable adjustment. The adjustment plan must be evaluated for credibility and proportionality with measures sought.
  - xii. The investigation must be terminated. In the event the investigation is continued, no provisional measures must be requested.

**G.2. Views of the domestic industry**

60. The following submissions have been made by the domestic industry in response to the contentions of the other interested parties:
- i. Interpretation of other parties that any measure imposed would only be in effect for the duration of the transition period is incorrect. The Agreement provides that measures may be imposed only before the expiry of the transition period and do not dictate the duration of measures. The provisions do not state that the measures cannot be imposed post expiry of transition period.
  - ii. The obligation of the Government under the CEPA is to impose measures within transition period. The Agreement does not bar the Government from continuing the measures after the transition period.
  - iii. The application proforma used by the applicant is for general safeguards and accordingly, only information relevant to bilateral safeguards has been provided in the application.
  - iv. The domestic industry has requested withdrawal of concessions to the MFN level to increase the price to the fair market price.
  - v. There is an inadvertent error in providing the correct import price at one place in the application. Had the issued been raised at an early stage the same would have been clarified by the domestic industry. In any case, the Authority considers import price based on DG systems data.
  - vi. As opposed to the submissions of the other interested parties, it is not the intention of CEPA to lead to increase in imports in such quantities and under such conditions and prices that cause serious injury to the domestic industry. This is evident from the fact that CEPA includes a provision for imposition of bilateral measures.
  - vii. There is no legal provision which requires an adjustment plan to include stabilising operations, quantified restructuring roadmap, identifiable capital investment schedule, cost-reduction targets, and performance benchmarks. On the other hand, the WTO Panel in Korea – Dairy held that there is no requirement for a specific adjustment plan.

**G.3. Examination by Director General**

61. The present investigation was initiated by the Director General based on a duly substantiated application, after reaching a prima facie satisfaction that there was sufficient evidence of increased imports causing serious injury to the domestic industry. Further, subsequent to the initiation, information has been sought from all the interested parties to the extent deemed necessary.
62. A number of interested parties have submitted that the measures in the present investigation cannot be imposed or maintained post the transition period and thus, can be in force only for a short period of the time. In this regard, Article 2.22 of the Agreement states as follows.

*“Article 2.22: Bilateral Safeguard Measures*

**During the transition period only**, if as a result of the reduction or elimination of a customs duty under this Agreement, an originating good of the other Party is being imported into the territory of a Party in such increased quantities, in absolute terms or relative to domestic production, and under such conditions that the imports of such good from the other Party alone constitute a substantial cause of serious injury or threat thereof to domestic industry producing a like or directly competitive good, **the Party may:**

- (a) suspend further reduction of any rate of customs duty on the good provided for under this Agreement; or
- (b) increase the rate of customs duty on the good to a level not to exceed the lesser of:
  - (i) the MFN applied rate of customs duty on the good in effect at the time the measure is taken; and
  - (ii) the MFN applied rate of customs duty on the good in effect on the day immediately preceding the date of entry into force of this Agreement.”

63. Article 2.23 of the Agreement provides the conditions and limitations that shall apply to an investigation or a measure described Article 2.22. As per clause (g) of Article 2.23, the measure imposed may be maintained for

a period of upto two years, or such duration as may be necessary to remedy serious injury and to facilitate adjustment.

*“(g) no measure shall be maintained:*

*(i) except to the extent and for such time as may be necessary to remedy serious injury and to facilitate adjustment; or*

*(ii) for a period exceeding two years, except that in exceptional circumstances, the period may be extended by up to additional two years, to a total of four years from the date of first imposition of the measure if the investigating authorities determine in conformity with procedures set out in subparagraphs (a) through (f), that the safeguard measure continues to be necessary to prevent or remedy serious injury and to facilitate adjustment and that there is evidence that the industry is adjusting;”*

64. Therefore, while bilateral safeguard measures are invoked under Article 2.22, and the same is subject to the transition period; the measures once imposed are maintained under Article 2.23(g). Article 2.23(g) does not provide that the measures may be maintained only during the transition period. Therefore, once a measure has been imposed during the transition period under Article 2.22, it may be maintained for such period, as may be necessary to remedy serious injury and to facilitate adjustment, with a maximum duration of two years. The interested parties have not shown any basis for reading the provisions concerning transition period into Article 2.23(g).
65. Interested parties have submitted that the domestic industry has not provided information with regard to a fair market price. It is noted that the present investigation is a bilateral investigation wherein the relief sought is withdrawal of concessions and not imposition of safeguard duties. Hence, there is no requirement for providing information with regard to fair market prices. No injury margin is required to be determined in the present case. In any case, the domestic industry has submitted that the prices are unfair to the extent of concessions given under the Agreement.
66. With regard to the submissions that the present investigation is against the spirit of the India-Korea CEPA, the Director General notes that the spirit of CEPA is not to cause serious injury to the domestic industry in either of the countries due to increase in imports under such conditions. While the spirit of the Agreement is to enhance trade and provide better market access to producers in each country, such increase in imports cannot be at the expense of the domestic producers in the respective countries. Further, the provisions for imposition of bilateral safeguards have been incorporated in the CEPA with the intent to ensure that in case the concessions allowed lead to an increase in imports, causing serious injury to the domestic industry of the importing country, appropriate remedy may be administered.
67. As regards the concerns raised regarding the adequacy of adjustment plan, it is noted that the adjustment plan provided on confidential basis includes relevant details. Further the effect of re-imposition of the Custom Duty has also been provided by the domestic industry. Thus, adjustment plan has been examined for adequacy and accuracy.

## **H. INCREASE IN IMPORTS**

### **H.1. Views of other interested parties**

68. The following submissions have been made by the other interested parties with regard to increase in imports:
- i. Bilateral safeguards have a narrower applicability than global safeguards under WTO law. The usage of terms “is being imported into” and “in such increased quantities” in Article 2.22 of CEPA makes implies that the Director General is required to assess sudden surge in imports rather than historical trends over extended period like four years. This also runs in consonance with the interpretation of “recent imports” and “in such increased quantities” under Agreement of Safeguards as observed in WTO Appellate Body in Argentina – Footwear (EC). But in the present case, the increase in imports is gradual and not sudden.

- ii. Imports must be examined since 2017-18 which will show that the imports have not increased due to elimination of Basic Custom Duty. In previous safeguard investigations, the Director General has examined data for past period as well, to examine import trends.
- iii. The imports have declined initially from 2017-18 and increased only from 2022-23. The fact that imports remained depressed for four long years under the same zero-duty regime breaks any link between tariff reduction and the alleged increase in imports.
- iv. The DGFT database for HS Code 2917 3920 shows imports have not increased since elimination of duties in 2017. Imports in most recent period are lower than imports in 2017-18. The condition of increase in imports as a result of duty concessions is not met.
- v. The data at 6 digit level shows that the value of imports in ₹ crores has not increased since 2017-18, and has rather fluctuated.
- vi. The increase in imports beginning in 2022-23 is due to the Quality Control Order (QCO), which capped phthalate content at less than 500 mg/kg, forcing downstream manufacturers to migrate from traditional phthalate plasticizers such as DOP to non-phthalate alternatives like DOTP and DEHCH.
- vii. Even if DGCI&S information shows increase in imports in the investigation period, such increase is not due to elimination of duties.
- viii. The application has not provided any information on the decline in imports from 2017-18 to 2021-22 and how such decline does not impact the causal link between elimination of duties and increase in imports.
- ix. Based on the requirement to examine sudden and recent increase in imports, imports must be examined from 2022-23 instead of 2021-22. Further, 2022-23 is appropriate as base year since the change in regulations has caused an increase in demand only from 2022-23.
- x. It cannot be assumed that imports from other countries did not increase due to absence of Customs duty. It should be examined whether there is sufficient capacity in Taiwan or Malaysia for the product to be imported in increased quantities from these countries.
- xi. The rate of increase in imports from 2022-23 is equal to rate of increase in demand.
- xii. Even if 2021-22 is considered, the exports from Korea to India is in line with its exports to other countries.
- xiii. The increase in imports is not sudden and was foreseeable due to phased elimination of duties under CEPA. There is no need for emergency action.
- xiv. Increase in imports is due to increase in demand which has not been fulfilled by the applicant due to capacity/time lags.
- xv. The elimination of duty under the CEPA is not sudden and the applicant had sufficient time to prepare for the competition.
- xvi. The domestic industry failed to establish a relationship between elimination of tariffs under CEPA and increase in imports. The Panel in US – Steel Safeguards held that there should be a logical connection between unforeseen development and increase in imports.
- xvii. The applicant has failed to establish a causal link between injury in 2024-25 and elimination of tariff in January 2017. No information has been provided regarding imports since January 2017 and developments post elimination of duty.
- xviii. The applicant has suppressed the information that it has started production of subject goods from 2020 onwards with the complete knowledge of no Customs duty on imports from Korea and increase in demand due to measures like Registration, Evaluation, Authorisation, and Restriction of Chemicals, designed to protect human health and the environment while regulating chemical use across industries Regulations (“REACH Regulations”) and Environmental, Occupational Health, and Safety (EOHS) guidelines (“EOHS Guidelines”) which require imports as there was no production of non-phthalate plasticizers in India.
- xix. The imports have also increased as a result of shutdowns faced by the domestic industry on account of shortage of raw material, cleaning of reactors, maintenance and change in product mix.
- xx. The increase in imports from 2022-23 is due to issuance of Quality Control Order mandating use of non-phthalate plasticizers for certain footwear applications and not due to elimination of duty.

- xxi. The increase in imports of DEHCH is due to technological and supply constraints faced by producers in India which is available with only a few producers globally.
- xxii. Imports have increased in light of growth in demand due to evolution of downstream industry.
- xxiii. The imports have increased after 4-8 years of elimination of duties, and such increase cannot be attributed to elimination of duties. The tariff was eliminated in 2017 and the consumers in India have since then made long term arrangements and contracts with established pricing structures, and sourcing decisions.
- xxiv. The subject imports have increased as Hanwha Solutions Corporation has developed and commercialized DEHCH which is not developed by any other producer.
- xxv. The imports from Korea declined significantly post elimination of tariff concessions.
- xxvi. Before regulatory changes, Dioctyl Phthalate (“DOP”) was imported in large volumes. Considering this, the import information for DOP and DOTP shows that imports have not increased in India since 2017-18.

## H.2. Views of the domestic industry

69. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to increase in imports:
- i. The subject imports have increased in absolute and relative terms, pursuant to the reduction in Custom Duty.
  - ii. The subject imports have increased from 6,500 MT to 40,000 MT and increased by more than 500% during the injury investigation period.
  - iii. Contrary to the claims that imports trends should be seen from elimination of duty, in the bilateral safeguard investigation into imports of Ferro Molybdenum from Korea, the Director General held that there is no requirement for a consistent and continuous increase in imports.
  - iv. The argument that injury must be linked with the elimination of duty in 2017 makes the provisions regarding transition period redundant. The provision of the transition period is to allow parties to seek redressal any time during the transition period and not just after tariff elimination.
  - v. The subject imports have increased by 147% in relation to production, despite a 15% increase in Indian production, in the period of investigation. Had there been no such increase in production, the increase in imports in relative terms would have been much higher.
  - vi. The subject imports have increased by 522%, while the demand has only increased by 247% in the investigation period.
  - vii. Increase in imports cannot be justified by the increase in demand since the domestic industry has sufficient capacities to cater to demand.
  - viii. The footnote to Article 2.22 provides that measures may be imposed on imports from Party to the CEPA only when increase in imports from the subject country has caused injury and increase in imports from other countries has not caused injury to the domestic industry. Contrary to the argument of other parties, reliance cannot be placed on the term “alone” in isolation to the rest of the footnote. In the present case, only imports from Korea have increased and increase in non-subject imports cannot cause injury.
  - ix. The subject imports have taken over the demand due to the concessions provided under the CEPA, allowing imports into India at lower prices.
  - x. The purpose of elimination of Customs duty is to allow greater market access to Korean imports and not to cause injury or prevent setting up of plants in India.
  - xi. The landed price of duty-free subject imports is below the selling price and cost of sales of the domestic industry. In case Customs Duty is applied, the landed price of subject goods would be above the selling price and cost of sales.
  - xii. The market share of the subject imports has increased and the share of Indian industry has declined.
  - xiii. The product produced by the domestic industry is REACH compliant and hence, the submission that the imports from Korea RP increased due to them being compliant with international standards is incorrect.

- xiv. The domestic industry has been able to maintain its sales volumes only by reducing its prices to compete with significant volumes of duty-free imports. This has led to significant deterioration in the profitability of the domestic industry.
- xv. The demand for the subject imports has increased due to the rising awareness of toxicity in phthalate plasticizers. However, the increase in imports is much more than the increase in demand.
- xvi. Contrary to the claims of the interested parties, the imports have increased significantly and year on year during the investigation period. Such an increase is stark in light of the fact that the Indian industry has sufficient capacity to cater to the demand.
- xvii. The argument that 4-year period should not be considered is contrary to past practice of the Director General in multiple previous investigations.
- xviii. The other interested parties have taken contrary arguments wherein it has sought examination of recent imports and on the other hand imports since 2017.
- xix. Considering that the demand has increased, and only imports of the Korea have increased show that increase in imports is only due to elimination of Customs Duty. The duty exemption allows the producers in Korea to export at prices below selling price and cost of sales of the domestic industry.
- xx. The other interested parties have claimed that increase in imports must be seen from 2022-23. However, the same is not consistent with practice.
- xxi. There is no requirement to compare Korean exports to India and exports to third countries. In any case, information relied upon by other parties shows that the exports from Korea to India have increased by 627% in 2024-25 as compared to 2019-20, while the exports to third countries have increased by 305% in the same period.
- xxii. Further, the data provided shows exports from Korea to India are more than exports to third countries and the share of exports from Korea to India has increased from 46% to 60% from 2019-20 to 2024-25.
- xxiii. Contrary to the claim that increase in imports is due to BIS Order, the BIS order does not necessitate imports as the Indian industry has sufficient capacity to cater to increased demand in India. Further, increase in demand opens an opportunity for all countries, however, the imports have increased only from Korea RP due to the Customs Duty exemption.
- xxiv. Contrary to the claims of the users, the product supplied by the domestic industry meets customer quality standards. The communications with Poly Medicure Limited shows that it had first purchased products in 2021 and regularly started purchasing from the domestic industry. It has started importing only due to the lower prices.
- xxv. Since imported DEHCH is substitutable to DOTP produced by the domestic industry, it is not the case that the DEHCH has been imported due to lack of production in India. Further, the importers of DEHCH have purchased subject goods from the domestic industry as well.
- xxvi. QCO has not been made mandatory and the shift of users to non-phthalate plasticizers is in anticipation of mandatory QCO in future.
- xxvii. Contrary to the submissions of other parties that global overcapacities have not caused injury to the domestic industry, the imports have increased only from Korea and not from other countries.
- xxviii. Shutdown due to cleaning of reactors, maintenance and change in product mix are routine shutdowns and cannot lead to increase in imports. Further, no shutdowns were faced due to such reasons during the most recent period. On the other hand, the domestic industry has faced shutdown due to lack of orders on account of low-priced imports.

### H.3. Examination by the Director General

70. The CEPA provides that bilateral safeguard measures may be imposed, where the product under consideration is being imported “in such increased quantities”, in “absolute terms or relative to domestic production” and under such conditions that the imports of such good from the other Party alone constitute a substantial cause of serious injury or threat thereof to domestic industry producing a like or directly competitive good. The relevant provisions considered are as follows.

“Article 2.22

*During the transition period only, if as a result of the reduction or elimination of a customs duty under this Agreement, an originating good of the other Party is being imported into the territory of a Party in **such increased quantities**, in absolute terms or **relative to domestic production**, and under such conditions that the imports of such good from the other Party alone constitute a substantial cause of serious injury or threat thereof to domestic industry producing a like or directly competitive good, the Party may:*

- a. suspend further reduction of any rate of customs duty on the good provided for under this Agreement; or*
- b. increase the rate of customs duty on the good to a level not to exceed the lesser of*
  - i. the MFN applied rate of customs duty on the good in effect at the time the measure is taken; and*
  - ii. the MFN applied rate of customs duty on the good in effect on the day immediately preceding the date of entry into force of this Agreement.”*

71. The Director General has analysed the increase in imports of the product under consideration in light of the principles set out hereinabove.
72. It is noted that some of the interested parties have submitted that imports must be considered from 2017-18 while other interested parties have requested that imports must be analysed from 2022-23. As regards the period considered, it is noted that the investigation period of four years including the most recent period is relevant for the purpose of the present investigation. The same also allows the Director General to examine the state of the domestic industry as well as the increase in imports.
73. With regard to the submissions that the imports increased only in the recent period and not since 2017-18 and at the time of elimination of Basic Customs Duty, it is noted that under the CEPA and the Rules, bilateral safeguard measures may be imposed where there has been an increase in imports as a result reduction or elimination of duties. However, the measures may be imposed at any time during the transition period, that is, within a period of upto ten years from the date of completion of tariff elimination or completion of tariff reduction. Considering that Article 2.22 of the CEPA provides for imposition of safeguard measures at any time, pursuant to an increase in imports during transition period, it demonstrates that the increase is not required to immediately follow the elimination or reduction of Basic Customs Duty. The footnote to the provisions further clarify the following in this regard.

*“A determination that an originating good is being imported as a result of the reduction or elimination of a customs duty provided for under this Agreement shall be made only if such reduction or elimination is a cause which contributes significantly to the increase in imports, but need not be equal to or greater than any other cause. The passage of a period of time between the commencement or termination of such reduction or elimination and the increase in imports shall not by itself preclude the determination referred to in this footnote. If the increase in imports is demonstrably unrelated to such reduction or elimination, the determination referred to in this footnote shall not be made.”*

74. Accordingly, the Director General shall examine whether (a) there has been an increase in imports from Korea RP, and (b) whether the elimination of duties has significantly contributed to the increase in imports. The Director General has considered imports from Republic of Korea and other countries during the period of investigation of four years. Relevant information regarding the volume of imports for the period of investigation given below.

a. Imports in absolute terms

75. The information regarding imports in absolute terms over the years is given below.

Particulars	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
Imports from Korea RP	6,484	16,371	35,203	42,157
Imports from other countries	1,187	2,574	1,134	2,532

76. It is seen that the subject imports have increased by 550% over the investigation period. While the imports from subject countries have increased by 550%, the imports from other countries have increased only by 113%, to only 2,532 MT. Further, the imports from the subject country have increased year on year over the investigation period and was the highest in the most recent period.

b. Imports in relation to domestic production

77. The information regarding increase in imports in relation to domestic production over the years is given below.

Particulars	Unit	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
Imports from Korea RP	MT	6,484	16,371	35,203	42,157
Imports from other countries	MT	1,187	2,574	1,134	2,532
Indian Production	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	106	188	252
Imports in relation to Indian production	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	237	286	257

78. It is seen that the imports in relation to Indian production has increased from \*\*\*% to \*\*\*% over the investigation period. It is noted that the imports in relation to Indian production have increased till 2023-24 and declined 10% in the most recent period. The applicant has submitted that the same is on account of increase in total Indian production as a result of commencement of production of two other domestic producers in the country. Despite such decline in the most recent period, the share of imports has increased by 157% compared to 2021-22.

c. Increase in imports due to elimination of Customs duty

79. The Director General shall also examine whether the increase in imports is due to the elimination of Customs duty. As noted above, it is not necessary that the imports must increase immediately after the elimination of Customs duty. The Director General is required to examine whether only if such reduction or elimination is a cause which contributes significantly to the increase in imports. In this regard, the Director General notes as under.

- a. The landed price of imports from subject country is significantly lower than the price of imports from other countries.

Particulars	Unit	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
Imports from Korea RP	₹/MT	1,44,732	1,27,376	1,17,407	1,17,398
Imports from other countries	₹/MT	1,57,104	1,22,807	1,23,389	1,21,137

- b. The price of subject imports is lower than the prices of the domestic industry at current duty level. During the most recent period, the domestic industry has been forced to closely match the import prices of the subject imports.

Particulars	Unit	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
Imports from Korea RP	₹/MT	1,44,732	1,27,376	1,17,407	1,17,398
Prices of domestic industry	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	87	83	76

- c. The same trends are observed if the prices of subject imports are compared with the price of domestic product supplied by the Payal Group.

Particulars	Unit	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
Imports from Korea RP	₹/MT	1,44,732	1,27,376	1,17,407	1,17,398
Prices of Payal Group	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	89	85	78

- d. This has increased the demand for the imports from the subject countries, vis-à-vis the domestic product and the imports from other countries.
- e. However, had there been no Customs duty concessions, the price of subject imports would have been higher than the selling price of the domestic industry and other domestic producers in all years, barring 2023-24. Further, the price of subject imports is higher than the landed price of imports from other countries, being only slightly lower than such price in 2021-22.

Particulars	Unit	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
Imports from Korea RP (if Customs duty added)	₹/MT	1,56,672	1,37,884	1,27,093	1,27,083
Prices of domestic industry	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	87	83	76
Prices of Payal Group	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	89	85	78
Imports from other countries	₹/MT	157,104	122,807	123,389	121,137

80. It is, thus, noted that the elimination of Customs duty contributed significantly to the increase in imports from Korea RP, by making the subject imports more price attractive, compared to domestic supply, and the prices of other imports.

81. The interested parties have claimed that increase in imports is due to increase in demand. It is noted that while the demand has increased by 262%, the subject imports increased by 550%. Further, despite the capacity in the country increasing over the period, the imports in the country have continued to increase, at a faster rate than the increase, in demand, reducing the demand for the domestic product. The Director General notes that the capacity in India is much more than the demand of the subject goods. The capacity of domestic industry itself is \*\*\*MT, which itself is sufficient to cater to the entirety of demand. Further, increase in imports is only from the subject country and not from all countries. Such increase in imports is thus, attributable to obligations undertaken pursuant to the CEPA between India and the Republic of Korea RP.

Particulars	Unit	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
Imports from Korea RP	MT	6,484	16,371	35,203	42,157
Imports from other countries	MT	1,187	2,574	1,134	2,532
Sales of domestic industry	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	131	260	253
Sales of other producers	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	69	94	268
Demand	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	150	281	362

82. The other interested parties have claimed that the increase in imports is due to shut down of the domestic industry due to various reasons, and inability of domestic producers to supply quality products. It is noted that the domestic industry did not face any shut down due to raw material shortage and change in product mix during the most recent period. Further, the domestic industry holds a capacity of \*\*\*MT, which is much larger

than the demand in India. Therefore, it cannot be considered that the imports have increased due to inability of the domestic industry to supply the product. As regards the quality of product, it is noted that the sales of the domestic industry have also increased over the period. This indicates that the quality of the product supplied by the domestic industry is being accepted by the customers. Further, the domestic industry has provided written communications from its users, testifying to its quality.

83. As regard the submissions that the increase in imports is due to the lack of production of DEHCH, the Director General notes that DOTP produced and sold by the domestic industry is substitutable to DEHCH imported from the subject country and both are purchased by same consumers and used interchangeably for the same purpose. Thus, increase in imports is not attributable to the product produced by the domestic industry.
84. Certain interested parties have claimed that the exports from Korea RP to India have moved in tandem with exports from Korea RP to other countries. The parties have also submitted the data claiming to show such trend. The Director General notes that there is no legal provision which requires comparison of exports from the subject country to other countries with imports into India. In any case, based on the data provided by the other interested parties themselves, the imports into India have increased at a much faster pace than exports to other countries. Further, the exports from Korea RP to India alone are more than Korean exports to all other countries combined together.

Particulars	Unit	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
Export quantity to third countries	MT	6,466	7,338	11,865	15,383	29,662	26,209
Trend	Index	100	113	183	238	459	405
Export quantities to India	MT	5,485	6,811	6,405	16,912	31,530	39,860
Trend	Index	100	124	117	308	575	727
Total imports	MT	11,951	14,149	18,270	32,295	61,192	66,069
Share of India	%	46%	48%	35%	52%	52%	60%

*\*As per Trade Map data provided by Poly Medicure Limited*

85. Thus, it is noted that imports from Korea RP have increased in absolute terms as well as in relation to Indian production over the investigation period. Further, the increase in imports is a result of the elimination of Customs duty in pursuance of the concessions given under the Agreement between India and the Republic of Korea.

## **I. INJURY AND CAUSAL LINK**

### **I.1. Views of other interested parties**

86. The following submissions have been made by the other interested parties with regard to injury and causal link:
- i. The data provided by the applicant is not objective for injury analysis as the applicant has failed to provide segregated performance data for DOTP and DEHCH. The application is majorly focussed around DOTP and not DEHCH. There is a need to examine product wise import volume, price undercutting, market share, price suppression depression and economic parameters of the domestic industry.
  - ii. While certain parameters of the domestic industry have deteriorated, others have remained stable or improved.
  - iii. No information has been given to show imports are likely to increase at a rate of causing any imminent serious injury.
  - iv. The import prices have followed global price trends including decline in 2022-23 due to global oversupply and lower feedstock cost, which caused domestic prices to decline. Thus, price undercutting is not constant but dependant on cost conditions.
  - v. The concentration of imports from Korea also reflects global supply dynamics rather than injurious trade behaviour, since DEHCH require specialized proprietary technology available with Hanwha.

- vi. Import price from other countries are higher than import price from Korea, which shows that undercutting is not from all imports.
- vii. The landed price of imports from Korea is lower than the landed price of other countries even in 2021-22 when the domestic industry had not suffered injury.
- viii. The decline in landed price from Korea is less than decline in the landed price of imports from other countries.
- ix. The responses of the responding producers from Korea RP demonstrate that the reduction in export prices was driven by a corresponding decline in cost of sales.
- x. Price undercutting is not consistent and as a result, price suppression and depression cannot be established.
- xi. The import price from Korea has declined due to decline in cost of sales.
- xii. DEHCH is priced at a premium of 10% over DOTP which shows that it is a superior product and not interchangeable with DOTP. Such high priced product cannot exert price pressure on the prices of the domestic industry.
- xiii. The increase in production and sales contradicts claims of injury. Injury claimed in most recent period is due to entry of new producers and other cost factors.
- xiv. The sales of the domestic industry have increased in line with the increase in demand till 2023-24 and declined in 2024-25 only due to increase in sales of other producers in India.
- xv. With the entry of new producers, the market will stabilise itself as capacity will catch up to the demand.
- xvi. The market share of the domestic industry has declined due to increase in market share of other producers in India.
- xvii. The captive consumption has also increased significantly which shows growing demand of downstream segment of the applicant.
- xviii. The increase in inventories may be due to entry of new producers, launching of dedicated plant for the product and increase in domestic sales. The domestic sales of the applicant have increased more than increase in inventories.
- xix. The cost of utilities has increased over the investigation period. However, the financial statements of KLJ show the consumption of Power and Coal reduced by 30-40%. Such claims must be verified.
- xx. The depreciation cost of the domestic industry has increased over the investigation period without any increase in capacities.
- xxi. The profitability of the domestic industry increased in 2023-24 as it did not reduce its prices in line with decline in raw material costs, which shows that its prices are independent of imports.
- xxii. The return on capital employed remained positive till 2023-24, and dropped to -3 during 2024-25.
- xxiii. There is no evidence of serious injury as there is no evidence of industry-wide shutdowns, structural insolvency, sustained collapse of production, or comprehensive deterioration across operational parameters.
- xxiv. The adjustment plan lists plans for efficiency which shows that the injury faced is due to inefficiency.
- xxv. Injury to the domestic industry is due to other factors such as anti-dumping duty on imports of raw material, increased domestic consumption, internal operational issues, input cost volatility and inter-se competition. Since no injury has been claimed from 2017-18 to 2021-22, it shows that elimination of Basic Customs Duty is not a cause of injury to the domestic industry.
- xxvi. As per Article 2.22, measures can be imposed only when the imports from the Party “alone” constitutes a substantial cause of serious injury. It must be examined whether injury to the domestic industry is solely and exclusively on account of increase in imports from Korea.
- xxvii. Tariff concessions are required to be a substantial cause of injury and not one of the many causes.
- xxviii. There is no causal link as the imports increased the most in 2023-24 but the profitability of the domestic industry increased by 98% in such period. In such a period, the import price from Korea declined in tandem with decline in cost of sales of the domestic industry. While the imports increased slightly in 2024-25 and the import price did not decline substantially, the domestic industry incurred losses.

- xxix. Since the domestic industry has not sold DEHCH in the domestic market, the imports of such product cannot cause injury to the domestic industry.
- xxx. Injury is due to the cost structures of the domestic industry as global prices declined in 2022-23, the cost of sales of the domestic industry has increased.
- xxxı. The injury is on account of volatility in prices of raw material, global plasticizer overcapacity, exchange rate fluctuations which impacted the landed price, price comparability and competitive position and interest cost.

## I.2. Views of the domestic industry

87. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to the injury and causal link:
- i. The domestic industry has been able to maintain its sales volumes only by reducing its prices to compete with significant volumes of duty-free imports. This has led to significant deterioration in the profitability of the domestic industry.
  - ii. The subject imports have undercut the prices of the domestic industry despite the domestic industry reducing selling price and selling the subject goods at prices below its costs.
  - iii. The subject imports have caused significant strain on prices of the domestic industry. In 2022-23, the cost of sales increased marginally while the selling prices declined by 13%. In 2023-24, the cost of sales and selling prices both declined. The condition worsened in 2024-25 as the cost of sales only declined by 1% but the selling price declined by 8%.
  - iv. From 2022-23, the landed price has remained below the cost of sales of the domestic industry. The volume of imports increased due to the low prices charged by the exporters. The performance of the domestic industry has been adversely impacted due to increase in imports at low prices.
  - v. The product and sales of the domestic industry have failed to increase in line with demand. While the production has increased only by 2%, the sales have declined by 3% in the most recent period.
  - vi. Even after selling at losses, the domestic industry has not been able to increase its market share and has been forced to curtail production. The production has been curtailed even when the demand for the product has increased by 247%.
  - vii. The inventories of the domestic industry have increased by 95% and reached the highest in the most recent period. This is also the period wherein the selling price of the domestic industry has remained lowest in the four years.
  - viii. In 2022-23, the profits of the domestic industry wiped off completely but increased in the following year due to the decline in raw material costs. However, the import prices declined further and went below the cost of sales of the domestic industry due to which it has incurred losses in the period of investigation.
  - ix. While the raw material cost of the domestic industry has declined over the injury period, the difference between the selling price and raw material cost has declined significantly.
  - x. The domestic industry has been forced to sell at losses to maintain its customer base. This has caused deterioration in financial and cash flows. The cash profits have declined by 108% in the investigation period and turned into losses in the most recent period.
  - xi. The return on capital employed by the domestic industry has declined by 103% in the investigation period. The domestic industry has recorded a negative return in the most recent period.
  - xii. The profitability of the domestic industry was very low in 2022-23 as the import prices declined even as the costs increased. While the cost declined in 2023-24, the domestic industry did not reduce its prices in this period, which allowed it to earn profits. This resulted in surge in low priced imports from the subject country. The subject imports were highest in this period.
  - xiii. In absence of concessions, the import prices from Korea RP would have been above cost of sales and selling price of the domestic industry.
  - xiv. The contentions that combining injury assessment of both products would risk attributing injury of one to the other is illogical as both products are directly competitive. Further, even in cases of PCN wise injury, the Director General only determines price undercutting, injury margin and dumping on PCN basis and undertakes a consolidated injury assessment.

- xv. The injury is determined based on performance of domestic industry in terms of the product under consideration and not in terms of type of the product under consideration.
- xvi. Other interested parties cannot create additional parameters for injury without any legal basis. Injury is to be determined for the defined domestic industry and not the Indian industry.
- xvii. Contrary to the contentions of the other interested parties, the applicant has claimed imports have caused serious injury to the domestic industry and not threat of serious injury in the present investigation. There is no need to show that the increase in imports is likely to cause further injury or there is threat of serious injury in the future.
- xviii. As opposed to the submissions by the other interested parties, the present investigation concerns DOTP and DEHCH and reliance cannot be placed on imports of DOP from Korea RP.
- xix. While the duties were eliminated in 2017, the imports did not increase till 2022-23 and hence, did not cause injury to the domestic industry. The domestic industry was profitable in 2021-22 and thus, it cannot be said that commencement of production was a bad decision due to zero duty imports from Korea.
- xx. The claim that domestic industry commenced production after elimination of duties is factually incorrect.
- xxi. The sales of other domestic producers are less than the sales of the domestic industry. The decline in sales of the domestic industry is not due to other producers.
- xxii. The market share of the domestic industry has declined due to imports from the subject country and not due to increase in share of other producers. The market share of total Indian industry has declined, while the market share of subject imports has increased.
- xxiii. Contrary to the claims of other interested parties, the inventories of the domestic industry have increased despite selling at losses. Further the increase in inventories is not due to increase in sales as evident from increase in closing stock.
- xxiv. The injury to the domestic industry is due to the increase in imports of subject goods. The domestic industry did not suffer injury till 2022-23 as imports did not increase immediately after elimination of Customs Duty.
- xxv. Contrary to the claims of the other interested parties, the injury is not due to anti-dumping duty on imports of raw material. Such duty has brought the Indian industry at par with Korean industry as the import prices of raw material from Korea RP is now comparable to market price of raw material in domestic market of Korea RP.
- xxvi. Increase in demand cannot be considered as a reason for injury to the domestic industry.
- xxvii. Since price of subject goods change in line with price of raw material in normal course of business, changes in raw material prices cannot be considered as parameter of injury.
- xxviii. There are no operational issues which have caused injury to the domestic industry.
- xxix. Inter-se competition has not caused injury as the other domestic producers have also faced injury.
- xxx. Injury is not on account of captive consumption of the domestic industry as the same is very low as compared to total production and sales.
- xxxi. Decline in import price is not due to decline in cost of sales as the import price has declined much more than the decline in cost of sales.
- xxxii. The landed price of subject imports is below the landed price of imports from non-subject countries. Had the domestic industry sold at prices offered by other countries, it would have earned profits.
- xxxiii. The cost of the domestic industry is in line with the international costs.
- xxxiv. The prices in India have declined due to decline in landed price of subject imports. The prices in India follow the price trends of subject imports as they hold the highest market share in India.
- xxxv. Contrary to the claims of other parties, while the total utility costs have increased. Due to increase in production, the per unit utility cost of the domestic industry has declined.
- xxxvi. The depreciation cost of the domestic industry has not increased during the investigation period. The information provided may be verified by the Director General.

- xxxvii. Other interested parties have not identified and quantified how factors other than imports have caused injury. The other interested parties are required to identify such factors, establish the existence and quantify the impact of such factors on the domestic industry.
- xxxviii. The pricing strategy for the product is dependent on the prices prevailing in the market which is largely dictated by subject imports. Thus, injury is attributable to price of subject imports.
- xxxix. Since the domestic industry has majorly sold the subject goods in the domestic market, it is not impacted by exchange rate fluctuations.

### I.3. Examination by the Director General

88. The Director General has examined and addressed the submissions in the present findings. The examination herein below in respect of serious injury and causal link deals with the submissions made by all interested parties. The following provisions are relevant in this regard.

*"Rule 2(f) "serious injury" means a significant overall impairment in the position of a domestic industry;*

*Rule 2(g): "threat of serious injury" means serious injury that, on the basis of facts and not merely on allegation, conjecture or remote possibility, is clearly imminent; and*

...

*Rule 7 Determination of serious injury or threat of serious injury-*

*The Director General shall determine serious injury or threat of serious injury to the domestic industry taking into account, inter alia, the following principles, namely:*

*(a) the Director General shall evaluate all relevant factors of an objective and quantifiable nature having a bearing on the situation of that industry, in particular, the rate and amount of the increase in imports of the originating good in absolute and relative terms, the share of the domestic market taken by increased imports of the originating good, changes in the level of sales, production, productivity, capacity utilisation, profits and losses, and employment; and*

*(b) the determination under this rule shall not be made unless the investigation demonstrates, on the basis of objective evidence, the existence of the causal link between increased imports of the originating good and serious injury or threat thereof and when factors other than increased imports of the originating good are causing injury to the domestic industry at the same time, such injury shall not be attributed to increased imports of the originating goods."*

89. The Director General has examined the issues raised by other interested parties in light of the above provisions.
90. The other interested parties have requested separate injury analysis for DOTP and DEHCH. The Director General notes that both products are included in the scope of the product under consideration and are directly competitive products as detailed in the relevant section above. It has been analysed that the prices of both products are in tandem. Further, it is noted that the customers for both products are common and use the said products interchangeably. Thus, there is no requirement to conduct separate injury analysis. The injury analysis in the present investigation has been conducted with regard to the performance of the domestic industry and the impact of imports of the product under consideration as a whole. It is further noted that even in anti-dumping investigations wherein, there are separate PCNs formed by the Director General, injury analysis is required to be conducted for the product under consideration as a whole.
91. In analysing serious injury, all factors mentioned in the Rules as well as other factors which have been brought to the notice of the Director General and which are considered relevant for determination of serious injury, have been considered. The determination of serious injury thus is based on evaluation of the overall position of the domestic industry, in light of all the relevant factors having a bearing on the situation of that industry.

**i. Rate of increase in imports in absolute and relative terms**

92. As noted hereinabove, the imports have increased steeply over the period of investigation, by 550% in absolute terms. Further, the imports have also increased in relation to production, despite two new producers entering the market. The share of imports in total imports has increased from 85% in 2021-22 to 94% in 2024-25.

Particulars	Unit	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
Imports from Korea RP	MT	6,484	16,371	35,203	42,157
Imports from other countries	MT	1,187	2,574	1,134	2,532
Indian Production	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	106	188	252
Imports in relation to Indian production	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	237	286	257
Imports in relation to total imports	%	85%	86%	97%	94%

**ii. Price undercutting**

93. It is noted that as per the information available on record, the subject imports are priced below the selling price of the domestic industry and price undercutting is marginally positive. Therefore, the domestic industry is closely competing with the prices of the imported goods during the most recent period.

Particulars	Unit	2024-25
Net Sales Realization	₹/MT	***
Landed price	₹/MT	1,17,398
Price Undercutting	₹/MT	***
Price undercutting	%	***
Price undercutting	Range	0-10%

94. With regard to the submissions that import prices from Korea RP with respect to other countries should also be examined, the Director General notes that the landed price of subject imports is lower than the landed price of non-subject imports. Further, while the subject imports have undercut the prices of the domestic industry in the most recent period, the price undercutting is negative in case of non-subject imports.

Particulars	Unit	2024-25
Net Sales Realization	₹/MT	***
Landed price from Korea RP	₹/MT	1,17,398
Price undercutting – Korea RP	₹/MT	***
Price undercutting	%	***
Price undercutting	Range	0-10%
Landed price from other countries		1,21,137
Price undercutting – other countries	₹/MT	***
Price undercutting – other countries	%	***
Trends	Range	Negative

**iii. Price suppression / depression**

95. The Director General further notes that both cost of sales and selling price of the domestic industry has declined over the period of investigation, but the selling price of the domestic industry has declined even more than the decline in cost of sales. While the cost of sales has declined by 10%, the selling price has declined by 24%. Even during 2022-23, when the cost of sales of the domestic industry increased, the domestic industry was forced to reduce its price. The cost of sales reduced in 2023-24, with the domestic industry also being forced to reduce its prices. However, in most recent period i.e., 2024-25, the domestic industry was forced to reduce its prices by 8% even though cost of sales reduced by 2%. It is noted that the landed price of the imports has also declined during this period, and the domestic industry has been forced to reduce its prices to the level of the import prices. The subject imports have, therefore, suppressed and depressed the prices of the domestic industry. The same trends are observed if the comparison is made with the raw material cost, instead of total cost of sales.

Particulars	Unit	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
Cost of sales	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	102	92	90
Raw material cost	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	101	88	88
Net Sales Realization	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	87	83	76
Landed price	₹/MT	1,44,732	1,27,376	1,17,407	1,17,398
Trend	Indexed	100	88	81	81

96. As regard the submission that DEHCH is a higher priced product and such product cannot cause price pressure on the domestic industry, the Director General notes that the landed price of DEHCH and DOTP is at similar level during the investigation period.

Product	Unit	2021-22	2022-23	2023-24	POI
DOTP	₹/MT	140,694	127,802	116,135	117,619
DEHCH	₹/MT	149,622	126,488	120,683	116,854

**iv. Production, capacity, capacity utilization and sales**

97. The performance of the domestic industry with regard to capacity, production, sales and capacity utilization over the injury period was as below:

Particulars	Unit	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
Capacity Installed (Plant)	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	100	100
Equivalent capacity (PUC)	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	100	100
Production (Plant)	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	73	40	33
Equivalent production considering PUC	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	97	105	98
Production (PUC)	MT	***	***	***	***

Trend	Indexed	100	127	249	254
Capacity Utilization on equivalent basis	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	105	99
Domestic Sales	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	131	260	253
Export sales	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	121	126	221
Captive Consumption	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	115	1,496	578

98. The domestic industry has submitted that its plant can be used for production of phthalate and non-phthalate-based plasticizers using common reactors. Further, each product produced by such reactors, requires different machine hours for its reaction. Therefore, the production quantity of different products cannot be added up and compared for capacity utilization over the injury period. Doing so would result in a situation wherein capacity utilization would appear lower in a period due to lower production in absolute terms, even though the plant was run for longer, due to the product having longer cycle time.

99. Therefore, for the purpose of this analysis, the capacity has been expressed considering if only subject goods are produced on the machine, what is the total capacity that may be utilized, having regard to the cycle time. Further, the production of other products has been converted into equivalent units of production of the subject goods, considering the time taken to produce the subject goods versus the other product. Therefore, all capacity and production figures have been denominated on a common basis.

100. The Director General notes that:

- i. The capacity of the domestic industry has remained stable over the investigation period. The capacity of the domestic industry is more than the current demand.
- ii. The production of subject goods and sales of the domestic industry have increased. The domestic industry has submitted that the production and sales of the domestic industry have increased only due to compromising on the profitability. Since the subject imports were priced below the selling price of the domestic industry, the domestic industry reduced its prices to maintain its volume parameters.
- iii. The capacity utilisation improved in 2023-24 and has declined during the most recent period.
- iv. The sales of the domestic industry have increased till 2023-24 and declined slightly in the most recent period.

101. As regard the submissions that there is no injury as the captive consumption of the domestic industry has increased significantly, it is also noted that the captive consumption of the domestic industry, even at its highest level, that is in 2023-24, is only 0.92% of its total production and only 2.73% of its sales. It is noted that majority of the product produced by the domestic industry is being supplied to cater to demand and a negligible portion is being consumed captively.

Particulars	Unit	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
Captive consumption	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	115	1,496	578
Production	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	127	249	254
Domestic Sales	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	131	260	253
Captive in relation to					

Production	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	91	600	227
Domestic Sales	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	85	569	227

v. **Market share in demand**

102. The market share of subject imports, domestic industry and other producers over the period was as under.

Particulars	Unit	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
<b>Demand</b>					
Domestic industry sale	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	131	260	253
Sale of other producers	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	69	94	268
Subject imports	MT	6,484	16,371	35,203	42,157
Other imports	MT	1,187	2,574	1,134	2,532
Demand	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	150	281	362
<b>Market Share</b>					
Domestic industry	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	87	93	70
Other producers	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	46	33	74
Subject imports	%	***	***	***	***
Other imports	%	***	***	***	***

103. It is noted that the market share of subject imports has increased over the investigation period. The market share of the domestic industry and Indian industry as a whole has declined over the period. The share of non-subject imports has also declined in the investigation period.

104. The interested parties have claimed that the market share of the domestic industry has declined due to entrance of other producers in the domestic market. However, it is noted that the market share of the other Indian producers has also declined. Further, the market share of non-subject imports has declined. Thus, the subject imports have taken away the market share of the Indian industry as well as the imports from other countries.

vi. **Inventories**

105. Inventories of the domestic industry over the injury period were as follows.

Particulars	Unit	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
Opening inventory	MT	***	***	***	***
Closing inventory	MT	***	***	***	***
Average inventory	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	66	83	195
Sales Volume	Indexed	100	131	260	253

106. The Director General notes that the inventories of the domestic industry has increased over the investigation period and were the highest during the most recent period.

107. The interested parties have claimed that the increase in inventories is due to entry of new producers. The Director General notes that while the other domestic producers have lost market, the subject imports have gained market during the recent period. The increase in inventories can, therefore, be reasonably attributed to the subject imports.

**vii. Employment and productivity**

108. The Director General has examined the information relating to employment, wages and productivity, as given below:

Particulars	Unit	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
No of employees	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	93	86	86
Productivity Per day	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	127	249	254
Productivity Per employee	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	137	292	297

109. The Director General notes that the number of employees of the domestic industry have declined over the period. The productivity of the domestic industry has increased, majorly in response to increase in production.

**viii. Profits, cash profits and return on capital employed**

110. Profits, cash profits and return on capital employed of the domestic industry over the injury period are given in the table below:

Particulars	Unit	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
Cost of sales	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	102	92	90
Net sales realization	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	87	83	76
Profit / (loss) (PBT)	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	9	38	4
Profit / (loss) (PBT)	₹ Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	12	98	11
Cash profits	₹ Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	13	100	14
Return on capital employed	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	15	48	5
Depreciation	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	71	105	71
PBDIT	₹ Lacs	***	***	***	***

Trend	Indexed	100	15	103	16
PBDIT	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	11	40	6
Cost of utilities	₹ Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	135	205	105
Cost of utilities	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	106	82	41

111. The Director General notes that:

- i. The profits of the domestic industry have declined significantly in 2022-23 as compared to the previous year. While the selling price declined in 2023-24, the same was accompanied by a decline in cost of sales, providing some margins to the domestic industry.
- ii. In 2024-25, while the cost of sales of the domestic industry have declined, the selling price has declined much more. This has adversely impacted the profitability of the domestic industry, causing it to deteriorate sharply.
- iii. Cash profits of the domestic industry have followed the same trend. The cash profits have declined by 86% over the period.
- iv. There has been a steep decline in the return on capital employed of the domestic industry, by 95% over the period.

112. The interested parties have claimed that the depreciation cost has increased without increase in capacities. It is noted that the information provided by the domestic industry has been examined and that the depreciation cost per unit has declined over the investigation period. In any case, it is noted that the profit without interest and depreciation has also followed a similar trend and declined significantly in 2024-25.

113. With regard to the submissions that the decline in profitability of the domestic industry is due to increase in utility cost, the Director General notes that the total utility cost of the domestic industry has increased due to increase in production. However, the per unit cost of utility of the domestic industry in the total cost of production of subject goods has declined over the investigation period. Hence, the decline in profitability is not due to increase in utility cost.

114. The interested parties have submitted that the landed price from Korea RP was lower than the landed price of imports from other countries even in 2021-22 and the domestic industry did not suffer injury during such period. The Director General notes that the imports from Korea RP were low in volume in 2021-22. In 2022-23, the imports increased at prices lower than the prices of the domestic industry. This caused a strain on the profitability of the domestic industry during this period. In 2023-24, while the imports increased further, the domestic industry reduced its cost of sales, leading to a recovery in the prices and profitability of the domestic industry. However, in 2024-25, the price of imports reduced, while the volumes increased again. This resulted in the domestic industry facing a sharp deterioration in its profitability.

Particulars	Unit	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
Subject imports	MT	6,484	16,371	35,203	42,157
Net Sales Realization	₹/MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	87	83	76
Landed price	₹/MT	1,44,732	1,27,376	1,17,407	1,17,398

**ix. Conclusion on injury**

115. Based on the above, the Director General concludes the following

- a. The imports have shown a significant rate of increase in absolute terms, and in relation to production and total imports.
- b. The subject imports have entered India at prices below the selling price of the domestic industry.
- c. The subject imports are undercutting the prices of the domestic industry.
- d. While the price undercutting from subject imports is positive, price undercutting from imports from other countries is negative.
- e. The imports have suppressed and depressed the prices of the domestic industry.
- f. The selling price of the domestic industry has declined much more than the decline in raw material cost of the domestic industry.
- g. While the production and sales of the domestic industry increased over the investigation period, the same is only on account of compromising on profitability.
- h. The domestic industry has lost market share to the subject imports despite having sufficient capacity to cater to entire demand. Further, the Indian industry as a whole has lost market share.
- i. The domestic industry has faced accumulation of inventories despite compromising on profitability.
- j. The profitability of the domestic industry has deteriorated over the investigation period, with a decline in cash profits and return on capital employed.
- k. The profitability without accounting for interest and depreciation has seen significant deterioration.

#### **I.4. CAUSAL LINK**

116. A comprehensive evaluation of the performance of the domestic industry, as brought out hereinabove, demonstrates that the domestic industry has suffered serious injury. The Director General has considered the following provision for examining whether injury to the domestic industry is due to tariff concessions.

*“Article 2.22: During the transition period only, if as a result of the reduction or elimination of a customs duty<sup>3</sup> under this Agreement, an originating good of the other Party is being imported into the territory of a Party in such increased quantities, in absolute terms or relative to domestic production, and under such conditions that the imports of such good from the other Party alone<sup>4</sup> constitute a substantial cause of serious injury or threat thereof to domestic industry producing a like or directly competitive good, the Party may:*

- (a) suspend further reduction of any rate of customs duty on the good provided for under this Agreement; or*
- (b) increase the rate of customs duty on the good to a level not to exceed the lesser of:*
  - (i) the MFN applied rate of customs duty on the good in effect at the time the measure is taken; and*
  - (ii) the MFN applied rate of customs duty on the good in effect on the day immediately preceding the date of entry into force of this Agreement.*

*<sup>4</sup> For the purposes of certainty, the Parties understand that a Party is not prevented from initiating a bilateral safeguard investigation in the event of a surge of imports from the territory of non-Parties. For further certainty, the Parties understand that bilateral safeguard measures can only be imposed on the good of the other Party when the increase in the import of such goods from that other Party alone constitute a substantial cause of serious injury or threat of serious injury, to domestic industry producing a like or directly competitive good.”*

117. Based on the language of the provision and the explanation provided in the footnote, it is noted that subject imports need not be the sole reason for injury but have to be form a substantial cause of injury. It is therefore, examined whether the injury to the domestic industry is *substantially* due to tariff concessions and consequent increase in imports from Republic of Korea. It was examined if any factor other than increased subject imports could have caused serious injury to the domestic industry. It is, however, expressly understood that the Korean imports need not be the sole cause of injury to the domestic industry. Industry might have been suffering injury due to other factors also and the same does not imply absence of injury to Korean imports. However, the imports from Korea, by themselves, must be a substantial cause of injury.

**a. Volume and price of imports from third countries**

118. It is noted that apart from Korea RP, imports from other countries are only 6% of total imports. Further, such imports are priced above the selling price, and the price undercutting of such imports is negative in the most recent period. Thus, injury to the domestic industry cannot be attributed to imports from such other countries. The imports from other countries are not significant in quantity and thus, the injury is not attributable to such imports.

**b. Contraction in demand**

119. The demand for the subject goods has increased over the investigation period. Hence, injury is not attributable to contraction in demand.

**c. Pattern of consumption**

120. The other interested parties have submitted that consumer preferences have impacted the performance of the domestic industry. The Director General notes that such claims have not been substantiated with evidence. It has also been claimed that the goods supplied by the domestic industry are not as per customer requirements. However, the domestic industry has provided evidence to show that its products are compliant to international regulations (REACH) and users have regularly procure from the domestic industry as well as import the subject goods. Crucially, the sales of the domestic industry have increased over the period of investigation, which shows that the sales of the domestic industry have not been impacted by any change in pattern of consumption.

121. With regard to the submissions that injury is due to preference of consumers to buy DEHCH, the information on record shows that the customers which have imported DEHCH have continued to purchase DOTP from the domestic industry. Thus, there is no evidence of change in pattern of consumption.

**d. Conditions of competition and trade restrictive practices**

122. There are no trade restrictive practices or conditions of competition, which may have caused injury to the domestic industry.

**e. Developments in technology**

123. There has been no change in technology or plant by the domestic industry which could have caused injury to the domestic industry.

**f. Productivity**

124. The total production as well as productivity per day and per employee of the domestic industry has increased over the investigation period. Thus, injury cannot be due to decline in productivity.

**g. Export performance of the domestic industry**

125. The injury information examined hereinabove relates only to the performance of the domestic industry in terms of its domestic market. Thus, the injury suffered cannot be attributed to the export performance of the domestic industry.

**h. Performance of other products**

126. The injury suffered cannot be attributed to the performance of other products of the company, as the domestic industry has segregated and provided information with regard to the directly competitive goods only.

**i. Currency fluctuation**

127. The other interested parties have submitted that the domestic industry has incurred serious injury due to currency fluctuations. The Director General notes that no evidence has been provided by the other interested parties regarding such claim. Further, the domestic industry has sold majority of its products in the domestic market, and such sales are not impacted by any foreign exchange fluctuations. On the other hand, the currency fluctuations should adversely impact the imported goods, making the same less lucrative versus the domestic product. However, the same has not been seen to be the case.

**j. Increase in depreciation cost and inefficiencies of domestic industry**

128. The interested parties have submitted that the depreciation has increased disproportionate to the capacities. As noted above, the depreciation per unit of the domestic industry has declined. Further, the domestic industry has faced a decline in profitability even before accounting for present interest obligation and depreciation and hence, the injury to the domestic industry is not attributable to depreciation cost.
129. As regards claims that the domestic industry is inefficient, it is noted it has not been shown how any inefficiency of the domestic industry has only impacted the domestic industry during 2024-25, but not during the remaining investigation period. However, the performance of the domestic industry has deteriorated over the period. That being the case, the deterioration in performance cannot be attributed to an inherent inefficiency.
130. The other interested parties have submitted that the adjustment plan provided is with regard to making domestic industry efficient which shows that the domestic industry is inefficient. It is noted that the adjustment plan is intended to make the domestic industry more efficient to allow it to compete once the concessions are re-allowed. Such measures include cost-cutting measures which would allow a producer to maintain profitability once it is forced to reduce its prices in view of duty-free imports. Such measures cannot be used as a basis to claim that the domestic industry is currently inefficient.

**k. Other factors**

131. As regards the contention that injury is due to anti-dumping duty on imports of raw material, the Director General notes that such anti-dumping duty is imposed on imports from raw materials from Korea RP itself. Since any anti-dumping duty may, at best, be imposed to the extent of dumping margin, it implies that the import price in India would, after duty, be at best, at par with the price of raw materials in Korea RP. That being the case, the domestic producers and the Korean producers are at par with each other, insofar as the raw material prices are concerned.
132. The other interested parties have also claimed that injury is on account of shutdown caused due to shortage of raw material, change in product mix and maintenance of reactors. In this regard, it is noted that cleaning and routine maintenance of machines has been consistently considered as part of ordinary business operation and cannot be considered as a cause of injury. Further, it is noted that there has been no shutdown due to raw material shortage for the subject goods in the most recent period, when the domestic industry has faced decline in profitability. In fact, the production of subject goods has increased in the investigation period.
133. Based on the examination of the above, the Director General concludes that the applicant has not suffered injury due to any other factor. The following factors show causal link between the injury to the domestic industry and increased imports from Korea RP.
- i. The subject imports have increased in absolute terms and in relation to Indian production.
  - ii. The duty-free subject imports have taken over the market share of the Indian industry as well as other countries.
  - iii. Due to the tariff concessions, the prices of subject imports are below the selling prices of the domestic industry.
  - iv. The domestic industry has been forced to compete with low priced imports by compromising on its profitability.
  - v. This has caused significant deterioration in its profitability in the most recent period.
  - vi. The cash profits and return on capital employed of the domestic industry have deteriorated over the period.
  - vii. The information on record demonstrates that injury suffered by the domestic industry is on account increase in duty-free subject imports.

134. Considering the performance of the domestic industry in respect of various parameters, it is concluded that the domestic industry has suffered serious injury as a result of duty concessions granted to Korean imports leading to increased subject imports from Korea RP.

### **J. ADJUSTMENT PLAN**

135. The domestic industry has provided details of the adjustment plan at the time of filing of the application. The domestic industry has submitted that it is taking measures directed towards reducing cost of production as mentioned in its adjustment plan. Regarding adjustment plan given by the domestic industry, the Director General notes that the domestic industry has provided details of proposed measures it will undertake in case bilateral measures are imposed. The adjustment plan is focused on reducing variable and fixed costs. \*\*\* The Director General notes that the domestic industry has drawn up an adjustment plan which will allow it to reduce its costs and allow it to compete with the low-priced imports while retaining reasonable profitability.

### **K. PUBLIC INTEREST**

#### **K.1. Views of the other interested parties**

136. The submissions made by the interested parties in respect of public interest are as follows:
- i. The issue of public interest can be analyzed only once it is established that the application meets the jurisdictional requirements and fulfils the preconditions for imposition of bilateral safeguard measures under CEPA.
  - ii. The downstream injury comprises of MSMEs and operates on thin margins. Imposition of measures would result in shortage of supply or price pressure for downstream industry. Measures would also result in domestic producers to gain dominance in market and raise prices significantly.
  - iii. Trade remedies imposed on upstream inputs, plasticizers and feedstock chemicals, inevitably cascade through the production chain, increasing the cost of PVC compounds and ultimately the cost of finished products such as footwear, automotive components, upholstery materials, and consumer goods. The resulting cost increase may have to be transferred to end consumers.
  - iv. The measures would result in increase in costs of downstream industry by 2-4% and erode their profits.
  - v. Imposition of measures may cause shift to phthalate plasticizers with health/safety concerns and adversely impact the workers engaged in downstream industry.
  - vi. Imposition of measures are not in public interest and would result in disproportionate harm to downstream industry.
  - vii. Public interest concerns are particularly crucial in case of DEHCH, which is not supplied by the domestic industry.
  - viii. Allegations of dumping are immaterial in a bilateral safeguard investigation.
  - ix. Revenue generation is not the objective of safeguard measure, and is not a valid ground for imposition of measures.
  - x. The geopolitical instability in Middle East has impacted supplies from Korea, which sources key feed stock from Middle East.
  - xi. The Payal Group, a key domestic supplier and a supporter of the present petition, has invoked force majeure in relation to existing supply arrangements, cancelled previously agreed contracts, and simultaneously increased its prices by approximately 50–60% in the last 2 days.
  - xii. The contention that there is no demand-supply gap is misleading, as the applicant is itself a new entrant in the market, having started production in 2021-22. By contrast, imports from Korea have been tested and validated for use in critical applications.
  - xiii. The imposition of 7.5% duty would increase the cost of PVC compound used in medical devices by 2.5-2.8%.

**K.2. Views of the domestic industry**

137. The submissions made by the domestic industry in respect of public interest are as follows:

- i. The imposition of measures will not have any adverse impact on the public at large and other stakeholders.
- ii. The imposition of measures would allow domestic industry to remain viable in the Indian market. Further, new producers have set up and plan to set up capacities in India. Imposition of measures would enable other domestic producers to undertake investments and build production capacities.
- iii. Exporters from Korea have been subject to anti-dumping duties in the US. Due to such measures, the market for subject goods is limited in the US and exporters are likely to re-direct supply to India. If measures are not imposed to allow the domestic industry time to compete, the country will become completely import reliant on imports.
- iv. Non-imposition of measures will render manufacturing unviable and force domestic producers to operate as traders as such producers would not be incentivised to under production activities. This would lead to loss of GDP and employment in the country.
- v. Imposition of measures is required to encourage investments and ensure the success of “Make in India” initiatives of the Government. Imposition of measures is critical for viability of producers and the impact of such measures on consumers is negligible.
- vi. Imposition of measures would allow the domestic industry to remain competitive. The consumers will have to maintain lower inventories in case of procurement from domestic sources.
- vii. The domestic industry has not requested for additional duty, but only withdrawal of concessions under CEPA and re-imposition of Custom Duty at MFN rate. Impact of such duty will be negligible.
- viii. The subject goods only form a small portion of end-use product, and any impact of the measures would be minimal.
- ix. The domestic industry has sufficient capacity to cater to the demand in India and there is no demand supply gap in the country.
- x. The users do not purchase products based on long term contracts and can change suppliers easily to procure goods from domestic industry.
- xi. There are multiple producers in the market with sufficient capacity to cater to demand. The inter-se competition will ensure fair prices in the Indian market.
- xii. Imposition of duties will improve performance of the domestic industry and encourage performance linked Corporate Social Responsibility initiatives for the benefit of the environment and socially vulnerable communities.
- xiii. Imposition of Customs Duty would allow collection of duties amounting to ₹ 3,822 Lakhs which is otherwise revenue foregone.
- xiv. Several downstream products of the subject goods such as two-wheeler, four-wheeler cars and paints and varnishes have seen reduction in GST. As a result, any impact due to the imposition of measures would be neutralised by a reduction in GST rates.
- xv. The domestic industry has supplied to a number of consumers which produce medical devices.

**K.3. Examination of the Director General**

138. While the Rules do not require the Director General to examine whether the imposition of measures would be in public interest, the Director General has nevertheless examined whether the imposition of safeguard measures shall be in the larger public interest. The same requires, inter alia, evaluation of impact of the safeguard measures on various stakeholders, and taking a balanced view keeping in view competing interests of different interested parties measures. For this purpose, the Director General sought views from all the interested parties, including the applicant, other producers, exporters, importers, users and government of Republic of Korea. The Director General sought information on relevant information through economic interest questionnaire to examine the impact of the proposed measures on all interested parties.

139. As noted above, the imports of duty-free subject goods have caused serious injury to the domestic industry. This has threatened the viability of the domestic producers in India. Further, new producers have entered in the market which may not remain viable if forced to sell at present prices. It is noted that imposition of measures will allow time to make appropriate adjustments to the domestic industry and other producers to compete with low priced imports.
140. The Director General prescribed a user questionnaire in which the users have provided information on impact of measures on the final cost and price of consumer's end products. The information provided by the users and by the domestic industry has been considered for the purpose of ascertaining the impact of proposed measures. It is noted that the present measures are not directed towards imposing any additional duty but only towards withdrawal of concession given earlier, that too in respect of imports from Korea RP alone. Imports from all other sources are totally unaffected by the proposed measures. Further, proposed measure would bring Korean imports at par with imports from other countries, that is subject such imports to the MFN duty rate.
141. As regards the argument that the imposition of the bilateral safeguard will lead to increase in the cost of the downstream product and will impact the downstream industry, the Director General notes that the removal of concessions will affect the price levels of the product in India. However, while the users have filed economic interest questionnaire, no impact has been quantified by the users on the downstream product in such response. The domestic industry has submitted calculations of impact of further downstream products, that is, footwear and wires and cables. The calculations provided show that the impact of measures on such products is negligible. Therefore, the impact of the measures on the ultimate end product shall be insignificant.
142. It has been pointed out by the domestic industry that several other ultimate end-use products of the subject goods such as two-wheeler, four-wheeler cars and paints and varnishes have seen reduction in GST. It is noted that the impact of such reduced incidence of tax will provide cost advantage to the downstream industry and end-consumers.
143. In this regard, it is noted that that there is no demand-supply gap and the domestic industry has sufficient capacity to cater to any growth in demand. Further, new producers have entered the Indian market which can also contribute and ensure the competitive supply options. The concerns that measures would result in shift to phthalate plasticizers with health/safety concerns will also be catered as the sufficient capacities in the country would allow all users to procure the product domestically. In any case, the imposition of measure is temporary, and parties are free to import the products on MFN duty.
144. It has been submitted by the domestic industry that the exporters from Korea RP have been subjected to anti-dumping duties in the USA. It is noted that due to such measures, the market for subject goods is limited and exporters find India to be a lucrative market with concessional duty.

#### **L. CONCLUSIONS AND RECOMMENDATIONS**

145. Based on the submissions of all interested parties, the Director General notes the following-
- i. The product produced by the applicant is the like and directly competitive goods to that being imported from the subject country.
  - ii. The application has been filed by the domestic producer constituting 62% share in total production. The applicant satisfies the requirement of standing in terms of the Rules.
  - iii. The subject imports have increased significantly in absolute term and in relation to production in India due to elimination of Basic Customs Duty on imports from Korea.
  - iv. The subject imports have entered India at prices below the selling price of the domestic industry.
  - v. The price undercutting is positive only due to elimination of Basic Customs Duty. In case, applicable MFN Customs duty was imposed, the imports from Korea would have been priced higher than the price of domestic producers and other imports.
  - vi. While the market share of the subject imports has increased, the market share of the Indian industry and other countries have declined.

- vii. While the production and sales of the domestic industry increased over the investigation period, the same was only due to the fact that the domestic industry has compromised on profitability.
- viii. The average inventories of the domestic industry have increased despite compromising on profitability.
- ix. The profitability of the domestic industry has deteriorated over the period.
- x. The cash profits of the domestic industry have declined, and it has faced a deterioration in its return on capital employed.
- xi. The increased imports have caused serious injury to the domestic industry.
- xii. No other factor as a cause of injury has been established by the interested parties.
- xiii. There exists a causal link between the increased imports and serious injury to the domestic industry
- xiv. The adjustment plan proposed to be implemented by the domestic industry will adequately allow it to achieve competitiveness and maintain profits.
- xv. Withdrawal of concessions will remedy the injury suffered by the domestic industry.
- xvi. The product under consideration does not form a significant part of the downstream product and will negligible impact on the downstream industry.
- xvii. The domestic industry has sufficient capacity to cater to the entirety of the demand.
146. It is, thus, considered appropriate to recommend bilateral safeguard measure in terms of Rule 10 of the Rules. Accordingly, the Director General recommends withdrawal of concessions and imposition of customs duty on imports of subject goods originating in Korea RP to the lower of below:
- Most Favoured Nation applied rate of customs duty on the subject goods as on the date of application of Bilateral safeguard measure or
  - Most Favoured Nation applied rate of customs duty on the subject goods as on the day immediately preceding the date of entry into force the CEPA.
147. The measure is recommended for a period of two years as per table below from the date of issue of the notification to be issued by the Ministry of Finance in this regard.

<b>Year</b>	<b>Details of measures recommended</b>
Year 1	Increase the rate of customs duty @100% to the level of Most Favoured Nation applied rate of customs duty
Year 2	Increase the rate of customs duty @75% to the level of Most Favoured Nation applied rate of customs duty

AMITABH KUMAR, Director General